आज का मौसम
22.0⁰ अधिकतम तापमान
10.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.51
सूर्यास्त 05.16

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष तृतीया 06:25 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

रविवार, 7 दिसंबर 2025, वर्ष 7, अंक 13, पृष्ठ 14+4 मूल्य 6 रुपये

सीजेआई का कड़ा संदेश- उच्चतम न्यायालय आम लोगों के लिए है
- 12

केंद्रीय वित्त मंत्री बोलीं- सीमा शुल्क को सरल बनाना होगा अगला बड़ा सुधार
- 12

जयशंकर बोले भारत-रूस संबंध वैश्विक स्तर पर लंबे समय से सबसे स्थिर
- 13

शुभमन गिल को पहले टी-20 मैच में खेलने के लिए मिली हरी झंडी
- 14

एक और फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़, सरगना समेत 6 पकड़े

संवाददाता, पीलीभीत/घुंघचिहाई

- 3 मोबाइल, 13 लैपटॉप, 2 कंप्यूटर एलईडी, यूएई का सिम बरामद

अमृत विचार: पुलिस ने एक और फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश कर छह जालसाजों को गिरफ्तार किया है। ये सभी दुबई में कॉल सेंटर में नौकरी कर चुके थे और अब अपना गिरोह चला रहे थे। कई प्रदेशों में इन्होंने ठगी की है।

एनसीआरपी पोर्टल से प्राप्त स्थानीय क्षेत्र के पॉश वेरिफिकेशन के दौरान 3 दिसंबर को पुलिस ने फर्जी कॉल सेंटर पकड़ा था। अमृतपाल गिरोह का सरगना था। उससे पूछताछ में पुलिस को सुराग मिले थे। इसी आधार पर एक और फर्जी कॉल सेंटर का धंधा पकड़ा गया। एसओजी और घुंघचिहाई पुलिस ने गिरोह के सरगना बसंतपुर नौनेर निवासी मनजीत सिंह उर्फ सोनू, गाबा चौक रुद्रपुर (उत्तराखंड) निवासी विक्रांत पंडित उर्फ विक्की सानागांव और च्रक खड़का, भोपाल के कालरा चौक निवासी कपिल मेहरा व कुनाल प्रजापति, भोपाल के ही दानिशकुंज के प्रशांत सिंह को पकड़ा। इनके पास से 13 मोबाइल, 13 लैपटॉप,2 कंप्यूटर, एलईडी, की-बोर्ड, 01 प्रिंटर जेरोक्स मशीन, 1160 रुपये, 2 सिम कार्ड खुरचे हुए, एक सिम यूएई का और तीन आधार कार्ड भी बरामद किए गए हैं।

बाउंड्रीवाल व छत्र से सुरक्षित होंगी बाबा साहेब की प्रतिमाएं

- महापरिनिर्वाण दिवस पर मुख्यमंत्री ने की घोषणा, विरोधी दलों पर निशाना
- संविदा व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को मिलेगी न्यूनतम मानदेय की गारंटी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को दो महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जहां भी बाबा साहेब की प्रतिमाएं स्थापित हैं, वहां बाउंड्रीवाल और प्रतिमाओं पर सुरक्षा के लिए छत्र लगाए जाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने घोषणा की कि चतुर्थ श्रेणी, संविदा और सफाई कर्मचारियों को न्यूनतम मानदेय देने की गारंटी सरकार अगले एक-दो महीने के भीतर उपलब्ध करा देगी।

सभा में उपस्थित लोगों को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी।

तुष्टिकरण करने वाले दल कर रहे देश का अहित

मुख्यमंत्री योगी ने मंच से विपक्षी दलों पर भी तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि तुष्टिकरण की नीति पर चलने वाले दल भारत का अहित कर रहे हैं और बाबा साहेब के आदर्शों का भी अपमान कर रहे हैं। उन्होंने ने एक ऐतिहासिक प्रसंग का हवाला देते हुए कहा कि बाबा साहेब ने स्वयं चेताया था कि जो लोग भारत भूमि को पवित्र नहीं मानते, उनके विचार देशहित में नहीं हो सकते।

मुख्यमंत्री योगी ने कुछ शरारती तत्वों द्वारा प्रतिमाओं को क्षति पहुंचाने की घटनाओं से नाराजगी जताते हुए कहा कि बाबा साहेब की प्रतिमाओं पर छत्र और उनके चारों ओर मजबूत बाउंड्रीवाल बनाकर स्थायी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। आयोजक आंबेडकर महासभा के अध्यक्ष विधान परिषद सदस्य डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल की मांग का जिक्र करते हुए योगी ने कहा कि सरकार ने आउटसोर्स सेवा निगम का गठन कर दिया है और अब चतुर्थ श्रेणी, संविदा व सफाई कर्मचारियों को न्यूनतम मानदेय देना सुनिश्चित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जीरो पॉवर्टी मिशन ते कहत अनुसूचित जाति-जनजाति और अतिपिछड़े गरीबों की पहचान लगभग पूरी हो चुकी है। जिनके पास अभी आवास या आयुष्मान कार्ड नहीं है, उन्हें घर और पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवर उपलब्ध कराया जाएगा। योगी ने कहा कि बाबा साहेब ने सामाजिक विषमताओं को तोड़कर वंचितों, दलितों और अति पिछड़ों को सम्मानजनक जीवन का मार्ग दिखाया। आज पीएम मोदी के नेतृत्व में चल रही जनकल्याणकारी योजनाएं—राशन, आवास, शौचालय, छात्रवृत्ति, पेंशन, आयुष्मान कार्ड संविधान की भावना में निहित न्याय, समता और बंधुता की ही परिणति हैं।

उन्होंने कहा कि हर मलिन बस्ती, दलित और जनजाति क्षेत्र को सड़क कनेक्टिविटी से जोड़ा जा रहा है और जहां भी कमी है, उसे पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो भी संपन्नता आज दिखाई देती है, वह बाबा साहेब की प्रेरणा और मोदी सरकार की प्रतिबद्धता से संभव हो रही है। योगी ने भरोसा दिलाया कि कोई भी गरीब, दलित, वंचित या अभावग्रस्त परिवार लाभ से वंचित नहीं रहेगा।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, मानवाधिकार समानता की ओर एक कदम व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

सरकार सख्त : 18 हजार से ज्यादा किराया नहीं ले सकेंगी एयरलाइंस

दूरी के हिसाब से टिकट दरें तय, इंडिगो को आज रात तक रिफंड के निर्देश

- 500 किमी तक की दूरी तक के लिए अधिकतम किराया होगा 7500 रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने इंडिगो संकट के बीच दूरी के हिसाब से अधिकतम किराया तय कर दिया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि 500 किलोमीटर तक की दूरी तक के लिए अधिकतम किराया 7500 रुपये होगा। वहीं, 500 किमी से 1,000 किमी तक की दूरी के लिए किराये की सीमा 12,000 रुपये तय की गयी है। एयरलाइंस 1000 से 1500 किमी के लिए 15000 रुपये से ज्यादा नहीं ले सकेंगी। 1,500 किमी से ज्यादा की सभी दूरी के लिए अधिकतम किराया 18000 रुपये तय किया गया है।

मंत्रालय ने कहा है कि अधिकतम किराया सीमा में यूजर डेवलपमेंट फी, यात्री सेवा शुल्क और कर शामिल नहीं हैं। साथ ही, बिजनेस श्रेणी की सीटों और उड़ान योजना के तहत आरक्षित सीटों पर भी यह सीमा लागू नहीं होगी। उसने कहा है कि यह व्यवस्था अस्थायी है और स्थिति सामान्य होने तक लागू रहेगी। इससे पहले मंत्रालय ने कहा था कि उसकी जानकारी में है कि इंडिगो की उड़ानें रद्द होने का फायदा उठाकर कुछ एयरलाइनें भारी-भरकम किराये वसूल रही हैं। मंत्रालय ने कहा है कि किसी तरह की अनियमितता दिखने पर सुधारात्मक कार्रवाई की जायेगी। मंत्रालय ने इंडिगो से कहा है कि वह बिना किसी देरी के सभी प्रभावित यात्रियों को पूरा रिफंड दे। रद्द या प्रभावित उड़ानों के मामले में रिफंड का काम रविवार 07 दिसंबर 2025 को रात आठ बजे तक पूरा करने का निर्देश दिया गया है। इसमें देरी होने पर नियामक कार्रवाई की जायेगी। एयरलाइंस से कहा गया है कि जिन यात्रियों ने बैगेज चेक-इन करा लिया था उसके बाद उनकी उड़ान रद्द हो गयी या उसमें देरी हुई, उनके बैगेज यात्री के घर पर या उनके द्वारा उपलब्ध कराये गये पते पर भिजवा दिये जाएं। सरकार ने पूरे मामले की जांच के लिए डीजीसीए के एक संयुक्त सचिव की अध्यक्षता में चार सदस्यीय समिति गठित की है। समिति इंडिगो संकट के कारणों की जांच करेगी और भविष्य ऐसी स्थिति से बचने के उपाय सुझायेगी।

कोलकाता : नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रतीक्षा करते यात्री।

इंडिगो की 800 से अधिक उड़ानें रद्द रहीं

नई दिल्ली। इंडिगो की शनिवार को 800 से अधिक उड़ानें रद्द रहीं जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। एयरलाइंस ने बताया कि शनिवार को रद्द उड़ानों की संख्या घटकर 850 से कम रह गयी है। उसने कहा है कि आने वाले दिनों में इस संख्या को और कम करने तथा परिचालन सामान्य करने के लिए वह प्रयासरत है। 04 दिसंबर में करीब 400, 05 दिसंबर को 1,000 से अधिक और 06 दिसंबर को 800 से ज्यादा उड़ानें रद्द रही हैं।

अतिरिक्त उड़ानों का संचालन करेगी एयर इंडिया

नई दिल्ली। एयर इंडिया ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि वह यात्रियों और उनके बैगेज को जल्द से जल्द उनके गंतव्यों तक पहुंचाने के लिए अतिरिक्त उड़ानें शुरू करने के विकल्प तलाश रही है। एयर इंडिया ने दावा किया है कि उसने 04 दिसंबर से जारी भारी मांग के बीच खुद ही पहल करते हुए किराये की कैपिंग की है ताकि यात्रियों को परेशानी न हो।

टीएमसी के निलंबित विधायक ने मुर्शिदाबाद में बाबरी जैसी मस्जिद की नींव रखी

बहरमपुर, एजेंसी

- केंद्रीय बलों की रही तैनाती, सऊदी अरब के धार्मिक नेता मंच पर मौजूद रहे
- कबीर ने मंच से कई बार कहा - प्रस्तावित ढांचा किसी भी कीमत पर बनकर रहेगा

टीएमसी के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने शनिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के रेजीनगर में अयोध्या की बाबरी मस्जिद के मॉडल पर आधारित एक मस्जिद की नींव रखी। आरएएफ और केंद्रीय बलों की भारी तैनाती के बीच, कबीर ने मौलवियों के साथ, रेजिनगर में एक विशाल मंच पर औपचारिक फीता काटा, जबकि वास्तविक मस्जिद निर्माण स्थल आयोजन स्थल से लगभग एक किलोमीटर दूर था। वहां मौजूद लोगों में से कई प्रतीकात्मक रूप से अपने सिर पर ईंट लिए हुए थे। यह कार्यक्रम छह दिसंबर को निर्धारित किया गया था, जिस दिन 1992 में उत्तर प्रदेश के अयोध्या में बाबरी मस्जिद ढहा दी गई थी।

आयोजन के तिथि चयन को लेकर तीखी राजनीतिक प्रतिक्रिया भी आई। न केवल रेजिनगर में, बल्कि निकटवर्ती बेलडांगा क्षेत्र में भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई, जिसे प्रशासन ने भीड़ बढ़ने और तनाव बढ़ने की आशंका के मद्देनजर प्रभावी रूप से उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र में तब्दील कर दिया था। कबीर को तृणमूल कांग्रेस ने सांप्रदायिक राजनीति में शामिल होने के आरोप में इस हफ्ते की शुरुआत में निलंबित कर दिया था। कबीर ने कार्यक्रम के मंच से कई बार कहा कि प्रस्तावित ढांचा किसी भी कीमत पर बनकर रहेगा। उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मैं कुछ भी असंवैधानिक नहीं कर रहा हूं। उपासना स्थल बनाना एक संवैधानिक अधिकार है। बाबरी मस्जिद जरूर बनेगी। कबीर ने दावा किया कि इस परियोजना में किसी भी वित्तीय बाधा का सामना नहीं करना पड़ेगा।

कबीर ने कहा कि मुख्य मस्जिद तीन कट्ठा जमीन पर बनाई जाएगी, जबकि पूरा परिसर लगभग 25 बीघा में फैला होगा। कबीर ने स्थल के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण पेश करते हुए घोषणा की कि इस परिसर में एक अस्पताल, एक मेडिकल कॉलेज, एक विश्वविद्यालय, एक होटल और एक हेलीपैड भी होगा, जिसकी कुल अनुमानित लागत लगभग 300 करोड़ रुपये होगी। उन्होंने बताया कि एक स्थानीय डॉक्टर ने इस परियोजना के लिए पहले ही एक करोड़ रुपये दान कर दिए हैं।

आज गीता पाठ, पांच लाख लोगों के शामिल होने की उम्मीद

कोलकाता। कोलकाता में रविवार को 'हिंदुओं के आध्यात्मिक जागरण' के लिए भगवद् गीता का पाठ आयोजित किया गया है जिसमें करीब पांच लाख श्रद्धालु शामिल होंगे। आयोजक सनातन संस्कृति संसद के प्रवक्ता ने बताया कि पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस के भी 'एक साथ पांच लाख गीता पाठ' नामक कार्यक्रम में शामिल होने की उम्मीद है। प्रवक्ता ने बताया कि रामदेव, धार्मिक गुरु धीरेन्द्र शास्त्री और कार्तिक महाराज इस अवसर पर मौजूद श्रद्धालुओं को संबोधित करेंगे और गीता पाठ में हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया कि राज्यपाल के अलावा, हमने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भी निमंत्रण भेजा है, लेकिन उनके कार्यालय ने अब तक कोई जवाब नहीं दिया है। यह एक आध्यात्मिक कार्यक्रम है जिसका राजनीति से कोई संबंध नहीं है।

ब्रीफ न्यूज

जुबिन मौत मामले की जांच पूरी, 12 को दाखिल होगा आरोप पत्र

गुवाहाटी। गायक जुबिन गर्ग की मौत की जांच लगभग पूरी हो गई है और 12 दिसंबर को आरोप पत्र दाखिल किया जाएगा। जुबिन की 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में तैरते समय संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई थी। सीआईडी के विशेष पुलिस महानिदेशक मुन्ना प्रसाद गुप्ता ने बताया कि जांच पूरी हो चुकी है। आरोप पत्र में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। जुबिन मौत मामले की जांच कर रहे एसआईटी का नेतृत्व कर रहे गुप्ता ने कहा कि अब तक सात गिरफ्तारियां की गई हैं और 300 से अधिक गवाहों से पूछताछ की गई है। आरोप पत्र सीआईडी द्वारा 18/2025 संख्या से दर्ज प्राथमिकी में दायर किया जाएगा।

नीट पीजी अभ्यर्थी अपने ही संस्थान में होंगे सीनियर रेजिडेंट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- काउंसिलिंग तक प्रभावी रहेगी व्यवस्था सेवा अवधि होगी बांड में शामिल
- पीजी पूरी करते ही सीनियर रेज़िडेंट पदों पर होगी त्वरित तैनाती

अमृत विचार : राजकीय मेडिकल कॉलेजों से परास्नातक कर रहे नीट पीजी 2022 (एमडी-एमएस) तथा नीट पीजी 2023 (डिप्लोमा) अभ्यर्थियों के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग ने महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। ऐसे अभ्यर्थियों को फिलहाल अपने-अपने संस्थान में ही बतौर सीनियर रेज़िडेंट सेवाएं देनी होंगी।

यह सुविधा 29 जनवरी से प्रस्तावित नीट पीजी 2025 की ऑन लाइन काउंसिलिंग के माध्यम से होने वाली नियुक्ति तक प्रभावी रहेगी। यह निर्देश चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक कार्यालय ने सभी चिकित्सा विश्वविद्यालयों, चिकित्सा संस्थानों और राजकीय मेडिकल कॉलेजों को भेज दिया है। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक कार्यालय के अपर निदेशक आलोक कुमार ने बताया कि यह व्यवस्था 29 जनवरी से प्रस्तावित नीट पीजी-2025 की ऑनलाइन काउंसिलिंग के माध्यम से होने वाली नियुक्ति तक प्रभावी रहेगी। इस अवधि के दौरान दी गई सेवा को दो वर्ष की अनिवार्य सेवा बांड में शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिन पीजी अभ्यर्थियों का अंतिम वर्ष का परिणाम घोषित हो चुका है और वे उत्तीर्ण हैं। उन्हें रोगीहित व छात्रहित में तुरंत प्रभाव से अपने संस्थान में वैकल्पिक व्यवस्था के तहत सीनियर रेज़िडेंट के रूप में नियुक्त किया जाएगा। साथ ही स्पष्ट किया कि यह नियुक्ति अस्थायी होगी और सभी पात्र अभ्यर्थियों का चिकित्सा शिक्षा महानिदेशालय द्वारा आयोजित काउंसिलिंग में सम्मिलित होना अनिवार्य है। काउंसिलिंग के बाद होने वाली अंतिम नियुक्ति उसी के आधार पर मान्य होगी। अभ्यर्थियों द्वारा इस अवधि में दी गई सेवाओं को अनिवार्य सरकारी सेवा बांड में जोड़ा जाएगा, जिससे मेडिकल कॉलेजों में मानव संसाधन की उपलब्धता में भी मदद मिलेगी।

कुवैत से भरवाया एसआईआर फॉर्म, तीन पर रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता,रामपुर

- मां ने बेटों के फार्म पर किए हस्ताक्षर सिविल लाइंस थाने में दर्ज हुई रिपोर्ट

अमृत विचार: रामपुर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में गलत जानकारी देने के आरोप में एक महिला और विदेश में रहने वाले उसके दो बेटों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई है। मां ने दो बेटों के एसआईआर फार्म पर हस्ताक्षर करके जमा कर दिए थे। सुपरवाइजर की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की।

विधानसभा क्षेत्र 37 की भाग संख्या 237 से 248 तक के सुपरवाइजर दिनेश कुमार हैं। बीएलओ द्वारा फॉर्म का डिजिटाइजेशन करने पर पता चला कि भाग संख्या 248 की क्रम संख्या 646 पर दर्ज आमिर पुत्र मुश्ताक हुसैन और क्रम संख्या 648 पर दर्ज दानिश खां पुत्र मुश्ताक हुसैन निवासी पानी की टंकी के सामने, ज्वाला नगर के गणना प्रपत्रों पर इनकी माता नूरजहां द्वारा हस्ताक्षर किए गए हैं। जांच में पाया गया कि दोनों व्यक्ति लंबे समय से कुवैत में रह रहे हैं। इनकी मां ने इनका गणना प्रपत्र भरकर हस्ताक्षर करके बीएलओ को दिया जो लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 31 का उल्लंघन है। दोनों भाइयों व उनकी माता द्वारा तथ्यों को छिपाकर धोखाधड़ी की। बीएलओ की तहरीर पर पुलिस ने तीनों पर बीएनएस 237 और बीएनएस 318(2), रिप्रेजेंटेशन ऑफ द पिपुल एक्ट 1950 की धारा-31 में रिपोर्ट दर्ज की है। इस संबंध में जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि तीन लोगों पर गलत तरीके से एसआईआर कराने के लिए रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। जो रात में जहां विश्राम करता है वोट वहीं से बनवाए।

विकास | मोदी ने कहा कि आर्थिक वृद्धि को उसके धर्म से जोड़ना क्या अनजाने में हो सकता है? यह उपनिवेशी मानसिकता का ही प्रतीक था

तब हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ कहने वाले अब खामोश क्यों : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

जीडीपी की 8.2 प्रतिशत की वृद्धि प्रगति की नयी गति को दर्शाती है। ये आंकड़े ऐसे समय में आये हैं जब वैश्विक वृद्धि दर लगभग तीन प्रतिशत और जी-7 देशों की वृद्धि औसत डेढ़ प्रतिशत के आसपास है। भारत की आर्थिक वृद्धि के ताजा आंकड़े एक दशक के सुधारों का परिणाम हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि के आंकड़े उन बुनियादी परिवर्तनों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो देश में पिछले 10 साल में हुए हैं, और यह दर्शाता है कि भारत दुनिया की आर्थिक वृद्धि का एक मजबूत इंजन बन गया है।

मोदी ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुछ दिन पहले जारी दूसरी तिमाही के जीडीपी के आंकड़ों का उल्लेख किया जिनमें 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये आंकड़े प्रगति की नयी गति को दर्शाते हैं। ये आंकड़े ऐसे समय में आये हैं जब वैश्विक वृद्धि दर लगभग तीन प्रतिशत और जी-7 देशों की वृद्धि औसत डेढ़ प्रतिशत के आसपास है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत उच्च वृद्धि और कम मुद्रास्फीति का मॉडल बनकर उभरा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इतनी तेज वृद्धि के बावजूद आज कोई इसे हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ नहीं कहता। यह शब्द तब इस्तेमाल होता था, जब भारत दो-तीन प्रतिशत की वृद्धि के लिए संघर्ष करता था। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी देश की आर्थिक वृद्धि को उसके धर्म या लोगों की पहचान से जोड़ना क्या अनजाने में हो सकता है? यह उपनिवेशी मानसिकता का ही प्रतीक था। इसमें पूरे समाज और परंपरा को अकर्मण्यता और गरीबी से जोड़ने की कोशिश की गयी। उपनिवेश काल में भी भारत हथियारों का बड़ा उत्पादक था, ऑर्डिनेंस फैक्ट्रियों का विस्तृत नेटवर्क था, और भारत हथियारों का निर्यात करता था। लेकिन स्वतंत्रता के बाद रक्षा निर्माण प्रणाली ध्वस्त कर दी गयी। उपनिवेशी मानसिकता के कारण सरकार ने भारत में बने हथियारों को महत्व नहीं दिया, और भारत दुनिया के सबसे बड़े रक्षा आयातकों में शामिल हो गया। उन्होंने कहा कि भारत सदियों तक जहाज निर्माण का प्रमुख केंद्र रहा था। पहले भारत के 40 प्रतिशत व्यापार का परिवहन भारतीय जहाजों से होता था। लेकिन विदेशी जहाजों को प्राथमिकता दी गयी, और परिणामस्वरूप आज भारत अपने 95 प्रतिशत व्यापार के लिए विदेशी जहाजों पर निर्भर है - जिसके कारण हर वर्ष लगभग 75 अरब डॉलर (करीब छह लाख करोड़ रुपये) विदेशी शिपिंग कंपनियों को चुकाने पड़ते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि चाहे जहाज निर्माण हो या रक्षा निर्माण, आज हर क्षेत्र उपनिवेश मानसिकता को पीछे छोड़कर नयी ऊंचाइयों की ओर बढ़ने का प्रयास कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्र को हर क्षेत्र में उपनिवेशी मानसिकता से पूरी तरह मुक्त होना है।

... आज चर्चा होती है कम मुद्रास्फीति की

मोदी ने याद किया कि एक समय अर्थशास्त्री ऊंची मुद्रास्फीति को लेकर चिंतित रहते थे, लेकिन आज वही अर्थशास्त्री देश की कम मुद्रास्फीति की चर्चा करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की उपलब्धियां साधारण नहीं हैं, और न ही वे केवल आंकड़ों की बात हैं, बल्कि वे उस बुनियादी परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करती हैं, जो देश में पिछले दशक में आया है। इस परिवर्तन में विश्वास की नींव आज किये जा रहे कार्यों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि आज के सुधार और आज का प्रदर्शन कल के परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। श्री मोदी ने कहा कि भारत की एक बड़ी क्षमता लंबे समय तक अप्रयुक्त रही। जब इस अप्रयुक्त क्षमता को अधिक अवसर मिलते हैं, और जब यह बिना बाधा देश के विकास में पूरा योगदान देती है, तो देश का परिवर्तन निश्चित है।

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 7 दिसंबर 2025

पीलीभीत

न्यूज ब्रीफ

ग्रामीण पर हमले की रिपोर्ट दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव दौलतपुर पट्टी के रहने वाले संजीव कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह चार दिसंबर को शाम करीब सात बजे मकान के बाहर बैठे थे। गांव निवासी सुरेंद्र उसके पास आया और हमला कर पीटा। बचाने आई भाभी किरन देवी को भी पीटा। जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

विवाहिता को पीटने पर हुई एफआईआर

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव अधकटा की रहने वाली सरिता पत्नी महेश पाल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी शादी दो वर्ष पूर्व की थी। पति महेश पाल, सास सावित्री देवी, ससुर नरेंद्र, ननद चांदनी व चचेरी ननद रिंकी ने मारपीट की। शनिवार को सभी ने मारपीट की। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज की है।

25 बकाएदारों से बिल की वसूली

दियोरियाकलां, अमृत विचार : बिजली बिल राहत योजना का पहला चरण शुरू हो चुका है, जोकि 31 दिसंबर तक चलेगा। शनिवार को बड़ागांव में शिविर लगाया गया। एसडीओ जगदीश सिंह, जेई लक्ष्मीकांत, कुलदीप आदि शामिल हुए। समस्त संविदा कर्मचारी शिविर में मौजूद रहे। करीब 70 हजार रुपये का राजस्व जमा किया गया। एसडीओ जगदीश सिंह ने बिजली बिल बकाएदारों से राहत शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

पुलिस ने बाइक चोरी की रिपोर्ट दर्ज की

बीसलपुर, अमृत विचार : कोतवाली में दी गई तहरीर में गांव अहिरपुर नगला निवासी मुकेश कुमार ने बताया कि 29 नवंबर को वह पीलीभीत मार्ग स्थित एक बरात घर में गए थे। इस दौरान उनकी बाइक चोरी हो गई। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

विवाहिता पर किया हमला, रिपोर्ट दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव अधकटा की निवासी सरिता पत्नी महेश पाल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी शादी दो वर्ष पूर्व हुई थी। पति महेश पाल, सास सावित्री देवी, ससुर नरेंद्र, ननद चांदनी, चचेरी ननद रिंकी ने दहेज की मांग पूरी न होने पर मार पीट की। समझाने पर भी नहीं माने। शनिवार को दोबारा पीटा और घर पर न रखने की बात कही। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

सीडीओ ने वाइब्रेंट योजना में शामिल दो गांवों का किया निरीक्षण

नेपाल सीमा से सटे 5 गांव बनेंगे वाइब्रेंट विलेज, बढ़ेगी विकास की रफ्तार

वाइब्रेंट विलेज योजना में शामिल होने के बाद अब विकास का खाका किया जाएगा तैयार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : भारत-नेपाल सीमा से सटे क्षेत्रों में विकास की रफ्तार को गति देने के लिए वाइब्रेंट विलेज योजना के तहत पीलीभीत के पांच गांवों का कायाकल्प किया जाएगा। दरअसल, इन सभी पांच गांवों का वाइब्रेंट विलेज योजना में चयन किया गया है। अब इन गांवों में केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं से शत-प्रतिशत विकास कार्य कराए जाएंगे। इससे स्थानीय लोगों के जीवन स्तर में सुधार तो होगी ही, साथ ही पर्यटन एवं रोजगार को बढ़ावा मिल सकेगा।

जनपद की कलीनगर तहसील के गांव नौजलिया नकटहा, बंदरबोझ, रमनगरा एवं पुरनपूर तहसील के टाटरगंज एवं बैल्हा गांव भारत-नेपाल सीमा से सटे है। यहां के लोग बेहतर जीवन शैली, शिक्षा, रोजगार के लिए तेजी से शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। बदलती परिस्थितियों में अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे गांवों का खाली होना भी किसी दशा में उचित नहीं कहा जा सकता है। यही कारण है कि केंद्र और राज्य सरकार सीमावर्ती गांवों पर विशेष ध्यान दे रही हैं। इसी मंशा से केंद्र सरकार द्वारा सीमांत गांवों में बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण, आजीविका सृजन और आबादी को रोकने के उद्देश्य से वाइब्रेंट विलेज योजना शुरू की गई है। इधर वाइब्रेंट विलेज योजना में जनपद के कलीनगर तहसील के गांव नौजलिया नकटहा, बंदरबोझ, रमनगरा एवं पूरनपुर तहसील के टाटरगंज एवं बैल्हा को शामिल किया गया है।

सीमावर्ती क्षेत्र में निरीक्षण करते सीडीओ राजेंद्र कुमार श्रीवास। ● अमृत विचार

योजना के तहत ही अब इन गांवों का कायाकल्प किया जाना है। सरकार की मंशा अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे गांवों से हो रहे पलायन को थामना भी है। इसी कड़ी में योजना में शामिल इन सभी पांच गांवों के लिए कार्ययोजना तैयार की जानी है। अब इन सभी गांवों में आजीविका विकास समेत अन्य गतिविधियां तेजी से संचालित होंगी। इधर शनिवार को मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र कुमार श्रीवास ने गांव नौजिलया नकटहा और बंदरबोझ में पहुंचकर जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से भी बातचीत की और गांव के बारे में जानकारी ली।

योजना लागू करने का यह है उद्देश्य

- सीमावर्ती गांवों के स्थानीय, प्राकृतिक, मानव और अन्य संसाधनों के आधार पर आर्थिक चालकों की पहचान और विकास करने में सहायता करना।
- सामाजिक उद्यमिता को बढ़ावा देने, कौशल विकास और उद्यमिता के माध्यम से युवाओं, महिलाओं के सशक्तिकरण के माध्यम पर आधारित विकास केंद्रों का विकास करना।
- स्थानीय, सांस्कृतिक, पारंपरिक ज्ञान और विरासत को बढ़ावा देकर पर्यटन क्षमता का लाभ उठाना।

पांच गांवों में इन मुख्य बिंदुओं पर होंगे कार्य

आर्थिकी सुधार, आजीविका विकास, ऊर्जा व नवीकरणीय ऊर्जा, घर व ग्रामीण अवस्थापना, पर्यटन, पारिस्थितिकी तंत्र का पुनरुद्धार, सड़क कनेक्टिविटी, कौशल विकास, सामुदायिक अवस्थापना सुविधा।

> भारत-नेपाल सीमा से सटे जनपद के पांच गांवों को वाइब्रेंट विलेज योजना में चयनित किया गया है। योजना के तहत इन गांवों में प्राथमिकता के आधार पर विकास कार्य कराने के लिए जल्द ही कार्य योजना तैयार की जाएगी। – **राजेंद्र कुमार श्रीवास**, मुख्य विकास अधिकारी।

सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम में कई पुरस्कृत

कार्यक्रम में पुरस्कृत की गई छात्राएं व अन्य। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: अंगूरी देवी सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में शनिवार को महिलाओं का सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसकी शुरुआत मुख्य अतिथि डॉ.राखी मिश्रा, अध्यक्षा सुमन गुप्ता, मुख्य वक्ता अर्चना गहलोत, प्रबंधक कुमकुम अग्रवाल, डॉ. रेनू सक्सेना, राष्ट्र सेविका समिति की अध्यक्ष उमा मिश्रा, किरन गुप्ता ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके कराई।

प्रधानाचार्या उपासना शर्मा ने परिचय कराया। कार्यक्रम में नारी के सात गुणों की चर्चा की। संचालन कमलेश शर्मा ने किया। आभा सक्सेना के निर्देशन में छात्राओं ने समूह गीत हम ही मातृ शक्ति प्रस्तुत किया। अर्चना गहलोत ने कुटुंब प्रबोधन एवं भारतीय दृष्टि के माध्यम से पर्यावरण के सम्बन्ध में चर्चा की। डॉ. नीतू जायसवाल ने प्रेरणादायी महिलाओं के संदेश का प्रदर्शन छात्राओं के माध्यम से कराया। शिक्षा क्षेत्र में कार्य करने पर किरन सक्सेना को सम्मानित किया। पारिवारिक प्रतिष्ठा क्षेत्र में उषा गंगवार, संयुक्त परिवार के लिए चम्पा देवी, स्वतंत्रता सेनानी शहीद ओम निवास की धर्मपत्नी मनीषा देवी व पुत्र शिशिर कुमार को सम्मानित किया गया। अजय चौहान ने कार्यक्रम के अनुभव कथन में संस्कार और संस्कृति के द्धारा बेटियों को आगे बढ़ाकर राष्ट्र का निर्माण करने की प्रेरणा दी।

तीन दिवसीय रोवर्स रेंजर्स शिविर का समापन

रोवर्स रेंजर्स के बनाए टैंट देखते शिक्षक। ● अमृत विचार

बिलसंडा, अमृत विचार: राजकीय महाविद्यालय हेमपुर में तीन दिवसीय रोवर्स रेंजर्स शिविर का समापन हो गया। अंतिम दिन रोवर्स रेंजर्स ने आकर्षक टेंट, फूड प्लाजा और चार्ट प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया।

डॉ. दिनेश चंद्रा ने कहा कि इस तरह के आयोजनों का होना जरूरी है। ऐसे शिविर के आयोजन होने से युवाओं में नेतृत्व करने की क्षमता का विकास होता है। महाविद्यालय प्रबंधन ने परिणाम घोषित किए। बेस्ट लॉगबुक में पवनदीप कौर प्रथम, बेस्ट रेंजर्स में शिवी, बेस्ट रोवर्स में प्रियांशु तिवारी और बेस्ट टेंट में बाघ टोली प्रथम, सावित्री बाई फूले द्वितीय, ज्योतिबा राव फूले टोली तृतीय स्थान पर रही।

इस मौके पर जिला स्काउट गाइड कमिश्नर डॉ. महेश बाबू, डॉ. वेदप्रकाश, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. सतेंद्र कुमार, अभिषेक पांडेय, प्रांजल जायसवाल, मोंटी शुक्ला, सत्यभान सिंह, सुरेंद्र प्रताप सिंह आदि रहे।

दो अलग-अलग मारपीट के मामलों में रिपोर्ट

बिलसंडा, अमृत विचार : पुलिस ने मारपीट के दो अलग अलग मामलों में रिपोर्ट दर्ज की है। गांव नवदिया मरौरी निवासी राजेश कुमार ने बताया कि वह शुक्रवार सुबह शौच को जा रहे थे। ग्राम समाज की जमीन के विवाद में गांव के अनिल कुमार व राधेश्याम ने गाली गलौज और मारपीट की।

उधर मोहनपुर बबुरा निवासी रामनिवास ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 27 नवम्बर की सुबह आठ बजे आपसी कहासुनी होने पर गांव के राजकुमार ,विकास, रेखा, सुनीता देवी ने मिलकर मारपीट की। पत्नी सोनकली, भाभी फूलमती, गौरीश, लीलाधर बचाने आए तो उनके साथ भी मारपीट की। एसओ सिद्धांत शर्मा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच कराई जा रही है।

सुविधा: क्रय केंद्रों पर अफसरों के नंबर चस्पा

केशोपुर स्थित गन्ना क्रय केंद्र पर किसानों से वार्ता करते डीसीओ खुशीराम भार्गव।

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **डीसीओ ने पूरनपुर क्षेत्र में गन्ना क्रय केंद्र का निरीक्षण कर जानी हकीकत**
- **जिले में 193 क्रय केंद्रों पर रोजाना 2.25 लाख क्विंटल हो रही गन्ना खरीद**

अमृत विचार: जनपद के गन्ना किसानों को अब गन्ना पर्चियों एवं तौल से संबंधित समस्याओं से नहीं जूझना पड़ेगा। सभी गन्ना क्रय केंद्रों पर चीनी मिल एवं गन्ना विभाग के अधिकारियों के नंबर चस्पा किए गए हैं। किसान सीधे इन नंबरों पर बात कर अपनी समस्या का समाधान करा सकते हैं।

वर्तमान पेराई सत्र में जनपद की चारों चीनी मिलों में गन्ना पेराई का कार्य शुरू हो चुका है। इसके अलावा पड़ोसी जनपद की फरीदपुर चीनी मिल, निगोही चीनी मिल, मकसूदापुर चीनी मिल, संपूर्णानगर और गुलरिया चीनी मिल द्वारा भी जिले के गन्ना किसानों से गन्ना खरीद की जाती है। जनपद भर 193 क्रय केंद्र स्थापित कर गन्ना खरीद की जा रही है। जनपद में रोजाना ही 2.25 लाख क्विंटल गन्ना खरीद की जा रही है। इधर अब गन्ना किसानों को गन्ना क्रय केंद्रों पर सहुलियत देने के लिए सभी क्रय केंद्रों पर चीनी मिल एवं विभागीय अधिकारियों के नंबर चस्पा किए गए हैं। गन्ना पर्ची एवं तौल संबंधी समस्या होने पर किसान सीधे गन्ना समिति के सचिव, चीनी मिल के नोडल अधिकारी एवं टॉल फ्री नंबर पर बात कर समस्या का समाधान कर सकते हैं।

डीसीओ ने गन्ना क्रय का किया निरीक्षण

इधर जिला गन्ना अधिकारी खुशीराम भार्गव ने क्रय केंद्रों पर गन्ना उठान एवं दैनिक इंडेंट की जांच को लेकर किसान सहकारी चीनी मिल पूरनपुर के क्रय केंद्र केशोपुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान तौल लिपिक कार्य करते मिले। बताया गया कि क्रय केंद्र पर अब तक 10041.30 क्विंटल गन्ना खरीद की जा चुकी है। जिला गन्ना अधिकारी ने गांव चंदोखा निवासी किसान रामदयाल की गन्ने से भरी ट्राली का वजन करवाया। जोकि 05 क्विंटल का मानक बांट रखने पर वजन सही पाया गया। निरीक्षण के दौरान क्रय केंद्र पर नियमित खरीद एवं गन्ना उठान होता पाया गया। दैनिक गन्ना खरीद पंजिका एवं कांटा जांच पंजिका भी पूर्ण पाई गई। जिला गन्ना अधिकारी ने किसानों से गन्ने की पत्ती खेत मे न जलाने एवं संबंधित गन्ना विकास समिति से ट्रैक्टर एवं ट्रेश मल्चर लेकर प्रबंधन करने की अपील की। निरीक्षण के दौरान गन्ना समिति पूरनपुर के डायरेक्टर गंगा राम, गन्ना किसान रामदयाल, शिवकुमार, सुखदेव, प्रमोद कुमार, दयाशंकर, विनोद सिंह, मिश्री लाल, महेंद्रपाल आदि मौजूद रहे।

मनरेगा लोकपाल कार्यालय में संसाधनों का अभाव

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **जिम्मेदारों को डिमांड भेजने के बावजूद उपलब्ध नहीं कराया गया स्टाफ**
- **कार्यालय में अब तक 41 शिकायतों में 32 का हो सका है निस्तारण**

अमृत विचार: जनपद में मनरेगा से संबंधित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं की जांच के लिए जनपद स्तर पर तैनात किए मनरेगा लोकपाल का कार्यालय संसाधनों की कमी से जूझ रहा है। बिना स्टाफ महज एक पुराने कंप्यूटर के माध्यम काम चलाया जा रहा है। यह दीगर बात यह है कि साधन विहीन लोकपाल मनरेगा कार्यालय के माध्यम से अब तक 41 शिकायतों में 32 शिकायतों का निस्तारण किया जा चुका है।

सरकार की ओर से मनरेगा से संबंधित कार्यों की निगरानी एवं योजना से संबंधित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं की जांच के लिए जनपद स्तर पर लोकपाल की नियुक्ति की गई है। जनपद में गत वर्ष लोकपाल मनरेगा गेंदनलाल वर्मा की नियुक्ति करते हुए उन्हें विकास भवन में कार्यालय उपलब्ध कराया गया है। इस कार्यालय में सुविधाओं के नाम पर महज महज एक पंखा और बल्ब लगे हुए हैं। मनरेगा सेल से एक पुराना कंप्यूटर उपलब्ध कराया गया है, जोकि अकसर खराब रहता है। वहीं गाइडलाइन के अनुसार लोकपाल कार्यालय में कंप्यूटर ऑपरेटर ,पटल सहायक तथा एक चतुर्थ श्रेणी कर्मी रखे जाने का प्रावधान है, मगर कार्यालय में एक भी कर्मी की नियुक्ति नहीं की गई है।

हालांकि इसको लेकर लोकपाल मनरेगा की ओर से कई बार पत्र लिखकर कार्य निष्पादन के लिए कंप्यूटर ऑपरेटर आदि की स्टाफ की डिमांड भी की जा चुकी है। ऐसे में लोकपाल मनरेगा को ही सभी कार्य स्वयं करने पड़ रहे हैं।

साधनविहीन कार्यालय, फिर भी निस्तारण में प्रथम

मनरेगा लोकपाल कार्यालय भले ही साधनवहीन हो, मगर, इसके बावजूद भी कार्यालय शिकायत के निस्तारण में प्रथम स्थान पर है। लोकपाल मनरेगा ने बताया कि अब तक कुल 41 शिकायतें प्राप्त हुई थी। जिसमें 32 शिकायतों का निस्तारण किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि ब्लॉक मुख्यालय से प्राप्त जांच रिपोर्ट एवं स्थलीय निरीक्षण के आधार पर निस्तारित की गई अधिकांशत: ग्राम पंचायतों में ग्राम प्रधान तथा अन्य मनरेगा कर्मियों से दुरुपयोगित धनराशि की वसूली किये जाने का आदेश सहित जुर्माना एवं मनरेगा कर्मियों की सरकारी सेवा पुस्तिका में प्रतिकूल प्रविष्टि के साथ-साथ ही प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करवाना, विभागीय एवं विधिक कार्यवाही भी सम्मिलित है। लोकपाल मनरेगा गेंदनलाल वर्मा ने बताया कि सीमित संसाधनों के साथ ही ससमय शिकायतों के निस्तारण के प्रयास किए जा रहे हैं।

महिला को पीटकर घर से निकालने का आरोप

बीसलपुर, अमृत विचार: अतिरिक्त दहेज में कार और 25 लाख रुपये की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को पीटकर घर से निकाल दिया गया।

क्षेत्र की एक विवाहिता ने बताया कि उसकी शादी 21 मई 2021 को बंडा शाहजहांपुर के एक युवक से हुई थी। ससुराल वाले अतिरिक्त दहेज की मांग कर रहे थे। 25 नवंबर को ससुर कमरे में आए और छेड़छाड़ की। जान से मारने की धमकी दी। 26 नवंबर को पति बाइक पर बैठाकर लाया और बीसलपुर के ईदगाह चौराहा पर छोड़ गया। पुलिस ने पति, ससुर, सास समेत सात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

डीएम ने एसआईआर को लेकर की बैठक

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

पूरनपुर नगर पालिका में एसआईआर के संबंध में बैठक करते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह।

- **चेयरमैन समेत सभासदों से की सहयोग की अपील**

अमृत विचार: विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी व डीएम की अध्यक्षता में पूरनपुर नगर पालिका कार्यालय में बैठक हुई। इस दौरान उन्होंने पालिका चेयरमैन समेत सभासदों से एसआईआर के संबंध में जानकारी ली और सहयोग करने की अपील की।

जिला निर्वाचन अधिकारी व डीएम ज्ञानेंद्र सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को पूरनपुर नगरपालिका कार्यालय में बैठक हुई। इस दौरान उन्होंने पालिका चेयरमैन शैलेंद्र गुप्ता और सभासदों से घर-घर जाकर किए जा रहे गणना प्रपत्र वितरण, जमा की जानकारी ली और अभियान को प्रभावी रूप से संचालित करने के लिए सहयोग की अपेक्षा की। उन्होंने कहा कि भ्रमण कर नगर वासियों को गणना प्रपत्र जमा करने के लिए जागरूक किया जाए। यदि किसी मतदाता का वोट अलग-अलग स्थानों पर है तो वह एक स्थान का गणना प्रपत्र भरें। बताया कि इस विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची को सटीक, त्रुटिरहित और अद्यतन बनाना है। बैठक में एसडीएम अजीत प्रताप सिंह समेत अन्य अधिकारी समेत सभासद मौजूद रहे।

स्पोर्ट्स मीट में बच्चों ने दिखाया दम, पुरस्कृत

दौड़ प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार: फ्यूचर इंटरनेशनल स्कूल में सेकंड एनुअल इंटर स्कूल स्पोर्ट्स मीट का आयोजन किया गया। जिसमें दौड़, लांग जंप, डिस्कस, शॉट पुट आदि खेल कराए गए। इसकी शुरुआत ट्रस्टी तेजपाल सिंह राणा ने मसाल जलाकर कराई।

स्पोर्ट्स मीट के दौरान खेल मैदान पर खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह दिखाई दिया। लिटिल एंजेल स्कूल, बेनहर गुरुकुल, स्प्रिंगडेल, फ्यूचर इंटरनेशनल आदि स्कूल के बच्चों ने प्रतिभाग किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम कराए गए। मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह रहे। उन्होंने बच्चों का उत्साह बढ़ाया। ट्रस्टी डॉ.अनवर हबीब, प्रमोद राणा ने बच्चों को मेडल, ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। सब जूनियर ओवरऑल चैंपियनशिप फ्यूचर इंटरनेशनल स्कूल को मिली। संचालन अंशप्रीत कौर, राकेश पाल ने किया।

एसआईआर कार्य में मुस्तैदी से जुट जाएं कार्यकर्ता

- **सपा ने परिनिर्वाण दिवस पर किया बाबा साहेब का नमन**
- **सपा जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा की अगुवाई में हुई बैठक**

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: नकटादाना चौराहा के पास स्थित सपा के कार्यालय पर संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया। जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा की अगुवाई में पदाधिकारी और कार्यकर्ता जमा हुए। उन्होंने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस दौरान मासिक बैठक भी हुई।

जिलाध्यक्ष ने कहा कार्यकर्ता एसआईआर के कार्य में मुस्तैदी से जुड़ें। प्रत्येक पदाधिकारी अपने-अपने बूथों पर शत-प्रतिशत एसआईआर कार्य सुनिश्चित करवाएं। मुख्य अतिथि समाजवादी खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र बरेली मुरादाबाद के प्रत्याशी हाजी मोहम्मद दानिश अख्तर रहे।

बैठक का संचालन सदर विधानसभा क्षेत्र के अध्यक्ष हाजी इम्तियाज अल्वी ने किया। इस दौरान एसआईआर पुनरीक्षण को लेकर गहन समीक्षा के बाद निर्देश दिए गए। इस मौके पर जिला महासचिव नफीस अहमद अंसारी, सपा जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र मिश्रा कट्टर, मखदूम खान, अकबर अहमद अंसारी, युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार राजू, युवजन सभा जिला अध्यक्ष हरगोविंद गंगवार, ज्योति प्रकाश शुक्ला एडवोकेट, नरेन्द्र गोस्वामी, अमित पाठक एडवोकेट आदि मौजूद रहे।

सपा प्रत्याशी ने मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप लगाया

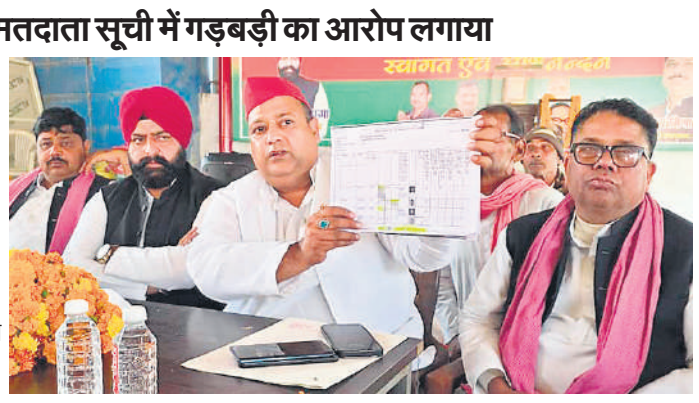

बरेली-मुरादाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के सपा प्रत्याशी दानिश अख्तर पीलीभीत में थे। उन्होंने मासिक बैठक में शामिल होने के बाद प्रेसवार्ता की। इस दौरान अपनी प्राथमिकताओं से अधिक मतदाता सूची में गड़बड़ियों का आरोप लगाते हुए सवाल उठाए। कहा कि हाईकमान के निर्देश पर एक प्रतिनिधि मंडल निर्वाचन आयोग तक इसकी शिकायत दर्ज करा चुका है। पार्टी द्वारा घोषित प्रत्याशी दानिश अख्तर ने आरोप लगाते हुए कहा कि प्रकाशित मतदाता सूची में कई मतदाताओं को दोहरी बार जोड़ा गया है। कई मतदाताओं के फोटो एक ही व्यक्ति के हैं और नाम अलग। एक शिक्षक मतदाता को मात्र 20 वर्ष उम्र का दर्शाया गया है, जबकि एक ही नाम के कई वोट शामिल हैं। इसके अलावा स्कूल के नाम पर और पता तक ठीक से नहीं लिखा है। ये भी आरोप लगाया कि आजमगढ़, मऊ, जौनपुर, बाराबंकी, फिरोजाबाद समेत कई अन्य जिलों के मतदाताओं के नाम भी सूची में शामिल हैं।

वार्षिक सामान्य निकाय की बैठक संपन्न

ब्लॉक प्रमुख मरौरी सभ्यता देवी वर्मा को बुके देते सचिव व अन्य। ● अमृत विचार

संवाददाता, बरखेड़ा

अमृत विचार : बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति (बीपैक्स) गजरौला की वार्षिक सामान्य निकाय की बैठक समिति परिसर में हुई। जिसमें बीते वित्तीय वर्ष का लेखा समिति के सचिव रामदयाल वर्मा ने पेश किया। पूरे वित्तीय वर्ष का अर्जित लाभ 5.94 लाख होना बताया गया।

समिति के अध्यक्ष सतरन जीत सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में मुख्य अतिथि मरौरी ब्लॉक प्रमुख सभ्यता वर्मा रहीं। उन्होंने कहा कि किसानों को समय से खाद-बीज एवं ऋण समिति उपलब्ध कराती है। समिति सचिव रामदयाल वर्मा ने एक अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक का बीते वित्तीय वर्ष का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। बैठक में शाखा प्रबंधक संतोष कुमार कुशवाहा, प्यारेलाल, सर्वजीत सिंह, साधू सिंह आदि थे।

शहर में आज

- सूरजभान डिग्री कॉलेज में चल रहे बीसलपुर महोत्सव का समापन दोपहर 2 बजे से।
- भारतीय योग संस्थान की ओर से अशोक कॉलोनी ग्राउंड पर योग शिविर सुबह 6 बजे।
- समस्त सीएचसी-पीएचसी पर जन आरोग्य मेला सुबह 09 बजे से।
- गायत्री शक्तिपीठ पर साप्ताहिक यज्ञ सुबह 6 बजे।

न्यूज ब्रीफ

कोर्ट के आदेश पर मारपीट और छेड़छाड़ की रिपोर्ट

पीलीभीत, अमृत विचार : कोर्ट के आदेश पर जहानाबाद पुलिस ने मारपीट और छेड़छाड़ की रिपार्ट दर्ज की है। जिसमें क्षेत्र की एक महिला ने बताया कि 22 अक्टूबर को शाम छह बजे मनोहर लाल पुत्र परमेश्वरी दयाल ने उसके घर के आगे खड़े नरेश कुमार पुत्र भूपराम के ठेले में आग लगा दी थी। जब उसके जेठ ने विरोध किया तो मनोहर लाल ने झगड़ा शुरू कर दिया। जब उसने और उसके देवर ने बचाने का प्रयास किया तो आरोपी मनोहर लाल, सुनील, सुरेंद्र कुमार, दीपक ने मारपीट की। पीड़िता से छेड़छाड़ की गई और कुंडल व मंगलसूत्र छीन ले गए। परिवार की अन्य महिलाओं को भी पीटा। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

टेंट का काम करने वालों में चले लाठी-डंडे

बीसलपुर, अमृत विचार : टेंट हाउस का सामान किराए पर देने के विवाद में दो पक्षों में मारपीट हुई। घटना शुक्रवार रात नौ बजे हुई। मोहल्ला दुबे निवासी भगवान दास और आकाश कुमार दोनों टेंट का काम करते हैं। टेंट हाउस का सामान किराए पर देने को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया। गाली गलौज के बाद एक दूसरे पर हमला किया। एक पक्ष के भगवान दास, गीता देवी, खुशबू और दूसरे पक्ष के प्रवेश कुमार, केशावती, शुभम, विजय कुमार लहूलुहान हो गए। कोतवाल संजीव कुमार ने बताया कि पुलिस मौके पर गई थी। घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया है।

गांव धनगवां में ग्रामीण को पीटा, रिपोर्ट

बिलसंडा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव धनगवां निवासी हरिश्चंद्र उर्फ रमेश ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह 30 नवंबर की रात 11 बजे टंकी में पानी भर रहा था। तभी गांव के गिरजाशंकर, सर्वेश, नरेंद्र, अवनीश ने गाली गलौज और मारपीट की। एसओ सिद्धांत शर्मा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज की गई है।

बदनाम लस्सी पर पकड़ी गई टैक्स चोरी

डेढ़ करोड़ रुपये की बिक्री पर जमा किए 50 हजार, छापेमारी के दौरान टीम ने सीज किया स्टॉक

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : शहर की चर्चित बदनाम लस्सी प्रतिष्ठान के मालिक एवं उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के मंडल उपाध्यक्ष डालचंद सक्सेना के प्रतिष्ठान पर जीएसटी चोरी पकड़ी गई। छापेमारी के दौरान पिछले वित्तीय वर्ष में डेढ़ करोड़ से अधिक की भारी-भरकम बिक्री के बावजूद प्रतिष्ठान ने महज़ 50 हजार रुपये टैक्स जमा किया, जबकि वित्तीय वर्ष 2024-25 में फर्जी तरीके से आईटीसी का लाभ उठाकर राजस्व को चूना लगाया।

निरीक्षण के बाद टीम ने न सिर्फ स्टॉक सीज किया, बल्कि टैक्स चोरी के लंबे सिलसिले की भी परतें खोल दीं। उन पर कुल 17.50 लाख का टैक्स निकाला। जिसमें उनके द्वारा मौके पर दो लाख रुपये जमा किए गए। टीम ने उन्हें शेष टैक्स जमा करने के लिए 10 दिसंबर तक का समय दिया है। साथ ही अन्य अभिलेख भी जब्त किए हैं। छापेमारी से व्यापारियों में खलबली मच गई। जानकारी पर संगठन के पदाधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। हालांकि टीम अपनी कार्रवाई में जुटी रही।

बदनाम लस्सी पर छापेमारी करती जीएसटी टीम व मौजूद प्रतिष्ठान संचालक।

- बिल न देने की मिली थी जीएसटी को शिकायत
- वर्ष 2024-25 में फर्जी तरीके से आईटीसी का लिया लाभ

असम चौराहा पर स्थित चर्चित बदनाम लस्सी प्रतिष्ठान को लेकर बीते दिनों में बिल न देने और टैक्स चोरी की शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत मिलने के बाद जीएसटी के डिप्टी कमिश्नर अनिरुद्ध सिंह ने टीम के साथ शनिवार को उनके प्रतिष्ठान पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान खलबली मच गई। दुकान संचालक ने काउंटर आदि बंद कर दिए। व्यापार मंडल के मंडल अध्यक्ष के प्रतिष्ठान पर हुई छापामारी का पता चलते ही संगठन और अन्य व्यापारी भी मौके पर पहुंच गए। शुरुआत में दबाव बनाने की कोशिश की गई, लेकिन टीम के आगे नहीं चल सकी। करीब चार घंटे चली पड़ताल के दौरान वित्तीय वर्ष 2024-25 में डेढ़ करोड़ की बिक्री की गई। जिसके हिसाब से उनका टैक्स 17.50 लाख रुपये बना। मगर उनके द्वारा टैक्स में सिर्फ 50 हजार रुपये जमा किया गया। इतना ही नहीं दुकान के लिए खरीदे गए दूध, चीनी, खोया आदि में टैक्स चोरी की गई।

स्टॉक भी किया गया सील

बदनाम लस्सी के द्वारा टैक्स चोरी के अलावा दुकान और गोदाम में मिले स्टॉक के भी कोई अभिलेख नहीं दिखा सके। दुकान में बड़ी मात्र में कई खाद्य पदार्थ और अन्य सामग्री मिली। उनके बिल अभिलेख नहीं मिले। इतना ही नहीं क्रय किए गए माल को उन्होंने आईटीसी में शामिल करते हुए टैक्स चोरी की गई। इस पर टीम ने उनका स्टॉक भी सील कर दिया है। साथ ही उन्हें अभिलेख प्रदर्शित करने के लिए कहा गया। इतना ही नहीं वर्तमान के स्टॉक और क्रय विक्रय के बिल भी मांगे गए हैं।

बदनाम लस्सी प्रतिष्ठान पर टैक्स चोरी और बिल न देने की शिकायत मिल रही थी। इसको लेकर छापेमारी की गई थी। छापेमारी के दौरान पिछले वर्ष में 17 .50 लाख की टैक्स चोरी पकड़ी गई है। मौके पर संचालक ने दो लाख रुपये जमा किए है। शेष के लिए उन्हें समय दिया गया है। इसके अलावा अभिलेख और स्टॉक सील कर दिया है। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। - **अनिरुद्ध सिंह**, जीएसटी कमिश्नर

उन्होंने आईटीसी के तहत लाभ लिया। इसके अलावा मौके पर मौजूद ग्राहकों को कोई भी बिल जारी नहीं किया जा रहा है। इस पर पिछले वित्तीय वर्ष के क्रय विक्रय बिल मांगे गए तो वह नहीं दिखा सके। जोकि सीधे तौर पर टैक्स चोरी साबित हुआ। इतना ही नहीं वर्तमान में भी टैक्स चोरी देखने को मिली है। इसके अलावा स्टॉक का भी रिकॉर्ड नहीं मिला। इस पर टीम ने उन्हें टैक्स जमा करने के लिए कहा गया। इस पर संचालक डालचंद सक्सेना के द्वारा मौके पर दो लाख रुपये जमा किए गए। इस पर टीम ने उन्हें 10 दिसंबर तक बकाया टैक्स जमा करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही नोटिस जारी किया है।

इधर, छापामारी के बाद ये भी चर्चा रही कि दूसरे ब्रांच बदनाम होटल पर भी जीएसटी टीम के निशाने पर है। हालांकि टीम ने होटल पर छापेमारी कार्रवाई नहीं की है। बताते हैं कि टीम गोपनीय ढंग से पड़ताल कर रही है। टीम में वेदप्रकाश शुक्ला, योगेंद्र सिंह, ताराचंद शामिल रहे। उधर, व्यापारी नेता डालचंद सक्सेना का कहना है कि टीम के द्वारा जो भी जानकारी मांगी गई, वह उपलब्ध करा दी गई है।

इस्तेमाल किए गए सैनिटरी पैड्स को कूड़ेदान में फेंकें

छात्राओं को जानकारी देतीं कव्यंजलि त्रिवेदी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- गोस्वामी मॉम्स प्राइड स्कूल में हुआ मेनस्ट्रुअल अवेयरनेस सेमिनार

अमृत विचार: गोस्वामी मॉम्स प्राइड स्कूल में शनिवार को कक्षा पांच से आठ तक की छात्राओं के लिए मेनस्ट्रुअल अवेयरनेस सेमिनार का आयोजन किया गया। इसका नेतृत्व कव्यंजलि त्रिवेदी (बैचलर ऑफ साइंस (बैचलर ऑफ एजुकेशन) ने किया। छात्राओं को मेंस्ट्रुएशन की मूल बातों के बारे में जानकारी दी। इसे एक सामान्य प्रक्रिया के रूप में समझने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

छात्राओं ने मेनस्ट्रुअल चक्र के बारे में विस्तार से जाना और इसके विभिन्न चरणों को समझा। स्वच्छता बनाए रखने के महत्व को बताया गया। सेमिनार में मेंस्ट्रुएशन से जुड़े मिथकों और तथ्यों के बीच के अंतर को स्पष्ट किया गया। पीरियड्स के दौरान होने वाले शारीरिक और भावनात्मक परिवर्तनों के बारे में चर्चा की गई। इन्हें प्रबंधित करने के तरीकों के बारे में छात्राओं ने सीखा। साथ ही आत्मविश्वास बनाए रखने और पीरियड्स के दौरान आरामदायक जीवन जीने के सुझाव दिए गए। ये भी बताया कि मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बनाए रखने के लिए सैनिटरी नैपकिन्स या पैड्स, टैम्पोन, मेनस्ट्रुअल कप आदि का इस्तेमाल कर सकते हैं। कहा कि इस्तेमाल किए सैनिटरी नैपकिन्स या पैड्स को कूड़ेदान में फेंकें। टैम्पोन को भी कूड़ेदान में फेंकें। मासिक धर्म के दौरान पौष्टिक आहार हरी सब्जियां, फल, नट्स और बीज, साबुत अनाज, आयरन और कैल्शियम से भरपूर खाद्य पदार्थ का सेवन करें।

ड्यूटी से नदारद चालक और परिचालक पर होगी कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- 25 से अधिक चालक-परिचालक तीन माह से बिना सूचना गायब

अमृत विचार : लंबे समय से ड्यूटी से नदारद चल रहे चालक और परिचालकों पर अब विभाग सख्त है। पीलीभीत डिपो में तीन माह से भी अधिक समय से बिना किसी सूचना के अनुपस्थित चल रहे 25 से ज्यादा कर्मचारियों की सूची तैयार कराई जा रही है। उन पर कार्रवाई की तैयारी है।

एआरएम विपुल पाराशर ने बताया कि डिपो में कार्यरत कई चालक और परिचालक महीनों से बिना किसी वैध कारण के ड्यूटी पर नहीं आ रहे हैं। इससे रूटों पर बस संचालन प्रभावित हो रहा है और कई बार स्टाफ की कमी के चलते बसों को तय समय पर भेज पाने में दिक्कतें आती हैं।

इसका सीधा असर यात्रियों की सुविधा पर पड़ रहा है। स्थिति का संज्ञान लेते हुए एआरएम ने वरिष्ठ केंद्र प्रभारी से सभी अनुपस्थित कर्मचारियों की विस्तृत रिपोर्ट तत्काल उपलब्ध कराने को कहा है। रिपोर्ट में प्रत्येक कर्मचारी की अनुपस्थिति की अवधि, कारण और वर्तमान स्थिति का ब्योरा मांगा गया है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि दस्तावेज मिलने के बाद मामले की गहन जांच की जाएगी और जो भी कर्मचारी बिना सूचना इतने लंबे समय से गायब हैं, उनके खिलाफ नियमों के अनुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

गेमिंग एप से बनाते रहे लोगों को निशाना, छह लोग गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: अभी कुछ दिन पहले ही फर्जी तरीके से कॉल सेंटर संचालित कर ठगी करने वाले गिरोह के सरगना अमृतपाल को जेल भेजा गया था। उसी के साथ ही आरोपी मनजीत ने भी काम सीखा था। मनजीत की अगस्त 2024 में दुबई में ही आरोपी विक्रांत उर्फ विक्की और अमृतपाल से मुलाकात हुई थी। विक्की ने उसे कॉल सेंटर में काम दिलाया था और 30 हजार रुपये प्रतिमाह की नौकरी की थी। दो-तीन माह पूर्व वह और अमृतपाल पीलीभीत आ गए थे। अमृत अपने घर से और मनजीत रुद्रपुर व माधोटांडा से कॉल सेंटर संचालित करते थे। पुलिस ने शनिवार को छह लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस से हुई पूछताछ में इस कॉल सेंटर में भी जालसाजी के पीछे गेमिंग एप का ही सहारा सामने आया है। आरोपियों ने बताया कि वह फेयर प्ले 247.गेम्स वेबसाइट पर फ्रोजन सॉफ्टवेयर के द्वारा डायलर के माध्यम से कस्टमर को कॉल करके फंसाते थे। गेमिंग एप एविएटर, रम्मी के जरिए लोगों को कॉल करके गेम खेलने के लिए प्रेरित करते और पहले इनाम जीतने पर ऊंची रकम का झांसा देते थे। सर्वप्रथम व्यक्ति जब पहली बार गेम खेलता तो उसे जीती रकम भेजी जाती और फिर खाते की डिटेल मिलते ही उसमें जमा रकम उड़ा लिया करते थे। आरोपी विक्रांत उर्फ विक्की इन सभी का ट्रेनर है। इनको सिम कार्ड प्रियांशु दीक्षित या बैंक खाते धर्मेंद्र उपलब्ध कराता था।

आम नागरिकों से अपील : पुलिस ने इस तरह के फ्रॉड केस सामने आने पर आम नागरिकों से भी अपील की है। जब भी सिम कार्ड खरीदें तो यह सुनिश्चित कर लें कि दो बार अंगूठा तो नहीं लगवाया गया है। इसके अतिरिक्त संचार साथी एप पर अपने आधार कार्ड नंबर डालकर यह देख लें कि उनके आधार कार्ड पर कितने नंबर एक्टीवेट हैं। इसके अलावा किसी साइबर ठग या जालसाज द्वारा दिए गए पैसों के लालच में अपने खातों का विवरण पासबुक व सिम नंबर न दें।

पुलिस की गिरफ्त में पकड़े गए फर्जी कॉल सेंटर चलाने वाले जालसाज।

- अमृतपाल से आरोपियों ने ठगी का काम सीख शुरू किया काल सेंटर

पकड़े गए आरोपी पहले उत्तराखंड के रुद्रपुर में गाबा चौक में कॉल सेंटर चलाते थे। लैपटॉप, मोबाइल, एलईडी अन्य सिस्टम का इस्तेमाल वहीं पर किया करते थे। अमृतपाल की गिरफ्तारी के बाद भागकर माधोटांडा आ गए और दिल्ली भागने की फिराक में थे और धरे गए।

- **अभिषेक यादव**, एसपी

गोरखपुर के राकेश का नाम भी आया प्रकाश में

पुलिस के अनुसार, आरोपियों के द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे खातों पर उड़ीसा, तमिलनाडु, बिहार, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, गुजराज, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश आदि से साइबर फॉड के मामले सामने आने पर होल्ड हुए हैं। इसे लेकर भी डिटेल जुटाई गई है। गिरोह को ब्लैक सिम कार्ड और खाते आदि का विवरण उपलब्ध कराने वाले अन्य लोगों की भी तलाश पुलिस कर रही है। गोरखपुर के रहने वाले मुकेश प्रजापति का नाम भी प्रकाश में आया है। वही फर्जी सिम कार्ड और बैंक खाते ऊंचे दामों पर मुहैया कराता है।

सूर्या मेडिकल से 23 एविल इंजेक्शन बरामद, सील

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

मेडिकल स्टोर पर छापेमारी करती औषधि निरीक्षक नेहा वैश्य। ● अमृत विचार

- औषधि विभाग ने मारा छापा, 11.70 लाख का ऑनलाइन मिला भुगतान
- नहीं दिखा सके पक्के बिल कोडीन कफ सीरप प्रकरण में था नामजद

अमृत विचार : बरखेड़ा में प्रतिबंधित कफ सीरप की बरामदगी के बाद औषधि विभाग की कार्रवाइयों का सिलसिला तेज है। शनिवार को सूर्या मेडिकल स्टोर पर औषधि निरीक्षक ने छापा मारा। टीम को 23 एविल इंजेक्शन मिले। मेडिकल स्टोर को सील कर दिया गया है। मेडिकल स्टोर संचालक दवा से जुड़े क्रय विक्रय के बिल नहीं दिखा सका। हालांकि इस बार स्टोर से कोडीन युक्त कफ सीरप बरामद नहीं हुए। फिलहाल अग्रिम आदेशों तक के लिए दवा की बिक्री पर रोक लगा दी है।

बता दें कि बरेली की एक फर्म के द्वारा बरखेड़ा के सूर्या मेडिकल स्टोर पर कोडीन युक्त कफ सीरप की खेप भेजी गई थी। छापेमारी के दौरान ऑनलाइन पेमेंट से इसकी पकड़ हुई। बरेली की टीम ने मेडिकल स्टोर पर छापा मारकर वहां से बड़ी मात्र में कफ सीरप बरामद किए थे। इतना ही नहीं इस मामले में उनके खिलाफ बरेली में एफआईआर भी दर्ज की गई है। इसी क्रम में औषधि विभाग की टीम ने शनिवार शाम पांच बजे स्टोर पर एक बार फिर छापेमारी कर बड़ी कार्रवाई की। औषधि निरीक्षक नेहा वैश्य द्वारा किए गए निरीक्षण में पाया गया कि मेडिकल स्टोर पर खरीद और विक्रय के अभिलेख उपलब्ध नहीं थे। इसके साथ ही दुकान के भीतर प्रतिबंधित श्रेणी में आने वाले एविल इंजेक्शन की 23 वायल मिलीं, जिन्हें सील कर कब्जे में लिया गया। हालांकि कफ सीरप की बरामदगी नहीं हुई।

सूर्या मेडिकल स्टोर पर अन्य अनियमितताएं भी सामने आईं। औषधि निरीक्षक नेहा वैश्य ने बताया कि स्टोर से कोडीन कफ सीरप नहीं मिला है, लेकिन आवश्यक दस्तावेजों की अनुपलब्धता और प्रतिबंधित इंजेक्शन मिलने के चलते स्टोर को अग्रिम आदेशों तक सील कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि 11 लाख 70 हजार 50 रुपये का ऑनलाइन भुगतान भी स्टोर से संबंधित लेन-देन में सामने आया है, जिसकी जांच की जा रही है। औषधि विभाग की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र के अन्य मेडिकल स्टोर संचालकों में भी हड़कंप मचा है। कफ सीरप को लेकर जिले में अलर्ट है। अन्य मेडिकल स्टोरों पर छापेमारी की जा रही है।

घरेलू गैस सिलेंडर की कालाबाजारी पर रिपोर्ट

बीसलपुर, अमृत विचार: क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी ने शुक्रवार को नगर के मोहल्ला ग्यासपुर में छापेमारी कर 20 घरेलू गैस के सिलेंडर की गाड़ियों में रिफिलिंग पकड़ी थी। इस मामले में अब कार्रवाई की गई है। क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी मनोज कुमार शर्मा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उन्होंने पुलिस टीम के साथ शुक्रवार को एक सूचना मिलने पर मोहल्ला ग्यासपुर में छापेमारी की थी। छापेमारी के दौरान मोहल्ला ग्यासपुर निवासी निसाले शाह के मकान में 20 घरेलू कुकिंग गैस के सिलेंडर अनाधिकृत रूप से रखे हुए मिले थे। इन सिलेंडरों से कारों में रिफ्लिंग की जा रही थी। क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी मनोज कुमार शर्मा की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है।

डॉ. आंबेडकर का जीवन सामाजिक क्रांति का अदम्य सफर

कार्यक्रम में जमा हुए भीम आर्मी कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचार: संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर भीम आर्मी की ओर से कार्यक्रम किया गया। जिलाध्यक्ष सौरभ भारतीय की अगुवाई में कार्यकर्ता बिलसंडा ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम हीरपुर में जमा हुए और बाबा साहेब का नमन किया। कहा कि डॉ. आंबेडकर का जीवन केवल एक व्यक्ति की यात्रा नहीं, बल्कि एक सामाजिक क्रांति का अदम्य सफर रहा। गुलामी, भेदभाव और अत्याचार की बेड़ियों को तोड़ते हुए उन्होंने स्वयं को शिक्षित किया और पूरे समाज को शिक्षा, न्याय और समानता का मार्ग दिखाया।इस मौके पर भीम आर्मी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एडवोकेट राजाराम माथुर , भाईचारा कमेटी सचिव नईम रज़ा, बीसलपुर तहसील अध्यक्ष हरीश गंगवार, बमरौली न्याय पंचायत अध्यक्ष राहुल वाल्मीकि, अखिलेश कुमार गौतम आदि रहे।

126 वाहनों का किया चालान

पीलीभीत, अमृत विचार: एसपी अभिषेक यादव के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत शनिवार को भी यातायात पुलिस ने वाहन चेकिंग की। इस दौरान वाहन चालकों को नियम का पालन करने के लिए जागरुक किया। साथ ही उल्लंघन पर चालान भी किए। टीएसआई राघवेंद्र सिंह ने बताया कि 126 वाहनों का चालान करते हुए 1.63 लाख रुपये शमन शुल्क अधिरोपित किया गया। 32 डग्गामार वाहनों पर भी कार्रवाई की है।

आबकारी और पुलिस टीम ने मारा छापा : दियोरियाकलां। कच्ची शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आबकारी विभाग और कोतवाली पुलिस ने संयुक्त रूप से ग्राम सौंधा गोटिया में छापा मारा। गांव के ही उमेश पुत्र झाझनलाल के घर से 20 क्वाटर अवैध देशी शराब बरामद की। एसओ गौतम सिंह ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज की है।

आज भी ढाई घंटे बंद रहेगी बिजली

पीलीभीत, अमृत विचार: दिनभर की बिजली की आंखमिचौली उपभोक्ताओं को परेशान कर दिया। अब रविवार को भी सुधार कार्य के नाम पर सप्लाई बाधित रहेगी। हालांकि इसे लेकर पूर्व में ही सूचना पावर कारपोरेशन की ओर से प्रेस नोट जारी कर दे दी गई है। लंबे समय से शहर की बिजली व्यवस्था लड़खड़ाई चल रही है। इसका सुधार सिर्फ दावों में हो सका है। शनिवार को भी काफी देर तक सप्लाई बाधित रही। छोटी मार्केट, मोहल्ला अशरफ खा, खकरा समेत कई इलाकों में बिजली सप्लाई बाधित रही। इसे लेकर उपभोक्ता परेशान रहे। इधर, रविवार को भी उपभोक्ताओं को बिजली संकट से जूझना पड़ेगा। सुधार कार्य के चलते रामलीला उपकेंद्र क्षेत्र से जुड़े इलाकों में सप्लाई सुबह 11 से दोपहर डेढ़ बजे तक बंद रहेगी। इसकी सूचना एक दिन पहले ही जारी कर दी गई है।

परैवा वैश्य में हुई गोकशी तालाब में मिले अवशेष

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- एसओजी और सर्विलांस टीम भी मौके पर पहुंची

अमृत विचार : एक तरफ एसपी के निर्देश पर गोमांस तस्करों पर शिकंजा कसने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। कई तस्करों को मुठभेड़ के बाद पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। इसी बीच एक और वारदात को अंजाम दिया गया। ग्राम परेवा वैश्य में गोकशी की गई। तालाब में अवशेष मिलने पर लोग जमा हुए और घटना पर नाराजगी जताई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। एसपी ने एसओजी और सर्विलांस टीम को भी सुरागरसी के लिए लगाया है।

थाना जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम परेवा वैश्य में तालाब है। शनिवार सुबह तालाब में गोवंश के अवशेष मिले। इस पर नजर पड़ी और गोकशी का शोर मचा तो भीड़ जमा हो गई। विभिन्न संगठनों से जुड़े कार्यकर्ता भी पहुंच गए। गोमांस तस्करों पर कार्रवाई करने की मांग की गई। थाना -चौकी पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए। सूचना मिलने पर सीओ सदर /सहायक पुलिस अधीक्षक नताशा गोयल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। फील्ड यूनिट टीम के एक्सपर्ट भी सुरागरसी को पहुंचे। लोगों का कहना था कि कई बार अवशेष मिल चुके हैं, लेकिन आरोपियों पर कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है। पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन दिया। एसपी अभिषेक यादव ने एसओजी और सर्विलांस टीम को मौके पर भेजा और जल्द खुलासा के निर्देश दिए। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर छानबीन कर रही है।

गाड़ी बेचने के नाम पर ठगे 50 हजार

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम भौना निवासी गायत्री देवी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि अमरिया क्षेत्र के ग्राम धुंधरी निवासी मनोज पुत्र गंगाराम से उसकी एक गाड़ी खरीदने की बात हुई थी। जिसमे बयाने के तौर पर उसने 50 हजार रुपये मनोज को दे दिए थे। अब मनोज न तो उसको गाड़ी दे रहा है और न ही बयाने के रुपये वापस कर रहा है। 22 नवंबर को दोपहर साढ़े तीन बजे जब वह अपनी पुत्री छवि के साथ मनोज के घर ग्राम धुंधरी में गई और रुपये वापस मांगे। इस पर आरोपी ने उसके साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट की। दोबारा रुपये मांगने पर जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

फायरिंग के बीच लापता किशोर का नदी में मिला शव

संवाददाता, बीसलपुर

मौके मुआयना कर जानकारी करती पुलिस। ● अमृत विचार

मृतक विकास

- बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम भगवंतपुर करोड़ का मामला
- परिवार ने हत्या करने का आरोप लगाया, पुलिस जांच में जुटी

अमृत विचार : जमीन के विवाद में दो पक्ष आमने-सामने आ गए। एक पक्ष ने फायरिंग की तो दूसरे पक्ष के लोग जान बचाने के लिए भागे। इसी दौरान रहस्यमय ढंग से लापता हुए किशोर का शव कुछ देर बाद देवहा नदी से बरामद हुआ। मृतक के परिवार ने फायरिंग करने वालों पर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस शव पोस्टमार्टम को भेज मामले की जांच कर रही है।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम भगवंतपुर करोड़ निवासी बलराम सिंह और गांव रम्पुरा नगरिया के एक ग्रामीण से देवहा नदी किनारे जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद है। पहले भी दोनों पक्ष कई बार आमने-सामने आ चुके हैं। शनिवार सुबह भगवंतपुर करोड़ निवासी बलराम सिंह अपने पुत्र पंकज कुमार, पौत्र विकास कुमार के साथ जमीन पर खड़ी गन्ने की फसल को देखने गए थे। इसी दौरान आरोप है कि दूसरे पक्ष ने आकर गाली गलौज की। फायरिंग शुरू कर दी। इस पर बलराम सिंह अपने पुत्र और पौत्र को लेकर मौके से जान बचाने के लिए भागे। इसी बीच उनका पौत्र विकास कुमार रास्ते से लापता हो गया। उसकी काफी तलाश की गई लेकिन कुछ पता नहीं चला। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। कोतवाल संजीव कुमार शुक्ला पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

सीओ प्रगति चौहान भी आ गई। उन्होंने बरेली से गोताखोरों को बुलाकर देवहा नदी में विकास सिंह की खोज शुरू कराई। काफी देर की मशक्कत के बाद गोताखोरों ने 17 वर्षीय विकास सिंह का शव नदी से बरामद कर लिया। परिवार वालों ने विकास की हत्या का आरोप लगाया। पुलिस शव पोस्टमार्टम को भेज जांच में जुटी है।

बीसलपुर कोतवाल संजीव कुमार शुक्ला ने बताया कि किशोर का शव नदी से बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौत की वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने पर स्पष्ट हो सकेगी। उसी आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी। मृतक के परिवार से अभी तहरीर नहीं मिली है। जांच कराई जा रही है।

अमृत विचार
बरेली, रविवार, 7 दिसंबर 2025

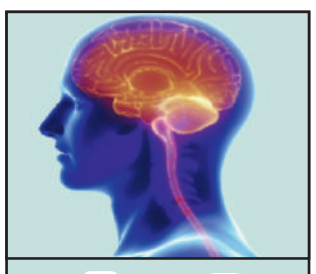

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता
M.Ch. Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क एवं रीढ़ रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389

सुविधायें
- सिर की चोट का इलाज व आपरेशन
- रीढ़ की हड्डी की चोट का इलाज व आपरेशन
- ब्रेन ट्यूमर, दिमागी की गांठ तथा ब्रेन हेमरेज का आपरेशन
- दूरबीन विधि द्वारा हाइड्रो सिफेलस (दिमाग में पानी भरना) का इलाज व आपरेशन
- सिर दर्द (माइग्रेन) व मिर्गी के दौरे का ईलाज
- दिमाग के फोड़े का इलाज व आपरेशन
- गर्दन (सर्वाइकल) व पीठ का दर्द, सियाटिका, स्लिम डिस्क का ईलाज व ऑपरेशन
- रीढ़ की नस का ट्यूमर (स्पाइनल ट्यूमर) का आपरेशन
- बच्चों के पीठ की गांठ का आपरेशन
- अत्याधुनिक माइक्रोस्कोप द्वारा ईलाज
- रीढ़ की हड्डी व दिमाग की टी.बी. का इलाज व ऑपरेशन
- लकवा तथा पैरालायसिस का इलाज

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाइन सुपर स्पेशलिटी सेन्टर
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
समय : प्रातः 10 12 बजे तक एवं सायं 6 से 8 बजे तक
लकवा के मरीजों के लिए 24 घंटे इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर
7017678157, 8077790358
7417389433, 9897287601

सीडीओ की अगुवाई में डीएम की ओर से गठित कमेटी कर रही जांच

टेंडर का खेल : 10 दिन बीत जाने के बाद भी मुहैया नहीं कराए अभिलेख

जिला पंचायत के कई पंजीकृत ठेकेदारों की ओर से 27 नवंबर को की गई थी शिकायत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः जिला पंचायत में बीते दिनों किए गए टेंडर में नियम-शर्तों को दरकिनार कर खेल करने का आरोप ठेकेदारों की ओर से लगाया और शिकायत मिलने पर डीएम की ओर से जांच कमेटी गठित कर दी गई। मगर, 10 दिन बाद भी जांच को पूरा नहीं किया जा सका है। शिकायतकर्ताओं का मानना है कि किए गए खेल के बाद अब बचाव की तैयारी की जा रही है। इधर, टीम को अभी तक अपर मुख्य अधिकारी की ओर से टेंडर से जुड़े अभिलेख ही मुहैया नहीं कराए गए हैं। ऐसे में जांच अधर में अटकी हुई है। वहीं, इसे लेकर जिला पंचायत के जिम्मेदारों की कार्यशैली पर भी सवाल उठ रहे हैं। फिलहाल मामला चर्चा का विषय बना हुआ है और आरोप प्रत्यारोप के बीच तस्वीर साफ अभी भी नहीं हो सकी है।

बता दें 27 नवंबर को जिला पंचायत के कई पंजीकृत ठेकेदारों ने डीएम ज्ञानेंद्र सिंह से शिकायत की थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि पंचायत राज अनुभाग 2 उत्तर प्रदेश शासन के अनुपालन में जिला पंचायत में पंचायत राज वित्त आयोग 15वीं वित्त आयोग (अपटाइड एवं टाइट फंड) की संस्तुतियों के तहत प्राप्त अनुदान के सापेक्ष 95 परियोजनाओं के निर्माण कार्य के लिए ई-निविदाएं 21 नवंबर को आमंत्रित की गई थी। जिसमें शर्त संख्या चार में ठेकेदारों को श्रम विभाग में फर्म ठेकेदार का कम से कम 10 श्रमिकों का पंजीकरण प्रमाण पत्र अपलोड करना अनिवार्य किया गया था। आरोप है कि ठेकेदार तौकीर मलिक, अखलाक अहमद आदि ने 10 श्रमिकों का पंजीकरण अपलोड न करके पांच श्रमिकों का पंजीकरण प्रमाण पत्र अपलोड किया। अखलाक अहमद ने किसी भी श्रमिक का पंजीकरण प्रमाण पत्र अपलोड ही नहीं किया। इसे ई-निविदा सूचना की शर्तों का उल्लंघन बताया था। आरोप था कि 25 नवंबर को सार्वजनिक अवकाश वाले दिन टेंडरों को खोला गया। उसी समय तकनीकी निविदा को भी खोलकर एल- 1 फाइनेंशियल कर दिया गया। जबकि चंद मिनट के भीतर ऐसा किया ही नहीं जा सकता। ठेकेदारों ने ऑनलाइन डाले गए टेंडरों को निरस्त करने की मांग की थी। डीएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सीडीओ की अगुवाई में जांच कमेटी गठित कर दी थी। जिसके बाद खलबली मच गई थी। इस शिकायत को 10 दिन से अधिक समय बीत चुका है। इससे संबंधित ठेकेदारों के बयान भी लिए जा चुके हैं। मगर, जांच को पूरा नहीं किया जा सका है। कमेटी की ओर से की जा रही जांच के बीच इस मामले को दबाने की तैयारी की जा रही है। जिम्मेदार सब कुछ ठीक बता रहे हैं लेकिन दस दिन बीतने के बाद भी अभी तक जिला पंचायत के अधिकारी जांच टीम को अभिलेख नहीं मुहैया करा सके हैं। इसे लेकर जांच अधर में है। चर्चा से भी है कि शिकायत में लगाए गए आरोपों गलत साबित करने के लिए भी जद्दोजहद चल रही है। उधर, दूसरे पक्ष के ठेकेदार सब नियमानुसार और पारदर्शिता से टेंडर होने की बात कह रहे हैं। फिलहाल जिला पंचायत में टेंडर के खेल का मामला सुर्खियां बना हुआ है। शिकायत करने वाला पक्ष टेंडर निरस्त करने की मांग कर रहा है। फिलहाल संगीन आरोपों के बावजूद अब तक जांच पूरी न होने से चर्चाओं का बाजार गरमा रहा है। वहीं, ये तस्वीर भी स्पष्ट नहीं हो पा रही है कि टेंडर प्रक्रिया नियमानुसार हुई या नहीं।

तो छुट्टी पर गए इंजीनियर के डोंगल का इस्तेमाल

जिन टेंडरों की शिकायत की गई है, वह करीब 25 करोड़ के विभिन्न विकास कार्यों के बताए जा रहे हैं। इसकी शिकायत के बाद चल रही जांच भले अभी पूरी नहीं हो सकी है। इस मामले में एक बात और सामने आ रही है। बताते हैं जो इंजीनियर ड्यूटी पर था ही नहीं और अवकाश पर गया था। उसके डोंगल का अवैध तरीके से इस्तेमाल किया गया है। जिससे पारदर्शिता पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

> इस मामले की जांच कराई चल रही है। अपर मुख्य अधिकारी से अभिलेख मांगे गए हैं, जोकि अभी प्राप्त नहीं हुए हैं। जल्द ही जांच पूरी कर रिपोर्ट भेजी जाएगी। - राजेंद्र कुमार श्रीवास, सीडीओ

ससुरालियों पर बेटे की हत्या करने का लगाया आरोप

- मृतक के पिता ने जहानाबाद थाने में दी नामजद तहरीर
- संदिग्ध हालात में युवक की मौत के मामले में नया मोड़

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत के मामले में अब परिवार वालों ने हत्या का आरोप लगाया है। मृतक की पत्नी व उसके अन्य मायके वालों पर मारपीट कर हत्या करने की तहरीर दी है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

बारादरी (बरेली) के मोहल्ला दुर्गानगर गुसाई गौटिया निवासी पन्नीलाल पुत्र होरीलाल ने जहानाबाद थाने में दी तहरीर में बताया कि वह मूल रुप से देवरनिया थाना क्षेत्र के ग्राम गुलड़िया मोहम्मद हुसैन के रहने वाले हैं। उनके पुत्र राजेश कुमार का पुत्रवधू से मनमुटाव रहता था।

दो दिसंबर को पुत्रवधू की मौसेरी बहन की शादी जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम ललौरीखेड़ा में थी। इसमें शामिल होने के लिए पुत्रवधू झगड़ा कर दो दिन पहले चली गई थी। दो दिसंबर को पुत्रवधू ने कॉल कर बेटे राजेश को शादी में शामिल होने के लिए बुलाया था। उसी रात करीब साढ़े आठ बजे राजेश ने कॉल कर कहा कि उसे बचा लें, ससुराल वाले उसके साथ मारपीट कर रहे हैं। पीछे से शोर की आवाज आ रही थी। 2.26 मिनट बाद कॉल कट गई। इसके बाद पुत्रवधू के मामा ने कॉल कर बताया कि राजेश का एक्सीडेंट हो गया है। उसी रात करीब 12 बजे ललौरीखेड़ा पहुंचे तो शादी में चंद लोग मौजूद थे। परिवार का कोई सदस्य नहीं था। जानकारी करने पर पता चला कि बेटे राजेश की मौत हो चुकी है और शव जिला अस्पताल परिसर स्थित मोर्चरी में रखा है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम भी कराया था। जिसमें शरीर पर कई चोटें आई है। उनका कहना है कि बेटे की उसके ससुरालियों ने हत्या की है। जहानाबाद पुलिस मामले की जांच कर रही है।

Lifelines OF BAREILLY
MEDICAL
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : घबराहट छाती में दर्द या भारीपन सांस फूलना पैरों में सूजन हाई ब्लडप्रेशर हाई कोलेस्ट्रोल डाइबिटीज (शुगर) सीने या पेट में जलन या दर्द हार्ट अटैक हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. प्रेम गंगवार

B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें।
अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षों का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
डा. दीक्षा गंगवार
एम.बी.बी.एस., डी.जी.ओ. (गोल्ड मेडलिस्ट)
(के.जी.एम.यू. लखनऊ)
निःशुल्क परामर्श हेतु संपर्क करें
+91 78952 78992
समय : प्रातः 9 से 10 बजे तक, सायं 4 से 5 बजे तक

पता : स्व. केसर सिंह गंगवार कार्यालय, अशर्फी बैंकट हाल, 100 फुटा रोड, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
- प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP)
- गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL)
- गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL)
- पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 9897838286

छात्रा ने गर्रा पुल से लगाई छलांग

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः गर्रा नदी पुल पर एक छात्रा ने अपना बैग नीचे रख दिया और नदी में छलांग लगा दी। नदी के किनारे खड़े लोगों ने छात्रा को बचा लिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और छात्रा को मेडिकल कालेज भेज दिया। नदी में पानी कम था। सूचना पर छात्रा के परिवार वाले मौके पर पहुंच गए।

चौक कोतवाली क्षेत्र में गर्रा नदी से कुछ दूरी पर एक छात्रा शनिवार की दोपहर 12 बजे उतरी। वह गर्रा नदी पुल पर आयी। वह अपनी पीठ पर स्कूल की किताबों का बैग लिया। पुल की रेलिंग के पास घूम रही थी। उसने स्कूल का बैग पुल के किनारे रख दिया और एक दम रेलिंग पर चढ़कर नदी में छलांग लगा दी। लोगों ने उसे नदी में गिरते

पुल पर लगी लोगों की भीड़।

देखा तो नदी के आस-पास जानवर चरा रहे लोग दौड़कर गए और छात्रा को नदी से बाहर निकाला। सूचना मिलते ही राजघाट पुलिस के दरोगा और सिपाही पहुंच गए और छात्रा को पुल के ऊपर लेकर आए। नदी में पानी कम होने के कारण उसके शरीर में चोट आ गयी थी। छात्रा दर्द के कारण चिल्ला रही थी। पुलिस बैग की तलाशी ली तो उसके बैग में कालेज का पहचान पत्र मिला। रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र के एक गांव की छात्रा है और कक्षा नौ की छात्रा है। पुलिस ने बेहोशी की हालत में छात्रा को मेडिकल कालेज भेज दिया है। पुलिस ने परिवार वालों को सूचना कर दी। परिवार वाले मेडिकल कालेज पहुंच गए। प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार सिंह ने बताया कि रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र के गांव उधौपारा की की छात्रा है। वह शहर में एक इंटर कालेज की कक्षा नौ की छात्रा है। उन्होंने बताया कि छात्रा कुछ बता नहीं रही है कि नदी में क्यों छलांग लगा दी है। परिवार वालों का कहना है कि घर से सुबह सही सलामत कालेज गयी थी और यह कदम क्यों उठाया, कुछ जानकारी नहीं है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बढौरा में विदेश भेजने के नाम पर लाखों की ठगी

पुवायां, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव बढौरा केमनमून, महताब और एहसान ने थाने में शिकायती पत्र देकर बताया था कि वारिस, आरिफ़ और हिनाबानो ने उन्हें फर्जी कागज थमाकर ठगी की।

पीड़ितों के अनुसार मनमून ने हिनाबानो के खाते में 90,000 और 1 लाख नकद दिए। महताब ने हिनाबानो के खाते में 43,000 तथा 1,10,000 नकद वारिस को दिए, जबकि एहसान ने 90,000 नकद और 10,000 खाते में जमा किए। ग्रामीणों का कहना है कि कई वर्षों से रुपये मांगने पर आरोपी टालमटोल करते रहे। हाल ही में जब वे पैसे मांगने गए तो आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीड़ितों ने कार्रवाई की मांग की है।

70 लाख हड़पने की रिपोर्ट दर्ज

शाहजहांपुर, अमृत विचार: चौक कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला दीवान जोगराज निवासी सुक्खनलाल गुप्ता ने रोजा थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि रोजा मंडी समिति में एसएल फूड्स फर्म का प्रोपाइटर हूं और गुड़ व चीनी का थोक विक्रेता हूं। उनका मुख्य कार्यालय बहादुरगंज में है। उन्होंने अपनी फर्म के माध्यम से पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में कलिमिया भंडार एवं नेकी गारमेंट्स से वर्ष 2017 से 2024 तक व्यापार किया था। उन्होंने हिसाब लगाया तो फर्म पर 70 लाख 70 हजार 600 रुपये बकाया निकला है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

आठ लाख की चोरी की जांच सीओ सिटी को दी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: रोडवेज बस अड्डे से नगदी, जेवर समेत आठ लाख की चोरी के खुलासे में पीड़ित संतुष्ट न होने से एसपी से आकर मिला। पीड़ित ने बताया कि विवेचना अधिकारी ने आरोपी के पास से बरामद जेवर में सिर्फ तीन अंगुठी और 550 रुपये दिखाए है। जबकि पूरा जेवर और रुपये बरामद हो गया था। विवेचनाधिकारी अन्य जेवर के बारे में कुछ नहीं बता रहे है। एसपी ने सीओ सिटी को जांच सौंपी है।

हरदोई जिले के बेहटा गोकुल के गांव सिरोमणीनगर निवासी बालकृष्ण बाजपेयी अपनी पत्नी के साथ शनिवार की दोपहर एसपी से आकर मिले और एक प्रार्थना पत्र दिया। उन्होंने बताया कि 05 दिसंबर को परिवार समेत बरेली से ट्रेन से आने के बाद रोडवेज बस अड्डे पर गया। उन्होंने बस के अंदर बैग रख दिया और पत्नी व भाभी को सीट पर बैठाकर पानी बोतल लेने के लिए चला गया। उनका बैग चोरी हो गया। बैंग में दो अंगुठी जेंट्स, तीन लेडिज अंगुठी, सोने का मंगलसूत्र, एक जोड़ी झाले, साडिय़ां और दस हजार रुपये थे। पुलिस ने बरेली जिले के चोर गुरदयाल को पकड़ा और उसकी निशानदेही पर फरीदपुर से एक सराफा की दुकान से जेवर बरामद किया था। पुलिस ने मात्र तीन अंगुठी दिखायी और अन्य जेवर के बारे में कुछ न बताकर कागज पर हस्ताक्षर कराने के लिए दबाव बनाया। उन्होंने कागज पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया। पुलिस ने कहा कि दूसरा चोर भाग गया। वह चोरी के खुलासे संतुष्ट नहीं है। एसपी राजेश द्विवेदी ने पीड़ित को आश्वासन दिया कि जांच में जो दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। एसपी ने सीओ सिटी को जांच दी है।

रिश्तेदारों पर संपत्ति का हिस्सा हड़पने का आरोप

जैतीपुर, अमृत विचार: थाना क्षेत्र के गांव हिम्मतपुर निवासी रसवीर ने रिश्तेदारों पर संपत्ति का हिस्सा हड़पने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने इस संबंध में थाने में प्रार्थना पत्र देकर पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।

रसवीर ने बताया उनके माता-पिता की मृत्यु हो चुकी है। कुछ रिश्तेदारों ने उनके हिस्से के मकान और कृषि भूमि पर जबरन कब्जा कर लिया है। आरोप है कि उन्हें ट्रैक्टर, ट्रॉली, बाइक और पशुओं में भी हिस्सा नहीं दिया जा रहा है। कहा कुछ माह पूर्व खेत में लगे यूकेलिप्टस के पेड़ दो लाख रुपये में बेच दिए गए थे, लेकिन उन्हें उसमें भी कोई हिस्सा नहीं मिला। तीन दिन पहले जब वह अपने घर आया तो दोनों रिश्तेदारों ने उन्हें घर में घुसने नहीं दिया और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। कहा जब वह अपने हिस्से की बात करते हैं, तो उनके भाई गाली-गलौज करते हैं और जान से मारने की धमकी देते हैं। इस मजबूरी के कारण वह अपनी पत्नी के साथ ससुराल में रहकर किसी तरह गुजारा कर रहा हैं। थाना प्रभारी गौरव त्यागी ने बताया अभी प्रार्थना पत्र प्राप्त नहीं हुआ है।

न्यूज डायरी

गर्ल्स इंटर कॉलेज में विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

बीसलपुर, अमृत विचार : बालाजी गर्ल्स इंटर कॉलेज में शनिवर को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें खेलकूद प्रतियोगिता के विजेता पुरस्कृत किए गए। 200 मीटर दौड़ की विजेता बेबी सिंह, आशी पटेल, जूडो में रश्मि, अनामिका, ऊंची कूद में मीनाक्षी, बैडमिंटन में काव्या मिश्रा, भारोत्तोलन आराध्या, मीनाक्षी, अंजलि, सपना, सेजल, रीना गंगवार, अनामिका, आयुषी, अनामिका, छवि आदि को पुरस्कृत किया गया। प्रधानाचार्य अर्चना चौहान ने विजेता छात्राओं को पुरस्कृत किया। शिक्षिका सीमा कुमारी समेत स्टाफ मौजूद रहा।

सैनिक वेशभूषा में बच्चों ने आर्म्ड फोर्स फ्लैग डे मनाया

पीलीभीत, अमृत विचार : शैमरॉक किरन स्कूल में आर्म्ड फोर्स फ्लैग डे मनाया गया। बच्चों को सैनिकों की वेशभूषा में बुलाया गया। सुबह की प्रार्थना के दौरान शिक्षिकाओं ने आर्म्ड फोर्स के महत्व को समझाया। कहा कि देश में तीन प्रकार की सेनाएं जल, थल व वायु होती हैं। ये हमारी भिन्न - भिन्न प्रकार से रक्षा करते है। प्राइमरी के छात्र - छात्राओं ने सैनिकों के बलिदान व कर्तव्यनिष्ठा को दर्शाते हुए एक सुन्दर स्किट प्रस्तुत की। अन्य बच्चों ने यह बताया कि सैनिक हमारे देश के प्रति पूर्ण समर्पित होकर अपना कार्य करते है। हम सबकी रक्षा करते है। परेड की और सैनिकों का आभार जताया। इस मौके पर शानी, पल्लवी, विप्रा, रश्मि, सायमा, रूचि मौजूद रही।

नगरिया बुजुर्ग के दो युवाओं ने थल सेना में चयन से बढ़ाया गौरव

जलालाबाद, अमृत विचार : भागांव के अंशुमान सिंह यादव पुत्र देशपाल सिंह यादव और सौरभ कुमार पुत्र अनिल कुमार ने कड़ी मेहनत और जुनून के साथ सेना प्रशिक्षण पूरा किया है। करीब सात महीने तक चले प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने कठिन परिस्थितियों का सामना कर सफलता प्राप्त की। गांव पहुंचने पर ग्रामीणों और साथियों ने दोनों का मालाएं पहनाकर स्वागत किया और मिठाई खिलाई। बच्चे उत्साहित होकर जवानों के साथ सेल्फी लेते नजर आए। परिजनों ने भावुक होते हुए कहा कि पुत्रों ने देश की सेवा का मार्ग चुना है, यह पूरे गांव के लिए गर्व की बात है। अंशुमान सिंह ने बताया कि यह उनका अंतिम प्रयास था और यह सफलता बुजुर्गों के आशीर्वाद से मिली है।

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं में आईटीआई बरखेड़ा का रहा दबदबा

बरखेड़ा, अमृत विचार : राजकीय आईटीआई में जनपद स्तरीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगियों आयोजित की गई। जिसमें राजकीय आईटीआई बरखेड़ा का दबदबा रहा। प्रधानाचार्य गुंजन गुप्ता ने बताया कि 400 मीटर की दौड़ में कोपा ट्रेड के आनंद प्रथम, अनुराग तिवारी द्वितीय रहे। खो-खो में उनके कॉलेज की छात्राओं ने प्रथम स्थान पाया। इसके अलावा वॉलीबॉल में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को पुरस्कृत किया।

न्यूज ब्रीफ

गन्ना ढुलाई वाहनों पर लगाया रिफ्लेक्टर टेप

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : प्रवर्तन अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र यादव ने गन्ना ढुलाई में लगे वाहनों का निरीक्षण किया। वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाए। निरीक्षण के बाद वाहन चालकों व मालिकों के साथ बैठक की गई। प्रवर्तन अधिकारी ने कहा कि गन्ना लादकर चलने वाले वाहनों की अधिकतम ऊंचाई 13 .2 फीट (माल सहित) से अधिक नहीं होनी चाहिए। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। निर्देश दिए कि सभी वाहनों में परमिट, फिटनेस, बीमा, टैक्स सहित सभी जरूरी दस्तावेज पूरे होने चाहिए।

फंदे से लटका मिला महिला का शव

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना फरधान के गांव हिलडोल्ना निवासी गोविंद की पत्नी काजल (21) की संदिग्धहालत में मौत हो गई। उसका शव घर के अंदर कमरे में लटका बरामद हुआ है। काजल के बहनोई मुकेश ने बताया कि गोविंद सुबह खेतों में गन्ना छीलने गया था। जब वह घर आया तो काजल नहीं मिली। कमरा भी अंदर से बंद था। उसने खिड़की से झांककर देखा तो शव लटका दिखाई दिया। उन्होंने बताया कि काजल की शादी छह महीने पहले हुई थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना किया और शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

रेलवे स्टेशन से बाइक चोरी, रिपोर्ट दर्ज

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : नगर की रेलवे स्टेशन पर अपनी बहन को बाइक पर छोड़ने आए हैदराबाद थाना क्षेत्र के गांव मनिकापुर निवासी संदीप कुमार की बाइक बाइक स्टेशन परिसर से चोरी हो गई। आसपास खोजबीन के बाद भी बाइक का कोई पता नं चलने पर उन्होंने कोतवाली में रिपार्ट दर्ज करा दी है।

चोरी के 17 मोबाइल के साथ युवक गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना फरधान पुलिस ने जिला सिद्धार्थनगर के थाना देवरुआ के गांव पचौद अवधयी निवासी नवीशान को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी के 17 मोबाइल बरामद किए हैं। एसआई जुनैद खां ने बताया कि आरोपी मौजूदा समय में कालंदर कॉलोनी दिलशाद गार्डन थाना सीमापुरी जिला सादरा दिल्ली में रह रहा था। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी का चालान कर कोर्ट में पेश किया, जहां से अदालत ने उसे जेल भेज दिया है।

स्थानीय लोगों ने की पहल की सराहना, कई गांवों के लोगों को मिलेगी राहत

बाढ़ से क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत का समाजसेवी ने उठाया बीड़ा

संवाददाता, मूड़ा सवारान

अमृत विचार: ब्लॉक बिजुआ क्षेत्र में लंबे समय से उपेक्षित पड़ी इमलिया फार्म की सड़क आखिरकार सुधरने की दिशा में बढ़ चली है। प्रशासन की अनदेखी और लगातार जलभराव से परेशान ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए ग्राम पंचायत मंझोरा के समाजसेवी और प्रगतिशील किसान गुरदीप सिंह खैरा ने स्वयं अपने स्तर पर सड़क मरम्मत का जिम्मा उठा लिया। उनके इस साहसिक कदम की स्थानीय लोगों में खूब सराहना हो रही है।

इमलिया फार्म के पास यह मार्ग क्षेत्र के लगभग एक दर्जन गांवों को जोड़ने वाली प्रमुख सड़क है। कई महीनों से बाढ़ और जलभराव के कारण सड़क पर करीब दो फुट तक पानी भरा हुआ था, जिससे ग्रामीणों को भारी मुसीबत का सामना करना पड़ रहा था। आमतौर पर बरसात के मौसम में यहां दो महीने तक पानी रहता था, लेकिन इस बार बेमौसम बारिश और शारदा नदी किनारे बसे गांवों में आए बाढ़ के चलते जलस्तर कई हफ्तों तक कम नहीं हुआ।

सड़क की खराब हालत का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि ग्रामीणों को इमलिया फार्म से बिजुआ ब्लॉक मुख्यालय तक पहुंचने में मात्र 3 किमी दूरी तय करनी होती है, लेकिन जलभराव के कारण उन्हें 20 किलोमीटर का लंबा चक्कर लगाना पड़ रहा था। इससे न केवल किसानों की दैनिक दिनचर्या प्रभावित हो रही थी, बल्कि स्कूल जाने वाले बच्चों, मजदूरों, बीमारों और आम लोगों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था।

समाजसेवी ने सड़क का निर्माण कराते समाजसेवी। ● अमृत विचार

शनिवार सुबह समाजसेवी गुरदीप सिंह खैरा ने स्वयं के खर्च पर ईंट के रोडे. व मिट्टी की व्यवस्था कर मजदूरों के साथ सड़क की मरम्मत का काम प्रारंभ किया। उनके इस कदम से विशेषकर गन्ना किसानों को काफी राहत मिलेगी, क्योंकि अधिकांश किसान अपना गन्ना इसी मार्ग से लेकर चीनी मिलों की ओर जाते हैं। इस मार्ग से जुड़े प्रमुख गांवों में ढकिया खुर्द, कुंवरपुर, बझेड़ा, ढकिया कलां, शाहपुर नानक फार्म, जगदेवपुर, छंगा टांडा, प्रताप टांडा, सूरजपुर, जंगल नंबर 6 व 7 शामिल हैं। इन गांवों के लोग रोजमर्रा के कामों के लिए इमलिया फार्म से जगदेवपुर होकर बिजुआ तक आने-जाने को मजबूर थे, लेकिन जलभराव ने ग्रामीणों का जीवन लगभग ठप कर दिया था।

ग्रामीण बोले-कई बार शिकायत करने के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन से कई बार शिकायत की गई, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ऐसे में गुरदीप सिंह द्वारा किया गया यह कार्य ग्रामीणों के लिए उम्मीद की किरण बनकर सामने आया है। स्थानीय नागरिकों ने उनकी सामाजिक प्रतिबद्धता और सहयोग भावना की सराहना करते हुए कहा कि यदि ऐसी पहलें बढ़ेंगी तो गांवों की तस्वीर बदलने में देर नहीं लगेगी। ग्रामीणों को विश्वास है कि समाजसेवी की इस पहल के बाद प्रशासन भी अब सड़क को स्थायी रूप से दुरुस्त करने पर ध्यान देगा, ताकि भविष्य में लोग ऐसी परेशानियों से बच सकें।

बाबरी मस्जिद ब्लैक डे स्टेटस लगाने पर दो को पकड़ा

भीरा, अमृत विचार: गांव गुलरिया निवासी आसिफ और बस्तौली निवासी मुख्तियार ने अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर बाबरी मस्जिद ब्लैक डे से जुड़ा संदेश पोस्ट किया था। कुछ देर बाद दोनों युवकों ने यह स्टेटस हटा दिया, लेकिन मामला संज्ञान में आने पर पुलिस सक्रिय हो गई और दोनों युवकों को हिरासत में ले लिया। थाने में दोनों से पुलिस पूछताछ की है। एसओ रोहित दुबे ने बताया कि ऐसी किसी भी पोस्ट की निगरानी की जा रही है, जो समाज में वैमनस्य, तनाव या साम्प्रदायिक माहौल बिगाड़ सकती है। वर्तमान में दोनों युवकों से स्टेटस लगाने के उद्देश्य को लेकर पूछताछ की है। यदि मामले में कोई लिखित शिकायत मिलती है तो नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

23 करोड़ से बन रहे मॉडल स्कूल का छज्जा ढहा, दो मजदूर घायल

एक मजदूर की हालत गंभीर, 10 दिन पहले डाला छज्जा अचानक गिरा, गुणवत्ता उजागर के डर से स्थानीय मजदूरों से नहीं कराया काम

संवाददाता, बेहजम

अमृत विचार: विकास खंड बेहजम क्षेत्र की पैला ग्राम पंचायत में निर्माणाधीन मुख्यमंत्री मॉडल स्कूल में शनिवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। करीब 10 दिन पहले डाला गए लिंटर का छज्जा अचानक भरभराकर गिर गया, जिससे वहां काम कर रहे दो मजदूर मलबे में दबकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल एक मजदूर की हालत गंभीर बनी हुई है। उसका जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है।

मुख्यमंत्री मॉडल स्कूल का निर्माण 23 करोड़ 83 लाख 25 हजार रुपये की लागत से किया जा रहा है। कार्य की अंतिम तिथि 2 अक्टूबर 2026 निर्धारित है। निर्माण कार्य की जिम्मेदारी सीएनडीएस यूनिट-53, उत्तर प्रदेश जल निगम, नगरिया हरदोई को सौंपी गई है। यह विद्यालय प्राथमिक से कक्षा 12 तक की पढ़ाई के लिए बनाया जा रहा है। हादसा सुबह करीब नौ बजे तब हुआ जब मजदूर लिंटर को हटा रहे थे। तभी लिंटर का छज्जा टूटकर गिर गया और वहां मौजूद दीपक सिंह पुत्र ध्रुव नारायण और कन्हैया चौधरी दब गए। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत एंबुलेंस बुलाकर घायलों को सीएचसी भेजा, जहां से डॉक्टर ने दीपक सिंह के सिर में गंभीर चोट आने और हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल भेजा है। जबकि कन्हैया चौधरी का भी इलाज चल रहा है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि स्थानीय मजदूरों को काम पर इसलिए नहीं रखा जा रहा है ताकि वे निर्माण की गुणवत्ता को उजागर न कर सकें। ग्राम प्रधान श्रीपाल मिश्रा ने बताया कि निर्माण कार्य हरदोई की एजेंसी द्वारा कराया जा रहा है। उन्हें हादसे की सूचना मिल चुकी है और दोनों मजदूरों का अस्पताल में उपचार चल रहा है। ग्रामीणों की मांग है कि इस निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाए। उधर घटना को लेकर मौके पर मौजूद ठेकेदारों ने कुछ भी कहने से मना कर दिया। संबंधित विभाग के जेई समेत कोई भी प्रशासनिक अफसर भी मौके पर नहीं पहुंचा। वहीं, क्षेत्रीय लेखपाल राजेश कुमार गौतम ने मौके पर पहुंचकर जांच रिपोर्ट तैयार की। वह अपनी रिपोर्ट एसडीएम मितौली के समक्ष प्रस्तुत करेंगे।

इसी निर्माणाधीन भवन का छज्जा ढहने से हुआ हादसा। ● अमृत विचार

- ग्रामीणों ने ठेकेदार पर लगाया लापरवाही का आरोप

“निर्माणाधीन मुख्यमंत्री मॉडल स्कूल में लिंटर का छज्जा गिरने से दो मजदूरों के घायल होने की सूचना मिली है। घायलों के समुचित इलाज के निर्देश दिए हैं। साथ ही निर्माण की जांच कराई जा रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। **-अभिषेक कुमार**, सीडीओ।

घटिया निर्माण कार्य चल रहा है। इस विद्यालय में जो ईंट लगाई जा रही हैं वह दोयम दर्जे की हैं, जबकि ईंट अव्वल दर्जे की लगनी चाहिए थीं। **-सोमेश कुमार मिश्रा**, गांव निवासी।

गांव के मजदूर पहले लगाए थे, जिन्होंने घटिया सामग्री के इस्तेमाल का विरोध किया। इस पर उन मजदूरों को हटा कर बाहर के मजदूरों को काम पर लगाया है। **-प्रेम शंकर मिश्रा**, गांव निवासी

निर्माण में घटिया ईंट, मसाले पुरानी सरिया का खुलेआम इस्तेमाल हो रहा है। निर्माण में गुणवत्ता की पूरी तरह से अनदेखी की गई है। **-शिवा**

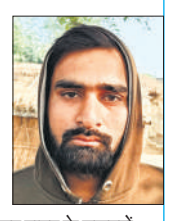

विधायक-अधिशासी अभियंता में हुई कहासुनी, सीडीओ से शिकायत

कस्ता विधायक सौरभ सिंह सोनू ने ग्रामीणों के साथ घटनास्थल का मौका मुआयना किया। विधायक सोनू ने घटना की बाबत अधिशासी अभियंता को फटकार लगा दी। इस पर अधिशासी अभियंता और विधायक के बीच कहासुनी भी हुई हुई, जिसकी शिकायत विधायक ने सीडीओ से की है।

खून के धब्बे मिटाने के लिए जेसीबी से की खुदाई

मुख्यमंत्री मॉडल स्कूल के निर्माण कार्य को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। गांव के लोगों ने दावा किया है कि शनिवार को लिंटर खोलने के दौरान गिरे छज्जे के नीचे दबे दोनों मजदूरों को मलबा हटाकर बाहर निकाला गया। दोनों को अस्पताल भेजने के बाद ठेकेदारों ने मौके पर पड़े खून के धब्बों को जेसीबी से खोदकर मिटाने की कोशिश की। विद्यालय के दोनों प्रवेश मार्गों पर ट्रैक्टर-ट्रॉली लगाकर रास्ता भी अवरुद्ध कर दिया गया। ताकि लोग मौके पर पहुंच न सके और किसी तरह की वीडियो आदि न बना सकें। गांव की रुचि पांडेय ने बताया कि जैसे ही उन्हें घटना का पता चला और वह मौके पर पहुंचीं, उन्होंने देखा कि जेसीबी मशीन से घायल के खून के निशान मिटाए जा रहे थे।

अप्रशिक्षित मिस्त्रियों से कराया जा रहा काम

निर्माण की गुणवत्ता को लेकर स्थानीय लोग पहले ही सवाल उठा चुके हैं। ग्रामीणों ने बताया कि निर्माण कार्य में घटिया सामग्री और पुरानी सरिया का उपयोग हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब पहले ग्रामीणों और स्थानीय मजदूरों ने आपत्ति जताई थी, तो उन्हें काम से हटा दिया गया। अब बाहरी मजदूर लगाए जा रहे हैं, ताकि निर्माण की गुणवत्ता से जुड़ी जानकारी कैंपस के बाहर न जा सके। घटना के बाद ग्रामीणों में नाराजगी है। लोगों ने मांग की है कि निर्माण की गुणवत्ता की तकनीकी जांच हो। घायल मजदूर को मुआवजा मिले और ठेकेदारों और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई हो।

मानक के अनुरूप नहीं हो रहा निर्माण

कस्ता विधायक सौरभ सिंह सोनू ने हादसे के बाद बताया कि निर्माण बहुत घटिया हो रहा है। इसको लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री से शिकायत की थी, जिसकी जांच चल रही है। हादसे के बाद साबित हो गया है कि निर्माण मानक के अनुरूप नहीं हो रहा है। विधायक ने अधिशासी अभियंता से हुई कहासुनी पर बताया कि गुणवत्ताहीन निर्माण पर नाराजगी जताई है।

गन्ना भुगतान के लिए विरोध का अनूठा ढंग

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: राष्ट्रीय किसान शक्ति संगठन के तीन किसानों ने बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड गेट पर नाई से बाल मुड़वा कर अनोखा विरोध प्रदर्शन कर गन्ना भुगतान की मांग की।

संगठन से संबद्ध काफी संख्या में किसान झंडा लेकर बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड चीनी मिल के गन्ना गेट पर पहुंचे। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष पटेल श्रीकृष्ण वर्मा, श्याम किशोर और अनिल कुमार वर्मा ने नाई से अपने बाल मुड़वाए। काफी किसान बाल मुड़वाने के लिए लाइन में खड़े थे, लेकिन बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमिटेड के जीएम केन पीएस चतुर्वेदी और पुलिस उप निरीक्षक राकेश राय ने बाल न मुड़वाने के लिए किसानों से काफी अनुनय विनय की तो किसान माने।

पटेल श्रीकृष्ण वर्मा ने मौके पर ही जीएम केंन पीएस चतुर्वेदी को चेतावनी दी कि यदि 15 दिसंबर तक पुराना पूर्ण भुगतान कर 16 दिसंबर से नया भुगतान शुरू नहीं किया गया तो बैठक कर चिता सजाकर सत्याग्रह किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि चीनी मिल के अधिकारी पतरिया के नाम पर गन्ना काटने से बाज आयें और मिल डायवर्जन रोडो से गन्ने की आवक शुरू कराएं। इस मौके पर सहकारी गन्ना विकास समिति के पूर्व अध्यक्ष सुरेश वर्मा, समिति के डेलीगेट राधेश्याम वर्मा, डेलीगेट राजेश कुमार, शिवदयाल वर्मा, संतोष सिंह भदौरिया, भारत लाल, अवधेश कुमार, परमेश्वरदीन, नरविजय वर्मा, पतराखनलाल, कमर सिद्दीकी, रामनिवास वर्मा, जीवनलाल, गुरुप्रसाद, रंजीत कुमार सहित काफी संख्या में किसान मौजूद रहे।

गोला की बजाज चीनी मिल में सिर मुड़वाकर गेट पर विरोध प्रदर्शन करते पदाधिकारी।

- राकिशसं के तीन किसानों ने सिर मुड़ाकर किया विरोध प्रदर्शन
- 15 दिसंबर तक भुगतान कर नया शुरू न किया तो सजाएंगे चिता

स्व अरविंद गिरि ऑल इंडिया फुटबॉल टूर्नामेंट आज से

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: राजेंद्र गिरि स्मारक स्टेडियम में 7 दिवसीय स्व. अरविंद गिरि ऑल इंडिया फुटबॉल टूर्नामेंट का आरंभ 7 दिसंबर दोपहर एक बजे होगा, जिसमें नगर सहित विभिन्न प्रांतों और नेपाल की 14 टीमें प्रतिभाग करेंगी। कमेटी अध्यक्ष जनार्दन गिरि ने बताया कि फुटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन रविवार दोपहर एक बजे मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष सुनील सिंह करेंगे।

विशिष्ट अतिथि पलिया विधायक रोमी साहनी और निघासन विधायक शशांक वर्मा होंगे। टूर्नामेंट संयोजक विधायक अमन गिरि, सचिव युवा भाजपा नेता धर्मेंद्र गिरि मोंटी ने बताया कि टूर्नामेंट में जम्मू कश्मीर, पंजाब, बिहार, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, नेपाल, लखनऊ, बलिया, बहराइच, कुशीनगर सहित गोला स्टेडियम और एसके स्पोर्टिंग क्लब गोला की टीम में प्रतिभाग़ करेंगी। सभी मैच दोपहर 12 बजे से प्रारंभ होंगे।

चार धान खरीद केंद्रों के प्रभारियों को किया निलंबित

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: तहसील सदर क्षेत्र के धान क्रय केंद्रों का शनिवार को एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने औचक निरीक्षण किया। बी पैक्स बसहा व एसएस बसहा मुरादनगर गोदाम में संचालित धान क्रय केंद्रों पर अचानक पहुंचे एडीएम को देखकर केंद्रों पर मौजूद कर्मचारियों में खामोशी और तेजी दोनों दिखाई दी।

इस दौरान डिप्टी आरएमओ नमन पांडेय भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान एडीएम ने खरीद प्रगति, तौल व्यवस्था और किसानों को दी जा रही सुविधाओं की पड़ताल की। इस दौरान कुछ केंद्रों पर खरीद में लापरवाही और प्रक्रिया में ढिलाई सामने आई। एडीएम ने इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित केंद्र प्रभारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने चार केंद्र प्रभारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

उन्होंने कहा कि धान खरीद में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या किसानों को परेशान करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मौके पर मौजूद किसानों से एडीएम ने बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से धान बेचने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि प्रत्येक किसान को समय पर और बिना किसी परेशानी के धान खरीद की सुविधा उपलब्ध हो।

धान खरीद केंद्र पर जानकारी लेते एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह। ● अमृत विचार

“केंद्रों पर कागजों के सत्यापन के बाद ही खरीद हो रही है। जो लोग धान खरीद को फर्जी बता रहे हैं, उन्हें जानकारी नहीं है। पूरी पारदर्शिता के साथ खरीद के लिए विभाग ने सिस्टम तैयार किया है, जिसमें कोई घालमेल संभव ही नहीं है। इसके अलावा वह खुद और उच्चाधिकारी नियमित निरीक्षण कर रहे हैं। यदि धान खरीद में कहीं कोई ढिलाई मिलती है तो कार्रवाई की जा रही है। **-नमन पांडेय**, डिप्टी आरएमओ।

- निरीक्षण के दौरान एडीएम को मिली लापरवाही
- धीमी खरीद व अव्यवस्था पर दिए कारण बताओ नोटिस

खेतों में धान खत्म, दिन में सन्नाटा... रात में हो रहा काम

खेतों में धान खत्म हो चुका है। क्रय केंद्रों पर भी अब किसान अपनी उपज लेकर नहीं आ रहे, लेकिन विपणन विभाग के पोर्टल पर रात तक काफी खरीद दर्शाई जा रही है। आखिर कुछ घालमेल नहीं तो यह क्या है। जानकार बताते हैं कि आढ़तों पर 1600 से लेकर 1800 तक में धान खरीदा जा रहा है और धान खरीद केंद्रों पर तौल कराकर 2389 रुपये के मूल्य से बिक्री कर दिया जाता है। इसमें आढ़तियों के साथ ही कर्मचारियों का कमीशन तय होता है। आखिर लक्ष्य के अनुसार खरीद भी तो दर्शानी है।

सीएमओ को सीएचसी में अनुपस्थित मिले डॉक्टर

संवाददाता, मितौली

अमृत विचार: शनिवार को सीएचसी मितौली व आयुष्मान आरोग्य मंदिर मदारी पुरवा सहित मितौली ग्रामीण पर चल रहे टीकाकरण सत्र का सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता ने निरीक्षण किया। इस दौरान अनुपस्थित मिले डॉ. प्रियांशु शुक्ला से स्पष्टीकरण तलब किया है। जाला लगा मिलने पर लैब टेक्नीशियन को फटकार लगाई। वहीं सीएमओ ने टीकाकरण में छूटे बच्चों का टीका ड्यू लिस्ट के अनुसार लगाने के सख्त निर्देश दिए हैं।

सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता शनिवार की दोपहर करीब 2:10 पर सीएचसी मितौली पहुंचे। उन्होंने उपस्थिति पंजिका चेक की तो डॉ. प्रियांशु शुक्ला अनुपस्थित थे। इस पर उन्होंने स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश सीएचसी अधीक्षक डॉ. देवेंद्र सिंह को दिए। सीएचसी पर उन्होंने कोल्ड चैन व लैब का निरीक्षण किया। सफाई व्यवस्था सही न होने को लेकर सफाई कर्मी को फटकार लगाई। लैब में जाले देख कर वह टीबी लैब टेक्नीशियन पर भी नाराज हुए।

उन्होंने कहा कि जिस स्थान पर स्वयं बैठते हैं इसकी साफ-सफाई की व्यवस्था का स्वयं ध्यान रखना चाहिए। कोल्ड चैन निरीक्षण के दौरान वैक्सीन के रखरखाव को देखा। इमरजेंसी ओपीडी सेवाओं का भी निरीक्षण किया। निर्देशित किया कि सभी कर्मचारी निर्धारित समय पर आएं और निर्धारित समय तक रुकें और अपने कार्य को संपादित करें।

लापरवाही करने वाले कर्मचारियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद वह आयुष्मान आरोग्य मंदिर मदारीपुर पहुंचे, जहां चल रहे टीकाकरण सत्र का निरीक्षण किया, बनाए जा रहे आयुष्मान गोल्डन कार्ड की प्रगति जानी। सेंटर पर पेंटिंग करवाने, नवजात शिशु कार्नर व पानी की व्यवस्था करवाने के निर्देश भी उन्होंने दिए।

टीकोत्सव के अंतर्गत उन्होंने टीकाकरण सत्र मितौली ग्रामीण का भी निरीक्षण किया, यहां एएनएम द्वारा ड्यू लिस्ट के अनुसार लगाए जा रहे टीकाकरण की प्रगति देखी, दोनों ही केंद्रों पर छूटे हुए बच्चे जिनमें कोई भी टीकाकरण छूटा है और वह सत्र पर नहीं पहुंचे हैं, उन्हें आशा व आंगनबाड़ी के माध्यम से घर से बुलाकर लाने के निर्देश दिए। आयुष्मान गोल्डन कार्ड लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड भी इस दौरान बनाए जा रहे थे। निरीक्षण के दौरान उनके साथ सीएचसी अधीक्षक डॉ देवेंद्र सिंह, बीपीएम मोहम्मद तैय्यब भी मौजूद रहे।

सीएचसी में जांच करते सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता। ● अमृत विचार

- जाले लगे मिलने पर लैब टेक्नीशियन को लगाई फटकार
- आयुष्मान आरोग्य मंदिर व टीकाकरण सत्र का भी किया निरीक्षण

आज चार घंटे रहेगी बिजली कटौती

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: आवास विकास फीडर की सप्लाई लाइन शिफ्टिंग के कारण सात दिसंबर को शहर के कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। विद्युत विभाग की सूचना के अनुसार सुबह 5:00 बजे से सुबह 9 बजे तक 4 घंटे का निर्धारित पावर कट रहेगा। अधिकारियों ने बताया कि लाइन शिफ्टिंग कार्य तकनीकी रूप से आवश्यक है, जिसे सुरक्षित पूरा करने के लिए निर्धारित अवधि में सप्लाई बंद रहेगी। बिजली कटौती से आवास विकास, रामेश्वर पुरम, महाराज नगर रेलवे पटरी साइड, बहादुर नगर (बगिया की तरफ) और पंडित पुरवा क्षेत्र प्रभावित रहेंगे। उपभोक्ताओं से अपील है कि वे बिजली बाधित रहने से पहले पानी भरने, मोबाइल चार्ज करने तथा अन्य दैनिक आवश्यकताओं की पूरी व्यवस्था कर लें, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

आज से दो माह थम जाएगी शहनाइयों की गूंज, शुक्र ग्रह उदय होने का करें इंतजार

कार्यालय संवाददाता, मूड़ा सवारान

अमृत विचार: देवउठनी एकादशी से शुरू हुई शहनाइयों की गूंज रविवार से थम जाएगी। शुभ मुहूर्त न होने और 11 दिसंबर को शुक्र के अस्त होने के कारण विवाह मुहूर्त नहीं है। अब एक फरवरी को शुक्र ग्रह के उदय होने के बाद ही शहनाई बजेगी।

सनातन धर्म में प्रत्येक कार्य के लिए एक अभीष्ट मुहूर्त का होना आवश्यक है। ज्योतिषाचार्य पंडित राम मनोहर तिवारी ने बताया कि शुभ एवं मांगलिक मुहूर्त के निर्धारण में गुरु एवं शुक्र ग्रह का उदय होना चाहिए। इन ग्रहों के अस्त होने पर किसी भी तरह के शुभ एवं मांगलिक कार्य ठप हो जाते हैं 21 नवंबर से शुरू हुए मांगलिक कार्यक्रमों पर रविवार को विराम लग जाएगा। विवाह मुहूर्त की गणना करते समय शुक्र और गुरु तारा पर विचार किया जाता है। बृहस्पति और शुक्र के अस्त होने पर विवाह और मांगलिक कार्यक्रम नहीं किए जाते हैं। एक फरवरी को पुनः शुक्र का उदय होगा।

चार फरवरी से 11 मार्च तक शहनाइयों की धूम रहेगी। शुभ मुहूर्त रविवार को समाप्त हो जाएंगे। इसके बाद होने वाले वैवाहिक आयोजन बिना मुहूर्त के होंगे।

- शुक्र अस्त होने के कारण 55 दिन बाद होंगे मांगलिक कार्य

14 मार्च से एक माह तक रहेगा खरमास

जनवरी में सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण हो जाएंगे वहीं14 मार्च से एक माह के लिए खरमास रहेगा। इस अवधि में भी मांगलिक एवं शुभ कार्यों पर विराम लग जाएगा। इसके बाद 15 अप्रैल से 16 मई तक शहनाई की गूंज सुनाई देगी। फिर 17 मई से अधिक मास लग जाएगा। इसमें भी मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं।

नए साल में विवाह के कुल 59 शुभ मुहूर्त

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि पंचांग के अनुसार 2026 में पूरे सालभर में कुल 59 विवाह के शुभमुहूर्त हैं। बीच-बीच में कई अवधि ऐसी भी होंगी, जब खरमास, अधिक मास, होलाष्टक और चातुर्मास के कारण विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, उपनयन आदि मांगलिक कार्य पूरी तरह वर्जित रहेंगे।

अमृत विचार

बरेली, रविवार,7 दिसंबर 2025

खीरी

न्यूज ब्रीफ

गोकर्ण,धुंधकारी की कथा का सुनाया प्रसंग

केशवापुर, अमृत विचार : सेमरई गांव की श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन शनिवार दोपहर कथाव्यास पं शिवप्रकाश मिश्र ने गोकर्ण व धुंधकारी की कथा का प्रसंग सुनाया। कहा कि धुंधकारी ने अपने माता-पिता को कष्ट देकर उनकी सारी संपत्ति छीन ली और एक दुष्ट जीवन जिया। मृत्यु के बाद, उसकी आत्मा प्रेत योनि में भटकती रही। गोकर्ण अपने भाई की मृत्यु के बाद लौटा, तो उसने अपने माता को शांत किया और श्राद्ध के बाद धुंधकारी की आत्मा को प्रेत योनि से मुक्त कराने के लिए श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया।

युवती को युवक ने भेजा अश्लील लिंक

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : क्षेत्र की युवती का कहना है कि आरोपी जानबूझकर अश्लील लिंक भेजकर उसका मानसिक उत्पीड़न कर रहा है। शहर निवासी एक युवती ने बताया कि आरोपी उसके परिवार का ही अनूप अवस्थी है। आरोपी की उसके परिवार से रंजिश चल रही है। चार दिसंबर को सुबह लगभग 10 बजे आरोपी के टेलीग्राम नंबर से उसके मोबाइल पर एक लिंक भेजा गया। लिंक खोलने पर उसमें अश्लील सामग्री दिखाई दी। युवती ने तुरंत यह बात अपने भाई शुभ मिश्रा को बताई। कुछ देर बाद वह लिंक आरोपी ने डिलीट कर दिया। युवती ने आरोप लगाया कि इसी दिन दोपहर करीब 2 बजे फिर से आरोपी ने उसके नंबर पर एक अश्लील लिंक भेजा। इस बार जब फोन उसके माता-पिता ने खोला तो उसमें भी आपत्तिजनक सामग्री मिली। युवती ने आरोपी के खिलाफ कोतवाली सदर पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। शहर कोतवाल राजेश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस ने तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सट्टे की सूचना पर छापा, एक पकड़ा

पीलीभीत, अमृत विचार : सट्टे की खाईबाड़ी करने की सूचना पर कोतवाली पुलिस ने इमली चौराहा के पास एक दुकान पर छापा मारा। यहां से पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में लिया है। उससे पुलिस पूछताछ कर रही है। जिसमें कई साक्ष्य मिले है। पुलिस इसे लेकर जांच कर रही है। उधर सिफारशी भी पहुंचते रहे। हालांकि पुलिस कार्रवाई की बात कह रही है। कई अन्य सट्टेबाजों के भी नंबर मिले है। इन पर भी कार्रवाई तय मानी जा रही है ।फिलहाल छापामारी को लेकर हड़कंप मचा रहा।

49 में 4 शिकायतें निपटीं, मायूस लौटे फरियादी

सम्पूर्ण समाधान दिवसः सदर तहसील में डीएम ने फरियादियों की सुनी समस्याएं, दिए निस्तारण के निर्देश

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

तहसील सदर में शिकायतें सुनतीं डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल व एसपी संकल्प शर्मा।

अमृत विचार: शनिवार को जिले की सभी तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। तहसील सदर के लोक सभागार में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने एसपी संकल्प शर्मा, एसडीएम सदर अश्विनी कुमार सिंह व अधिकारियों के साथ फरियादियों की समस्याएं सुनीं। यहां आईं 49 शिकायतों में से सिर्फ 4 का निस्तारण हो सका। वहीं मितौली में डीएम के न पहुंचने पर कई जिला स्तरीय अधिकारी करीब 11:30 बजे तक बाहर धूप सेंकते नजर आए। इस दौरान फरियादी भटकते रहे।

डीएम ने तहसील सदर में आयोजित समाधान दिवस में आए फरियादियों से समस्याओं की सुनवाई की। कई मामलों में समस्या निस्तारण को पुलिस व राजस्व टीमें भेजी। डीएम ने अफसरों को जरूरी हिदायतें देते हुए कहा कि जनसमस्याओं का निस्तारण मुख्यमंत्री व शासन की

- **डीएम बोलीं-जनसमस्याओं का निस्तारण मुख्यमंत्री व शासन की प्राथमिकता**

प्राथमिकता है। सभी अधिकारी जनसमस्याओं के निस्तारण की गुणवत्ता व समयबद्धता पर विशेष ध्यान दें। आने वाले फरियादियों के समस्याओं की गम्भीरतापूर्वक सुनवाई कर उसका समयबद्धता से निस्तारण सुनिश्चित कराये ताकि फरियादी को अनावश्यक रूप से भाग-दौड़ न करनी पड़े। समस्याओं के निस्तारण की कार्यवाही पर इस बात पर विशेष ध्यान रखा जाए कि निस्तारण की कार्यवाही से फरियादी भी संतुष्ट दिखे।

डीएम की अध्यक्षता में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 49 शिकायती प्रार्थना पत्र पंजीकृत किये, जिसमें 04 शिकायतों का मौके पर निस्तारण हुआ। सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व 21, पुलिस 14, विकास 04, नगर निकाय 04, पूर्ति निरीक्षक 03, विद्युत 02, कृषि 01 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिन्हें संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण हेतु उपलब्ध करा दिया गया।इस दौरान एसडीएम सदर अश्विनी कुमार सिंह, तहसीलदार मुकेश कुमार, बीडीओ सुमित कुमार सिंह, ज्ञानेंद्र सिंह, संगीता यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

केवल एक फरियादी की शिकायत का निस्तारण

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : तहसील के संपूर्ण समाधान दिवस में 32 फरियादी अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे, जिसमें केवल एक शिकायत का ही मौके पर निस्तारण कराया जा सका। एसडीएम ने अन्य शिकायतों के निस्तारण के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। दिसंबर माह के पहले शनिवार को तहसील में एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में राजस्व एवं आपदा विभाग की 14, पुलिस की 11, संयुक्त जांच की तीन, खाद एवं रसद विभाग की दो, बेसिक शिक्षा और चकबंदी विभाग की एक-एक शिकायतें आई, जिनमें मौके पर केवल एक शिकायत राजस्व का ही निस्तारण किया जा सका। बाकी अन्य शिकायतों के लिए एसडीएम ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर समस्याओं के त्वरित निस्तारण किए जाने के निर्देश दिए। सीओ रमेश कुमार तिवारी, तहसीलदार भीमचंद, बीडीओ कुंभी एपी रस्तोगी सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित करते बीईओ शत्रुघ्न सरोज। ● अमृत विचार

कार्यशाला में 48 प्रतिभागियों ने लिया प्रशिक्षण

संवाददाता, फरधान

- **ब्लॉक स्तरीय सुगमकर्ताओं की आयोजित हुई दो दिवसीय कार्यशाला का समापन**

अमृत विचार: बीआरसी लखीमपुर में ब्लॉक स्तरीय सुगमकर्ताओं की दो दिवसीय कार्यशाला का समापन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य स्पेशल प्रोजेक्ट फॉर इक्विटी के तहत पावर एंजिल के सशक्तिकरण एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करना था। कार्यशाला का संचालन जसपाल सिंह और क्षमा रानी ने किया।

दो दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान मीना मंच का गठन, मीना मंच के उद्देश्य, सामाजिक व्यवहार परिवर्तन, प्रगति के पंख, सामाजिक जुड़ाव, कॉमिक बुक, अरमान मॉड्यूल आदि विषयों पर चर्चा की गई और प्रस्तुतीकरण हुआ। कार्यशाला में कुल 48 सुगमकर्ता शामिल हुए। खंड शिक्षा अधिकारी शत्रुघ्न सरोज और जिला समन्वयक बालिका शिक्षा रेनू श्रीवास्तव, नोडल अधिकारी उत्तम पांडेय व यूनिसेफ प्रतिनिधि सचिन कुमार मौजूद रहे। खंड शिक्षा अधिकारी शत्रुघ्न सरोज ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए।

लेखपाल संघ भवन पर कब्जे के विरोध में प्रदर्शन

भवन खाली कराने की मांग को लेकर काली पट्टी बांधकर विरोध करते लेखपाल।

संवाददाता, मोहम्मदी

- **भवन खाली कराने की मांग, लेखपालों ने काली पट्टी बांधकर जताया विरोध**

अमृत विचार: तहसील परिसर में उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ की मोहम्मदी इकाई ने शुक्रवार को लेखपाल संघ के भवन पर कथित रूप से बार एसोसिएशन के कब्जा किए जाने के विरोध में प्रदर्शन किया। लेखपालों ने काली पट्टी बांधकर विरोध जताया और भवन खाली कराने की मांग उठाई।

लेखपाल संघ के तहसील अध्यक्ष रणधीर नवल किशोर ने बताया कि तहसील मोहम्मदी परिसर में संगठन का भवन पहले से निर्मित है। वर्ष 2011 में लेखपालों और अधिवक्ताओं में विवाद के बाद प्रशासन ने भवन को बंद कर दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि लगभग पांच दिन पूर्व बार एसोसिएशन ने भवन की पुताई करवाकर उस पर अधिवक्ता स्मृति भवन लिखवा दिया और ताला तोड़कर अंदर कुर्सियां रख दीं, जो गलत और आपत्तिजनक है। रणधीर ने साफ चेतावनी दी कि यदि जल्द भवन खाली नहीं कराया गया तो जिला संगठन के निर्देश पर आंदोलन और तेज किया जाएगा। इधर, मोहम्मदी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कुलदीप सिंह ने कहा कि भवन का निर्माण क्षेत्रीय संभ्रांत लोगों द्वारा एकत्र चंदे से कराया गया था और वह अधिवक्ताओं के नाम से है। उन्होंने यह भी बताया कि यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है।

खनन के विरोध में सौंपा ज्ञापन

मोहम्मदी, अमृत विचार: पत्रकार संगठनों ने संयुक्त रूप से मुख्यमंत्री और डीएम के नाम संबोधित तीन सूत्रीय ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। तहसील क्षेत्र में हो रहे खनन के विरोध होकर बाइक से नारेबाजी करते हुए तहसील पहुंचे और एसडीएम व सीओ को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा कि मोहम्मदी तहसील में दिन हो या रात लगातार खनन जारी है, जिसको तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए। पीड़ित साथी राहुल राठौर को बंधक बनाकर उनका उत्पीड़न किया गया है। ऐसे अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए। कवरेज करने जा रहे पत्रकारों का उत्पीड़न न किया जाए। चेतावनी दी कि अगर शीघ्र कार्रवाई नहीं होती है तो जनपद के वरिष्ठ मीडिया साथियों से सहयोग लेकर बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

शारदा पर तय समय में नहीं बन सका पीपा पुल

संवाददाता, मूड़ा सवारान

- **राहगीरों, किसानों को आवागमन में हो रही परेशानी**
- **पैदल व बाइक सवारों को लेना पड़ रहा नाव का सहारा**

शारदा नदी में अधूरे पीपा पुल के पास खड़े ग्रामीण। ● अमृत विचार

अमृत विचार: विकास खंड बिजुआ में शारदा नदी के रामनगर घाट पर बनने वाले पीपा पुल के निर्माण में होने वाली लेट लतीफी के कारण लोगों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। तय समय पर पुल का निर्माण न होने के कारण जहां वाहन सवारों को लंबा चक्कर काटना पड़ रहा है, वहीं पैदल व बाइक सवारों को नाव का सहारा लेना पड़ रहा है। इसके बावजूद पुल के निर्माण में होने वाली लेट लतीफी के चलते परेशानियां कम नहीं हो रही हैं।

लोक निर्माण विभाग द्वारा यह पुल आमतौर पर 15 अक्टूबर तक स्थापित कर दिया जाता था। परंतु इस वर्ष एक महीने से अधिक की देरी हो चुकी है। इससे रामनगर कलां और आसपास के क्षेत्रों के वासियों, यात्रियों तथा किसानों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

विभाग के अवर अभियंता आर.सी. वर्मा ने बताया कि इस बार पुल का ठेका देर से खुला। इसके अतिरिक्त किसानों द्वारा खेतों में फसलें बो दिए जाने के कारण पीपों को ले जाने के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिल पा रही है। जिससे ठेकेदार को लगभग दो किलोमीटर दूर से पीपे लाने पड़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि निर्माण कार्य लगभग 70 प्रतिशत हो चुका है। शीघ्र ही यातायात बहाल करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी, जिससे लोगों की आवाजाही सुगम हो सके। यह पीपा पुल निघासन और बिजुआ को जोड़ता है, जिससे बिजुआ ब्लॉक के रामनगर कलां, दौलतापुर, दम्बल टांडा, रेवतीपुरवा, रमेश्वरापुर सहित कई गांवों के राहगीरों और किसानों की आवाजाही आसान हो जाती है। पुल के अभाव में लोगों को नदी पार करने के लिए लगभग 100 किलोमीटर लंबा सड़क मार्ग तय करना पड़ रहा है, जिससे उनका समय और पैसा बर्बाद हो रहे हैं।

एसआईआर को लेकर भाजपा ने निकाली मौन पदयात्रा

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- **फॉर्म भरने और मतदान अधिकार के प्रति नागरिकों को किया जागरूक**

मतदाता जागरुकता के लिए निकाली गई मौन पदयात्रा में शामिल भाजपा कार्यकर्ता।

अमृत विचार: विशेष मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत मतदाताओं को जागरूक करने एवं नए मतदाताओं का नाम शामिल कराने के लिए भाजपा ने मौन पदयात्रा निकाली गई।

पदयात्रा का नेतृत्व भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह ने किया। हीरालाल धर्मशाला चौराहे से प्रारंभ हुई यह पदयात्रा शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए आगे बढ़ी। हाथों में बैनर और स्लोगन लिए भाजपा कार्यकर्ताओं ने नागरिकों को मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने व फॉर्म बीएलओ के पास जमा करने के लिए प्रेरित किया। भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह ने कहा कि सरकार की इच्छा है कि योग्य हर व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में शामिल हो। इसके लिए प्रदेशभर में विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। भाजपा कार्यकर्ता प्रत्येक नागरिक की मदद के लिए नियुक्त किए गए हैं ताकि कोई भी मताधिकार से वंचित न रह सके। उन्होंने कहा कि यह मौन पदयात्रा जनता को जागरूक करने का एक महत्वपूर्ण कदम है ताकि अधिक से अधिक लोग आगे आएं और लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा बन सकें। पदयात्रा में शामिल प्रमुख लोगों में राज्य महिला आयोग की सदस्य सुजीत कुमारी, भाजपा महिला मोर्चा की महामंत्री श्रीमती किरण अग्रवाल, उमा राठौर, रश्मि गुप्ता, अंजू सहनी, पूर्व जिला अध्यक्ष विनोद मिश्रा, पूर्व पालिकाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश बाजपेई, रामजी दीक्षित, रामजी मौर्य, जिला प्रवक्ता रमेशचंद्र मिश्रा, पूर्व नगर अध्यक्ष जितेंद्र साहनी, नगर अध्यक्ष देवदत्त चढ़ा, व्यापार मंडल पदाधिकारी श्यामजी मामा सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एसडीएम की सख्ती का दिखा असर

बिझौली, अमृत विचारः एसडीएम की सख्ती असर दिखा कि जलालपुर में कोल्हुओं पर वाटर कूलर की चिमनी लगाने का काम शुरू हो गया है, जिससे प्रदूषण कम होगा। इससे कोल्हुओं के आसपास के वातावरण को स्वच्छ और लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा में लाभ होगा। एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी के 18 नवंबर के निरीक्षण में सख्त आदेश दिया था कि नीची चिमनियों से वायु प्रदूषण होता है। उन्होंने जलालपुर और सिकंद्राबाद में तीन कोल्हू बंद कराए थे। सख्ती के बाद जलालपुर में कोल्हू संचालकों ने जलालपुर गुड़ कोल्हू यूनियन अध्यक्ष जमील अहमद ने कोल्हू पर चिमनी लगवाना शुरू कर दिया हैं।

बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बांधा समां

मझगई, अमृत विचार: पीएम श्री उच्च प्राथमिक विद्यालय छब्बापुरवा में शनिवार को मेरा गांव, मेरा विद्यालय' कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आरंभ ग्राम प्रधान प्रतिनिधि नवीन पांडेय ने दीप प्रज्वलन कर किया। इस दौरान बच्चों ने कई सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। कार्यक्रम की शुरुआत प्रभात फेरी से हुई, जिसमें विद्यार्थियों ने पूरे गांव में भ्रमण कर शिक्षा, जागरुकता और स्वच्छता का संदेश दिया। इसके बाद मंच पर बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, नाटक और लोक नृत्य प्रस्तुत किए, जिसका सभी लोगों ने सराहना की। विद्यालय की ओर से इस दौरान अभिभावकों के लिए बाल अधिकार संरक्षण हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया, जिसमें ग्रामीण भी शामिल हुए।

Rohilkhand INFERTILITY & IVF CENTRE

द्वारा IVF कैम्प

दिल्ली का जाना-माना IVF सैन्टर

RISAA IVF Creating life.... completing families.

अब अधूरे सपने होंगे पूरे

निःसन्तानता निवारण टेस्ट ट्यूब सैन्टर

परामर्श शुल्क मुफ्त

दिन : 8 दिसम्बर 2025 दिन सोमवार

समय : प्रातः 10:00 से 01 बजे तक

अपनी नन्हीं खुशियों को आज ही अपने घर लाये हमारे साथ !

उपलब्ध सुविधायें :-

★ निःसन्तानता सम्बन्धित जाँचें सस्ती दरों पर
★ टेस्ट ट्यूब बेबी (IVF) मार्केट रेट से 35% की छूट पर
★ लैब टेस्ट पर भारी छूट
★ इन्फर्टीलिटी अल्ट्रासाउंड मात्र 150/- में

विशेषतायें:-

★ 25 वर्षों के अनुभव के साथ।
★ ICSI, I.U.I., लेप्रोस्कॉपी हिस्ट्रोस्कोपी (दुरबीन द्वारा बच्चेदानी व अंडेदानी की जाँच)
★ उच्चतम सफलता दर ★ विश्वस्तीय आधुनिकतम IVF लैब

देश विदेश में हजारों दम्पत्ति हुए लाभान्वित आइये आप भी यह उम्मीद पाएं.....

स्थान :

IVF सैन्टर Ist Floor न्यू बिल्डिंग कमरा नं. 106

रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल

सुरेश शर्मा नगर चौराह, डेंटल कॉलेज रोड, बरेली

रजिस्ट्रेशन के लिए सम्पर्क करें : 6398018900, 8171925965

परिनिर्वाण दिवस पर याद किए गए भीमराव आंबेडकर

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

पब्लिक कॉलेज में संविधान की प्रस्तावना का वाचन करते विद्यार्थी। ● अमृत विचार

अमृत विचारः बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर कांग्रेसियों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर याद किया। पब्लिक कॉलेज में विद्यार्थियों ने संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया है।

गोला गोकर्ण नाथ में कैंप कार्यालय पर जिलाध्यक्ष प्रह्लाद पटेल के नेतृत्व में हुई गोष्ठी के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं ने बाबा साहब को पुष्प अर्पित किए। डॉ. भीमराव अंबेडकर तिराहे पर बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नारे लगाए। पिछड़ा वर्ग महासचिव रामकुमार वर्मा, जिला उपाध्यक्ष प्रेम कुमार वर्मा, अचल शुक्ला, राकेश विश्वकर्मा, सगीर अहमद, अंकुर पटेल, प्रशांत पटेल, योगेंद्र विक्रम सिंह पटेल, फकीर मोहम्मद, फरियाद खान, शेरसिंह वर्मा, रामशंकर पालसहित दर्जनों कांग्रेसी मौजूद रहे।

गोला के आंबेडकर पार्क में बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते कांग्रेसी।

नगर के लखीमपुर रोड स्थित पब्लिक इंटर कॉलेज में बाबा साहब के 69वें परिनिर्वाण दिवस पर प्रधानाचार्य, शिक्षकों ने विद्यार्थियों को देश के प्रति किए गए उनके योगदान के बारे में जानकारी दी। प्रधानाचार्य बाबूराम सागर ने आंबेडकर के चित्र एवं संविधान की प्रति पर माल्यार्पण, पुष्पांजलि अर्पित कर विद्यार्थियों को संविधान की प्रस्तावना का वाचन कराया। वरिष्ठ शिक्षक विश्व मोहनजीत, सत्येंद्र कुमार पांडे, अभय कुमार जायसवाल, रमेश कुमार मौर्य, दिनेश कुमार राज ने विद्यार्थियों को बताया कि बाबा साहेब आंबेडकर अपनी विद्वता के कारण ज्ञान के प्रतीक माने जाते थे। उन्हें संविधान निर्माण प्रारूप समिति का अध्यक्ष बनाया गया। संविधान से संबंधित क्विज प्रतियोगिता में कक्षा 6 से 8 तक 38, कक्षा 9 से 12 तक 311 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग़ किया। प्रधानाचार्य ने बताया कि बौद्ध धर्म में परिनिर्वाण का अर्थ है मुक्ति को प्राप्त होना। बाबा साहब ने समाज के सभी वर्गों, नारियों को सम्मान दिलाया। सत्येंद्र कुमार पांडेय, रमेश कुमार मौर्य, दिनेश कुमार, दर्शन कुमार गुप्त, सुरेश चंद्र, राकेश कुमार वर्मा, आनंद कुमार कौशल, कृष्ण कुमार शुक्ला, रमेश चंद, संतोष कुमार पांडे, रमेश कुमार वर्मा, गोविंद कुमार, सविता देवी, नीरज कुमार सिंह, अखिलेश्वर आदि मौजूद रहे।

भीमराव आंबेडकर को सपा नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर समाजवादी पार्टी ने सपा कार्यालय पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया। पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस दौरान गोष्ठी भी आयोजित हुई। गोष्ठी की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रामपाल सिंह यादव ने की। सपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि बाबा साहब ने अपना पूरा जीवन दलितों, वंचितों, शोषितों और पिछड़ों के अधिकारों के लिए संघर्ष में समर्पित किया। डॉ. अंबेडकर केवल संविधान निर्माता ही नहीं, बल्कि महान चिंतक, समाज सुधारक, न्यायविद और अर्थशास्त्री भी थे। उन्होंने मजदूरों, महिलाओं और पिछड़े समाज की आवाज को राष्ट्रीय पहचान दिलाई और समानता का मार्ग प्रशस्त किया। कार्यक्रम में मौजूद वक्ताओं ने कहा कि बाबा साहब के विचार सदैव प्रेरणा देते रहेंगे और समाजवाद के मूल्यों को मजबूत करने का कार्य करते रहेंगे। इस दौरान पूर्व जिला अध्यक्ष अनुराग पटेल, पूर्व जिला अध्यक्ष मो. कय्यूम खान, पूर्व विधायक रामशरण, सपा नेता रेहान खान, शमशेर बहादुर सिंह, शेखू मिर्ज़ा, अशोक कश्यप, यश मोहन पटेल, गुफरान अहमद, सईद अंसारी, त्रिभुवन सिंह सेंगर, बंटी सिंह, हेमंत भार्गव, अमित वर्मा सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

इंटरलॉकिंग में घटिया निर्माण सामग्री लगाने का आरोप

मझगईं, अमृत विचार : पलिया विकास खंड की ग्राम पंचायत बेला कला में समाज कल्याण विभाग से स्वीकृत 150 मीटर इंटरलॉकिंग सड़क के निर्माण में ग्रामीणों ने लापरवाही और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने बताया कि इंटरलॉकिंग बिछाने से पहले आवश्यक कंप्रेशन और सॉलिड बेस बनाने के बजाय मिट्टी व मौरंग के मिश्रण से सतह तैयार कर दी गई। सड़क किनारे बनाई जा रही पटरी में भी कमजोर ईंटों का इस्तेमाल किया गया है और चुनाई में मानक के अनुरूप मसाला तक नहीं डाला गया। इस तरह की निर्माण गुणवत्ता में सड़क लंबे समय तक नहीं टिक पाएगी और कुछ ही समय में उखड़ने लगेगी। निर्माण कार्य की निगरानी कर रहे ठेकेदार के मुंशी से जानकारी लेने की कोशिश की गई तो उन्होंने किसी भी तरह की जानकारी देने से साफ इनकार कर दिया। ग्रामीणों ने जांच कर जिम्मेदारों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

नगर आयुक्त ने महानगर में रैन बसेरों का निरीक्षण किया

शाहजहांपुर, अमृत विचार : नगर आयुक्त ने महानगर क्षेत्र में स्थित रैन बसेरों का निरीक्षण किया।उन्होंने निगम के अधिकारियों को बेसहारा व निराश्रित लोगों की सुविधा को लेकर रैन बसेरों में सभी आवश्यक इंतजाम के निर्देश दिए।

महानगर को स्वच्छ रखने का मातहतों को दिया निर्देश

शाहजहांपुर,अमृत विचार : नगर आयुक्त डॉ बिपिन कुमार मिश्र ने आज नगर निगम कार्यालय में महानगर को स्वच्छ रखने के लिए नगर निगम के नगर स्वास्थ्य अधिकारी, मुख्य सफाई एवं खाद्य निरीक्षक, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक, सफाई नायक, सहायक सफाई नायक के साथ बैठक की गई, जिसमें महानगर को स्वच्छ रखने की दिशा में बेहतर से बेहतर स्वच्छता रखने व व्यवस्थित रूप से कार्य को करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही स्वच्छता से सम्बंधित कार्यो को करने में किसी प्रकार की लापरवाही भी न किये जाने के निर्देश दिए। बैठक में महाप्रबंधक जल भी उपस्थित रहे।

खेलकूद में विजेताओं को किया सम्मानित

सिल्वर सिटी एकेडमी में वार्षिक खेलकूद समारोह समारोह का समापन उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

कोटवारा के सिल्वर सिटी में विजयी टीम को पुरस्कृत करते मुख्य अतिथि विजय शुक्ला रिंकू। ● अमृत विचार

अमृत विचार : कोटवारा रोड स्थित सिल्वर सिटी एकेडमी में आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद समारोह का समापन उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद अध्यक्ष विजय शुक्ला 'रिंकू' ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को मेडल, ट्रॉफी और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. हरमोहन सिंह खुराना ने की। मुख्य अतिथि ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर समारोह का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक फिटनेस बल्कि टीमवर्क, नेतृत्व और अनुशासन सिखाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने बच्चों को खेलों को जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया।

तीन दिनों तक चले इस वार्षिक महोत्सव में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विभिन्न खेलों में छात्रों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि विजय शुक्ला रिंकू ने विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों की प्रतिभा को निखारते हैं और उनमें आत्मविश्वास बढ़ाते हैं। समारोह के एमडी डॉ. हरमोहन सिंह खुराना एवं प्रधानाचार्य एस.के. शुक्ला ने विद्यालय परिवार, शिक्षकों और अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ, अभिभावक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

प्रतियोगिताओं के विजेता

● **क्रिकेट प्रतियोगिता**
सीनियर वर्ग : विजेता – रेड हाउस एवं ग्रीन हाउस
जूनियर वर्ग : विजेता – रेड हाउस एवं ग्रीन हाउस

● **फुटबॉल प्रतियोगिता**
विजेता – रेड हाउस एवं ग्रीन हाउस

● **खो-खो प्रतियोगिता**
बालिका वर्ग : विजेता – ब्लू हाउस
बॉयज़ जूनियर : विजेता – ग्रीन हाउस

● **म्यूज़िकल चेयर प्रतियोगिता**
स्वीटी प्रथम, दित्या द्वितीय, गौरी तृतीय

फ्रॉग रेस प्रतियोगिता
प्रतिज्ञा प्रथम, अभय द्वितीय, मोहम्मद शाद तृतीय

● **वालीबॉल प्रतियोगिता**
विजेता – रेड हाउस

बलून बर्स्टिंग प्रतियोगिता
जितेश प्रथम, खुशी द्वितीय, अपिल तृतीय

● **बिंदी पेस्टिंग प्रतियोगिता**
प्रतिज्ञा प्रथम, आकुसा द्वितीय, खुशी तृतीय

● **बैडमिंटन डबल्स प्रतियोगिता**
विजेता – हरमीत कौर और रौनक सिंह

समिति की बैठक में 4 करोड़ 14 लाख का बजट पास

रोशननगर समिति की एजीएम में मौजूद संचालक मंडल के सदस्य और अध्यक्ष।

संवाददाता, रोशननगर

अमृत विचार: ब्लॉक बांकेगंज क्षेत्र के कस्बा रोशन नगर में बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति (बी पैक्स) के वार्षिक सामान्य निकाय की बैठक में चार करोड़ 14 लाख का अधिकतम बजट पास किया गया।

रोशन नगर सहकारी समिति के प्रांगण में समिति अध्यक्ष नरेश चंद अग्निहोत्री की अध्यक्षता में हुई सामान्य निकाय की बैठक में समिति के सचिव दीप सिंह यादव ने वार्षिक लेखा-जोखा प्रस्तुत कर बताया कि समिति की लिमिट 4.50 करोड़ पास है। वित्तीय वर्ष में समिति ने लोन 2 करोड़ 57 लाख वितरित किया, उसके सापेक्ष 2 करोड़ 82 लाख वसूले। बीते वर्ष 3 करोड़ 37 लाख 58 हजार 839 रुपया का लाभ रहा। समिति में 4520 सदस्य उर्वरक की खरीदारी करते हैं। सचिव ने बताया कि समिति में रोशननगर के राशन की दुकान संचालित है। बैठक में चार करोड़ 13 लाख 88 हजार 620 रुपये का अधिकतम बजट पास किया गया।

दिवंगत श्रमिक के आश्रित को 12.93 लाख की मदद

मृतक आश्रित को चेक सौंपतीं डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल।

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: गोविंद शुगर मिल ऐरा में 27 दिसंबर को हुई दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए संविदा श्रमिक पृथ्वीपाल की 13 जनवरी 2025 को उपचार के दौरान मृत्यु हो गई थी। प्रशासन की सक्रिय पहल पर उनके परिजनों को आर्थिक संबल मिला है।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल के हस्तक्षेप के बाद कर्मकार क्षतिपूर्ति अधिनियम 1923 के अंतर्गत मिल प्रबंधन ने आश्रितों को 12 लाख 93 हजार 900 रुपये की सहायता राशि उपलब्ध कराई। शनिवार को डीएम ने सहायक श्रमायुक्त मयंक सिंह के साथ प्रभावित परिवार को 12 लाख 93 हजार 900 की धनराशि का चेक, सीएसआर राहत किट और शाल प्रदान किया।

डीएम ने कहा कि श्रमिक परिवारों के अधिकारों की रक्षा और सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने मिल प्रबंधन को भविष्य में सुरक्षा मानकों को और कड़ा करने के निर्देश भी दिए। बताते चले कि डीबीटी के माध्यम से 5,93,900 रुपये सीधे खाते में भेजे गए, जबकि 7 लाख रुपये की सावधि जमा (एफडी) परिवार के नाम से कराई गई है, ताकि भविष्य में उनका आर्थिक संबल बना रहे।

कार बाइक से टकराकर पेड़ से भिड़ी पांच लोग घायल

भानपुर, अमृत विचार: बरात से लौटते समय झपकी आने से अनियंत्रित कार थाना भीरा क्षेत्र में भानपुर के पास खड़ी बाइक में टक्कर मार कर पेड़ में टकरा गई। हादसे में कार सवार पांच लोग घायल हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कन्नापुर निवासी सर्वेश यादव राजगिरी मिस्त्री है। वह बाइक किनारे खड़ी कर काम कर रहा था। तभी तेज रफ्तार से आ रही कार अनियंत्रित होकर उनकी बाइक से टकरा गई। टक्कर के बाद कार सीधे पेड़ से जा भिड़ी। कार में सवार राजकुमार, मुकेश निवासी खजुरिया थाना संपूर्णानगर व तीन अन्य युवक देवरिया जिले के थे। सभी लोग मालपुर से एक शादी समारोह में शामिल होकर वापस लौट रहे थे। मौके पर पहुंचे लोगों ने कार में फंसे घायलों को बाहर निकाला। ग्रामीणों ने बताया कार चालक को नींद का झोंका आने से वाहन अनियंत्रित हो गया, जिससे हादसा हुआ। ग्रामीणों ने 108 एम्बुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने सभी घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया है।

चांदामऊ में युवक का शव मिलने से सनसनी

संवाददाता, केशवापुर/बिलहरी

चांदामऊ में घटना स्थल पर पुलिस और ग्रामीण। ● अमृत विचार

● **शिनाख्त के बाद पत्नी ने तहरीर में नहीं लगाया किसी पर आरोप**

अमृत विचार: थाना हैदराबाद की पुलिस चौकी अजान क्षेत्र के गांव चांदामऊ में गांव के बाहर शनिवार सुबह अशर्फीलाल यादव के खेत के पास सड़क किनारे खंदक में पानी में उतराता एक शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। शिनाख्त हो जाने पर पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है।

चांदामऊ में शव मिलने से सैकड़ों लोगों की भीड़ जम हो गई। थाना हैदराबाद पुलिस को सूचना मिलने पर थाना प्रभारी सुनील कुमार मलिक, गोला सीओ रमेश कुमार तिवारी ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच पड़ताल कर शव को खंदक के बाहर निकलवाकर शव की पहचान कराने का प्रयास किया। मृतक की पत्नी कल्पना देवी ने मौके पर पहुंचकर अपने पति संतू (30) पुत्र रामदयाल निवासी गांव विसोखर थाना मितौली के रूप में की है। घटना के बाद कुछ ग्रामीण दबी जुबान यह भी कहते सुने गए कि थाना हैदराबाद क्षेत्र के ग्राम लोहरय्या में अवैध शराब का धंधा बरसों से चल रहा है। जिसमें क्षेत्र के कई ऐसे नव युवक अपनी जान गवां चुके हैं। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि हो सकता है यह लोहरय्या में दारू पीने गया हो जबकि कुछ ग्रामीणों का कहना है कि अज्ञात वाहन की टक्कर से पानी भरे गड्ढे में गिरने के कारण मृत्यु हो सकती है। मृतक पेशे से किसान है मृतक के चार छोटे बच्चे भी हैं।

मृतक संतू शर्मा की पत्नी कल्पना देवी ने बताया उन्हें बच्चों सहित ननद के यहां नीमगांव थाना क्षेत्र के गांव अटवा में शुक्रवार को छोड़कर घर वापस आए थे तब से लापता थे।

संतू शर्मा के तीन पुत्री व एक पुत्र नाबालिग हैं। मृतक की पत्नी कल्पना देवी ने पुलिस को घटना की तहरीर दी। सीओ रमेश कुमार तिवारी ने परिजनों को सांत्वना देते हुए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। अजान चौकी प्रभारी अशोक सिंह ने बताया कि पानी में डूबने से युवक की मौत हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पता चल सकेगा कि युवक की मौत कैसे हुई है।

गन्ना पेराई में बेलरायां चीनी मिल ने पकड़ी रफ्तार

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: बेलरायां सरजू सहकारी चीनी मिल में गन्ना पेराई सत्र इस वर्ष काफी तेजी से चल रहा है। मिल में अब तक लगभग 10 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई की जा चुकी है, जबकि करीब 76 हजार क्विंटल चीनी का उत्पादन हो चुका है। इस बार चीनी परता पिछले वर्ष की तुलना में काफी बेहतर है। चीनी मिल का पेराई सत्र 16 नवंबर से हुआ था। महज 19 दिनों में पिछले साल की तुलना में 6 लाख क्विंटल अधिक गन्ने की पेराई की है, जो मिल के प्रदर्शन को मजबूत संकेत देता है। मिल प्रधान प्रबंधक राजेश कुमार ने बताया कि मिल संचालन में किसी प्रकार की तकनीकी बाधा न आए, इसके लिए अधीनस्थ कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। साथ ही तीनों पालियों में लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यदि इसी तरह पेराई निर्बाध जारी रही तो दिसंबर के अंत तक चीनी परता में और अधिक बढ़ोतरी की संभावना है।

सुहैल हत्याकांड में तीन आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता, रोशननगर/बिलहरी

हैदराबाद पुलिस की गिरफ्त में हत्यारोपी। ● अमृत विचार

● **उधारी के 200 रुपये के विवाद में की गई हत्या**

● **कार, चाकू, शराब की बोतल व मोबाइल बरामद**

अमृत विचार: मंगलवार दो दिसंबर को हुए सुहैल हत्याकांड के तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर चालान भेज दिया है। पुलिस ने बताया की उधारी के 200 रुपए को लेकर हुए विवाद में सुहैल की हत्या की गई। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त कार, चाकू, मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। आरोपियों ने मार्च 2024 में सुहैल व अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा के निर्देशन में सीओ रमेश कुमार तिवारी ने पुलिस टीम गठित कर दो दिसंबर को हुए नगर के मोहल्ला वीरेन्द्र नगर कालोनी निवासी सुहैल खां पुत्र स्व. मोहम्मद फारूक खां की हत्याकांड में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सीओ ने बताया कि मृतक सुहैल शराबी, झगड़ालू प्रवृत्ति का था, जिसके विरुद्ध पहले कोतवाली गोला में आरोपी रामनिवास उर्फ डिम्पल पुत्र परमेश्वरदीन वर्मा निवासी भारत भूषण कालौनी ने झगड़ा करने, परेशान करने के सम्बंध में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। निवासी मोहल्ला पटेल नगर स्थायी निवासी थाना हैदराबाद क्षेत्र के गांव ककलापुर उसके पटेलनगर स्थित मकान पर सुहैल की चाकू मारकर हत्या कर दी।

उसका शव वहां से उसने अपने भाई गोविन्द वर्मा पुत्र परमेश्वरदीन वर्मा निवासी भारत भूषण कालौनी की मदद से स्विफ्ट कार में डालकर एक खेत में ले जाकर जलाकर फेंक दिया। घटना से सम्बंधित मृतक के मोबाइल तथा घटना में प्रयुक्त चाकू, कार तथा मोबाइल की बरामदगी की जा चुकी है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर चालान भेज दिया है।

बोलेरो से आए चोर तीन घरों को बनाया निशाना

संवाददाता, खमरिया

● **नकदी, बर्तन समेत चुरा ले गए जेवर, ग्रामीणों में दहशत का माहौल**

अमृत विचार: बोलेरो सवार चोरों ने शुक्रवार रात दो गांवों के तीन घरों में को निशाना बनाते हुए नकदी, बर्तन, कपड़ा समेत घर में रखे जेवर चुरा ले गए। एक ही रात तीन वारदातों से लोग सहम गए। सूचना पर पहुंची पुलिस चोरों की तलाश में जुटी है।

पहली वारदात गांव मोहम्मदापुर निवासी कमलेश निषाद के घर हुई, जहां चोर रात करीब 1 बजे दीवार फांदकर घर में घुसे। घर में रखे बक्से को तोड़कर उन्होंने दो जोड़ी चांदी की पायल, एक जोड़ी सोने के कुंडल, हथफूल, कमर बिछुआ, 7,000 रुपये नकद, एक साइकिल, 25 किलो चावल की बोरी, कपड़े, थारा, गगरा आदि घरेलू सामान उठा ले गए।

छोटा बक्सा देवरहा मंदिर के पास खुला मिला और वहीं से एक बेलचा बरामद हुआ, जो चोरों का छोड़ा हुआ बताया जा रहा है। दूसरी वारदात मोहम्मदपुर के मजरा अहिरन पुरवा निवासी अनूप यादव के घर हुई। घटना के वक्त अनूप यादव घर नहीं थे। वह किसी काम से बाहर गए हुए, थे। घर पर उनका भाई अंकित यादव सो रहा था। चोरों ने पहले अंकित के कमरे के दरवाजे की सिटकनी बाहर से लगा दी और फिर बेखौफ होकर घर में रखा थारा, लोटा, कपड़ा, थाली और अन्य सामान चोरी कर लिया। तीसरी वारदात गांव के बदलू यादव के घर हुई। यहां से चोर 2,000 रुपये नकद, दो जोड़ी चांदी की पायल और कपड़े चुरा लिए। घर से चोरी गया बक्सा खेत में टूटा हुआ मिला, वहीं मौके से एक प्लास भी बरामद हुआ है। तीनों पीड़ितों ने घटना की तहरीर पुलिस को दी है। सूचना पर थाना खमरिया पुलिस मौके पर पहुंची और सभी स्थानों का मौका-मुआयना किया। पुलिस के अनुसार वारदात में एक ही गैंग के होने की आशंका है, क्योंकि तीनों घटनाओं की शैली एक जैसी है और सभी जगहों पर चोरी के समय बोलेरो वाहन के पहियों के निशान मिले हैं। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में भय और आक्रोश है। लोगों ने रात में गश्त बढ़ाने और चोरों की गिरफ्तारी की मांग की है। प्रभारी निरीक्षक ओमप्रकाश राय ने बताया कि पुलिस जांच कर रही है।

निष्पक्ष जांच की मांग, साजिश का आरोप

संवाददाता, पलिया कलां

एसडीएम डॉ. अवनीश कुमार को ज्ञापन सौंपते पदाधिकारी। ● अमृत विचार

● **पूर्व विधायक के पुत्र की गिरफ्तारी के विरोध में अभाकिमस ने सौंपा ज्ञापन**

अमृत विचार: अखिल भारतीय किसान महासभा ने पूर्व विधायक स्व. निरवेंद्र कुमार मिश्र मुन्ना के पुत्र संजीव कुमार मिश्र की गिरफ्तारी को लेकर कड़ा विरोध जताया है। शनिवार को महासभा के पदाधिकारियों व क्षेत्रीय नागरिकों ने राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन एसडीएम डॉ. अवनीश कुमार को सौंपा और प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग की।

35 वर्ष पुराने भूमि विवाद के मामले में पुलिस ने बीते शनिवार को भारी फोर्स व पीएसी की मौजूदगी में संजीव कुमार मिश्र को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इस कार्रवाई को लेकर क्षेत्र में चर्चाएं तेज हैं। ज्ञापन देने से पूर्व नेताओं ने आरोप लगाया कि गिरफ्तारी राजनीतिक दबाव में की गई है और यह एक सोची-समझी साजिश का हिस्सा प्रतीत होती है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की गरिमा बनाए रखने के लिए इस मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी जांच आवश्यक है। ज्ञापन देने वालों में अखिल भारतीय किसान महासभा के अध्यक्ष कमलेश राय, सचिव लल्लन गौड़, पूर्व प्रधान सोनू चौधरी, कमरुद्दीन कादरी, पूर्व सभासद विश्वकांत त्रिपाठी, ऐपवा जिला अध्यक्ष आरती राय सहित अतुल शुक्ला, सुरेश कुमार, विनोद निषाद, अनुज निषाद, राधेश्याम, राकेश कुमार, अनु चौधरी, रवि प्रताप, कुलदीप सिंह, विक्की पाल आदि मौजूद रहे।

अमृत विचार एक सशक्त अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम पहले कु. भावना गुप्ता (KM BHAWNA GUPTA) प्रचलित था। किंतु, अब मैंने अपना नाम परिवर्तित कर भावना गुप्ता (BHAVANA GUPTA) कर लिया है। अब मुझे हर जगह इसी परिवर्तित नाम से ही जाना व पहचाना जाय। **भावना गुप्ता पत्नी मोहित गुप्ता निवासी-पलिया कलां, तहसील पलिया कलां, जिला खीरी।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम पहले मोहित कुमार गुप्ता (M0HIT KUMAR GUPTA) प्रचलित था। किंतु अब मैंने अपना नाम परिवर्तित कर मोहित गुप्ता (MOHIT GUPTA) कर लिया है। अब मुझे हर जगह इसी परिवर्तित नाम से ही जाना व पहचाना जाय। **मोहित गुप्ता पुत्र रमेश चंद्र गुप्ता निवासी- पलिया कलां, तहसील पलिया कलां, जिला खीरी।**

सूचना

मैंने अपनी पुत्री उमा मौर्या को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगी। **श्याम लाल पुत्र सुखलाल निवासी ग्राम फरीदापुर बरकली साहब पो. मोहनपुर थाना बिथरीचैनपुर जिला बरेली हाल निवासी शिवधाम कालोनी लाल फाटक थाना कैन्ट जिला बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम अंश आहूजा (ANSH AHUJA) पुत्र जयन्त कुमार आहूजा (JAYANT KUMAR AHUJA) था जिसे बदलकर अब मैंने अपना नाम अंशदीप सिंह (ANSH DEEP SINGH) पुत्र जयन्त कुमार आहूजा (JAYANT KUMAR AHUJA) कर लिया है। ये दोनों नाम मेरे ही है और मुझे इन दोनों नाम से जाना व पहचाना जाता है। **अंशदीप सिंह पुत्र जयन्त कुमार आहूजा निवासी 22 महावीर होटल के सामने, जनकपुरी, बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने वर्ष 2018 में कक्षा 12 की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। मेरी इण्टरमीडिएट की अंकतालिका जिसका अनुक्रमांक 0881908 है। जो कि वास्तव में कहीं खो गई है। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिली। **रोहिताश गंगवार पुत्र गेंदनलाल निवासी ग्राम अकबराबाद पो. नौगवां तह. बीसलपुर जिला पीलीभीत**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र अमित कुमार गोस्वामी व उसकी पत्नी शीतल गोस्वामी को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उन्हें अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **राकेश चन्द्र गोस्वामी निवासी मोहल्ला गांधी नगर निगोही, शाहजहांपुर**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

चेन बरामद होने के बाद दर्ज की गई लूट की रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● **14 मई की सुबह मॉर्निंग वॉक के दौरान बाइक सवारों ने की थी लूट**

अमृत विचार: शहर से सटे गांव लहोरी नगर निवासी विमला देवी रोजाना सुबह सैर के लिए हाईवे के पास से गुजरती हैं। 14 मई 2025 को भी वह सुबह करीब 5:15 बजे हनुमान मंदिर के पास वाली गली से गुजर रही थीं कि तभी पीछे से आए दो बाइक सवार युवकों में पीछे बैठे युवक ने झपट्टा मारकर उनके गले में पहनी 14.6 ग्राम की सोने की चेन छीन ली और भाग निकले थे।

पीड़ित महिला ने घटना की तहरीर पुलिस को दी थी, लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। महिला के पुत्र योगेंद्र किशोर वर्मा ने बताया कि घटना के बाद उन्होंने आसपास खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। बाद में उन्हें जानकारी मिली कि नीमगांव थाना पुलिस ने अभियुक्तों को चेन सहित गिरफ्तार किया है। इस पर उन्होंने दोबारा कोतवाली सदर जाकर तहरीर दी, जिस पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। शहर कोतवाल राजेश कुमार सिंह ने बताया कि जांच एसआई संदीप कुमार यादव को सौंपी गई है।

विद्यार्थियों को मृदा स्वास्थ्य के महत्व से कराया अवगत

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

● **कृषि के सतत विकास के लिए मृदा का स्वस्थ और उपजाऊ होना जरूरी**

अमृत विचार: जमुनाबाद कृषि महाविद्यालय में विश्व मृदा दिवस पर आयोजित गोष्ठी में विद्यार्थियों को मृदा स्वास्थ्य के महत्व पर जानकारी दी गई। संबंधित विविध प्रतियोगिताएं हुई और व्याख्यान प्रस्तुत किए गए।

मृदा विज्ञान प्रश्नोत्तरी, पौधरोपण, कविता पाठ, व्याख्यान की शुरूआत छात्रों द्वारा मृदा विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं पौधरोपण कर किया गया। प्रभारी अधिष्ठाता डॉ. अनिल कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को बताया कि जिस प्रकार मानव शरीर के उत्तम संचालन के लिए स्वास्थ्य आवश्यक है, उसी प्रकार कृषि के सतत विकास के लिए मृदा का स्वास्थ और उपजाऊ होना आवश्यक है। मातृभूमि हमें भोजन, जल और जीवन प्रदान करती है, इसलिए मृदा के स्वास्थ्य की रक्षा करना हम सबका सामाजिक और नैतिक दायित्व है। इसलिए मृदा का स्वस्थ होना जरूरी है क्योंकि मृदा स्वास्थ्य का सीधा असर मानव शरीर पर पड़ता है।

शहरीकरण बहुत तेजी से बढ़ रहा है, जिससे हमारे आस-पास हरियाली की कमी होती जा रही है। छात्र अंकुर वर्मा, अनुज द्वारा मृदा के महत्व पर स्वरचित कविता पाठ किया गया। महाविद्यालय के सह-प्राध्यापक डॉ. अरुण कुमार, डॉ. आनन्द कुमार पाण्डेय, गेस्ट फैकल्टी के डॉ. हिमांशु मिश्रा, डॉ. राज कुमार, डॉ. सतेन्द्र कुमार, डॉ. संदीप कुमार, डॉ. रणधीर यादव, डॉ. अनूप कुमार, डॉ. विश्व दीपक चतुर्वेदी आदि मौजूद रहे।

गोला के कृषि महाविद्यालय में पौधरोपण करते प्राध्यापक। ● अमृत विचार

अमृत विचार

बरेली, रविवार,7 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप लगाने का ये होगा तरीका

बरेली, अमृत विचार : साढे.सात टन तक की गाड़ी (छोटा हाथी, बोलेरो, पिकअप आदि छोटे माल वाहन) में आगे की ओर सफेद और पीछे की ओर 20 मिलीमीटर चौड़ी रिफलेक्टिव पट्टी। साढे.सात टन से अधिक (ट्रक, ट्रॉली आदि वाहनों) में 50 मिलीमीटर की पट्टी आगे सफेद व पीछे लाल रंग की लगाई जाएगी। इसी तरह यात्री वाहन में सफेद, लाल और 55 मिमी का टेप लगाया जाएगा। इसमें स्कूली बसें भी शामिल हैं। रोडवेज बसों में भी इन्हें लगाया जाना जरूरी होगा। ई-रिक्शा में आगे और पीछे 200 मिमी का लाल टेप अनिवार्य रूप से लगाना होगा।

10 मिनट देर से पहुंची बेंगलुरू फ्लाइट, छह सौ यात्रियों को मिली राहत

बरेली, अमृत विचार : इंडिगो एयरलाइन की फ्लाइट के परिचालन की व्यवस्था अब पटरी पर लौट रही है। दो दिन से सैकड़ों यात्री बड़ी दिक्कत झेल रहे थे लेकिन शनिवार को छह सौ से ज्यादा यात्रियों को बड़ी राहत मिली। बेंगलुरू फ्लाइट महज 10 मिनट की देरी से बरेली एयरपोर्ट पहुंची। जबकि सुबह से यह आशंका जताई जा रही थी कि फ्लाइट आज भी डेढ़ से दो घंटे देरी से आएगी। बरेली एयरपोर्ट अथॉरिटी के एक अधिकारी ने बताया कि 321 सीटर एयरबस दोपहर करीब 2:30 बजे लैंडिंग हुई और 3:05 बजे बरेली से बेंगलुरू के लिए फ्लाइट ने उड़ान भरी। इससे यात्रियों को बड़ी राहत मिली। फ्लाइट में बेंगलुरू और बरेली आने-जाने वाले यात्रियों की संख्या 600 से ज्यादा रही।

49 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने छोड़ी सहायक अध्यापक प्रशिक्षित स्नातक परीक्षा

बरेली, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की सहायक अध्यापक प्रशिक्षित स्नातक एलटी श्रेणी की परीक्षा शनिवार को 21 केंद्रों पर दो पालियों में हुई। परीक्षा में जिले में 17098 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिसमें पहली पाली में 9632 और दूसरी पाली में 7466 थे। इसमें से पहली पाली में 4765 और दूसरी पाली में 3958 अभ्यर्थियों ने ही परीक्षा दी। दोनों पालियों में 8375 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। पहली पाली सुबह 9 बजे से 11 बजे तक और दूसरी पाली शाम 3 बजे से 5 बजे तक हुई। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा से शुरू होने से डेढ़ घंटे पहले एंट्री दी गई। केंद्रों पर सीसीटीवी से निगरानी रखी गई। परीक्षा देकर निकले अभ्यर्थियों ने परीक्षा को सामान्य बताया। उनका कहना था कि पेपर में किसी प्रकार की जटिलता नहीं थी और इसे समय रहते हल कर लिया गया। प्रश्न पत्र में पूछे सवाल सीधे और पाठ्यक्रम आधारित रहे। कुल मिलाकर परीक्षा को लेकर उम्मीदवारों में राहत नजर आई।

शिक्षक अजय के परिजनों से मिले कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष

कोतवाली के सामने आंबेडकर पार्क में प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

कार्यालय संवाददाता, बरेली

शिक्षक अजय के परिजनों के साथ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष व अन्य। ● अमृत विचार

अमृत विचार: कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर शनिवार सुबह कोतवाली के सामने स्थित आंबेडकर पार्क में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उसके बाद उन्होंने कर्मचारी नगर, गली नंबर 5 निवासी दिवंगत शिक्षक अजय अग्रवाल के घर पहुंचकर उनके बेटे और परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना प्रकट की।

मीडिया से बात करते हुए उन्होंने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा बाबा साहब के संविधान को खत्म करने की कोशिश कर रही है, लेकिन कांग्रेस ऐसा होने नहीं देगी। उन्होंने कहा कि तानाशाही भाजपा सरकार का राहुल गांधी मुकाबला कर रहे हैं। यही कारण है कि भाजपा सरकार डरी हुई है और घबराहट और जल्दबाजी से काम ले रही है। वह जल्द से जल्द एसआईआर का कार्य कराना चाह रही है। उससे उसकी नीयत पर पूरी तरह से सभी को शक है। इसी जल्दबाजी का परिणाम है कि लगातार एसआईआर के कार्य में लगे हुए कर्मचारियों की अत्यधिक तनाव के चलते मौत हो रही है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा के लोग विपक्षी दलों के वोट घटवा रहे हैं और अपने वोट बढ़वा रहे हैं। भाजपा के संगठन में कोई मजबूती नहीं है, यह भावनाओं को भड़काती है। इनकी ताकत सिर्फ हिंदू-मुस्लिम करना है। जो असली मुद्दे हैं, उनके संबंध में इनके पास कोई जवाब नहीं होता है। उन्होंने कहा कि अजय अग्रवाल एसआईआर के कार्य में लगे थे और ब्रेन हैमरेज से उनकी मौत हो गई थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में लोगों को जहरीला सिरप पिलाया जा रहा है, लेकिन कोई जवाब देने वाला नहीं है। कहा कि रूस के राष्ट्रपति भारत के दौरे पर आए तो नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को उनसे मिलने नहीं दिया गया। जिलाध्यक्ष मिर्जा अशफाक सकलैनी ने कहा कि एसआईआर का कार्य देख रहे सरकारी कर्मचारियों पर अधिकारियों का अत्यधिक दबाव होने के साथ ही संसाधनों की कमी भी एक गंभीर चिंता का विषय है। इस मौके पर प्रदेश प्रवक्ता डॉ. के बी त्रिपाठी, युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पारस शुक्ला, महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा एडवोकेट, पूर्व महानगर अध्यक्ष अजय शुक्ला, प्रेम प्रकाश अग्रवाल, जिया उर रहमान, राजन उपाध्याय, मुजम्मिल रजा एडवोकेट ,उल्फत सिंह कठेरिया, सुरेश वाल्मीकि, मोबिन कुरैशी, डॉक्टर सरताज हुसैन, तीरथ मधुकर, कमरुद्दीन सैफी आदि लोग मौजूद रहे।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर बनाए संबंध

बरेली, अमृत विचार: प्रेमनगर थाना क्षेत्र की रहने वाली युवती ने बताया कि कुछ माह पहले उसकी इंस्टाग्राम पर अभय शर्मा निवासी सैनिक भवन, अशोकनगर, थाना सुभाषनगर से मुलाकात हुई थी।

आरोप है कि अभय ने उसे झूठे प्रेमजाल में फंसा लिया। उसके बाद उसने वीडियो कॉल पर कुछ अश्लील वीडियो बना ली। उसने वीडियो डिलीट करने को बोला तो आरोपी ने 10 नवंबर को उसे मिलने के लिए बुलाया। उसके बाद उसने संबंध बनाने पर जोर दिया। मना करने पर आरोपी ने कहा कि हम शादी कर लेते हैं फिर पति-पत्नी की तरह रहेंगे। उसके बाद उसके दोस्त माधुरी, जितिन कुमार सिंह और नितिन कुमार ने झूठे आश्वासन देकर एक अधिवक्ता के पास ले जाकर जबरदस्ती आर्य समाज के एक मैरिज सर्टिफिकेट पर साइन करवा लिए। आरोप है कि उसकी कक्षा 10 और 12 की मार्कशीट के अलावा दो सोने के कंगन और 9 हजार रुपये भी रख लिए। उसके बाद डरा धमकाकर वीडियो बनवाई कि मैं अपनी मर्जी से शादी कर रही हूं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

वाहनों पर रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप नहीं तो भरना पड़ेगा जुर्माना

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- पहली बार पकड़े जाने पर 10 हजार का जुर्माना, तीन माह के लिए लाइसेंस भी होगा निलंबित
- कोहरे में दुर्घटनाओं की संभावना देख व्यवसायिक वाहनों के लिए टेप लगाना किया अनिवार्य

अमृत विचार: सर्दी के मौसम में कोहरा और धुंध की वजह से होने वाली दुर्घटनाओं में कमी लाने को परिवहन विभाग ने सभी व्यवसायिक वाहनों में 'रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप' (रोशनी पड़ने पर चमकने वाली पट्टी) अनिवार्य कर दिया है। इसके लिए परिवहन विभाग ने मंडल के चारों जिलों में 11 जनवरी तक विशेष प्रवर्तन अभियान शुरू किया है। इस दौरान यदि कोई वाहन बिना टेप लगा मिलेगा तो वाहन स्वामी को 10 हजार रुपये जुर्माना देना होगा।

आरटीओ प्रशासन पंकज सिंह ने बताया कि अक्सर देखा जाता है कि ट्रक, ट्रैक्टर-ट्रॉली, पिकअप, डाला और छोटा हाथी सरीखे विभिन्न तरह के व्यवसायिक वाहनों में रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप नहीं लगा होता है। इसके चलते तेज गति में आ रहे वाहन के चालक को सड़क पर गाड़ी खड़ी होने का आभास तक नहीं हो पाता है और हादसा हो जाता है। इसे देखते हुए परिवहन विभाग ने अब सभी व्यवसायिक वाहनों में रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप को अनिवार्य कर दिया है। रेट्रो टेप न लगा होने पर पहली बार में 10 हजार रुपये तक का जुर्माना और तीन माह कारावास और चालक का तीन माह तक लाइसेंस निलंबित किया जा सकता है।

इसकी पुनरावृत्ति पर चालक और परिचालकों को छह माह तक कारावास और 10 हजार तक जुर्माना देना पड़ सकता है। यही नहीं टेप न होने पर व्यवसायिक वाहनों का प्रमाणपत्र भी जारी नहीं किया जाएगा। अभियान के दौरान राष्ट्रीय व राज्य मार्गों पर रात्रि प्रवर्तन बढ़ाने के साथ ही बस स्टैंड, ट्रांसपोर्ट नगर, हाईवे, बैरियर्स पर विशेष चेकिंग अभियान चलाने के साथ वाहन स्वामियों को व्हाट्सएप के माध्यम से भी जागरूक किया जा रहा है।

बच्चों ने आत्मविश्वास से खेल भावना का किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- केशलता इंटरनेशनल स्कूल में किंडरगार्टन स्पोर्ट्स डे का हुआ आयोजन

अमृत विचार : बीसलपुर रोड स्थित केशलता इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को किंडरगार्टन स्पोर्ट्स डे का आयोजन हुआ। स्कूल का मैदान रंग-बिरंगी सजावट, मनमोहक संगीत और बच्चों की खिलखिलाहट से गूंज उठा। नन्हे-मुन्नों ने अपनी ऊर्जा और आत्मविश्वास से खेल भावना का शानदार प्रदर्शन किया।

बच्चों ने फ्रॉग जंप, रिंग रेस, लेमन-स्पून रेस, गुब्बारा दौड़, फन रिले और फैंसी ड्रेस, वॉक-पास्ट जैसी कई रोचक प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शिक्षकों ने आयोजन में सुरक्षा और अनुशासन का विशेष ध्यान रखा। इस मौके पर प्रधानाचार्य ममतेश माहेश्वरी ने कहा कि खेल बच्चों के सर्वांगीण विकास और आत्मविश्वास को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उप प्रधानाचार्या डॉ. निशा शर्मा ने बच्चों के प्रदर्शन की प्रशंसा की और शिक्षकों-अभिभावकों के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। निदेशिका डॉ. लता अग्रवाल ने कहा कि स्कूल का उद्देश्य केवल शिक्षा प्रदान करना ही नहीं, बल्कि बच्चों के अंदर छिपी प्रतिभाओं को उभारना भी है। कहा कि खेल बच्चों में अनुशासन, साहस और सकारात्मक सोच विकसित करते हैं। प्रशासनिक अधिकारी सुधांशु ने कहा कि स्पोर्ट्स डे जैसे कार्यक्रम बच्चों को आनंद के साथ सीखने का अवसर प्रदान करते हैं। समापन पर विजयी विद्यार्थियों कुशांत, दर्शिक, एकांश, अक्षिता, साक्षी, अनन्या, शौर्य, देवांश, विराज, तनवीर, वर्तिका, प्राक्षि आदि को मेडल देकर सम्मानित किया गया। आयोजन में शिवानी, शबीना, रुचि, वर्षा, आशा, छाया एवं शिक्षकों का सहयोग रहा।

बवाल में शामिल आरोपी समेत 15 की खुली हिस्ट्रीशीट

बरेली, अमृत विचार: एसएसपी अनुराग आर्य ने लूट, चोरी, वाहन चोरी, हत्या की कोशिश, मारपीट गोकशी, मादक पदार्थ की तस्करी और साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने, अवैध हथियार बनाने, रंगदारी मांगने वाले 15 आरोपियों की हिस्ट्रीशीट खोली है। एसएसपी ने संबंधित थानों की पुलिस को इनकी ज्यादा निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। शहर में 26 सितंबर को हुए बवाल में पुलिस ने प्रेमनगर थाना क्षेत्र के ब्रह्मपुरा निवासी जुनैद अली खां उर्फ लकी शाह पर रिपोर्ट दर्ज की थी। लकी के खिलाफ 17 मुकदमे दर्ज हैं। एसएसपी ने 15 आरोपियों की हिस्ट्रीशीट खोली है, जिसमें जुनैद अली खां उर्फ लकी शाह, इज्जतनगर के उजैर, मोहसिन, छुटका, लालू पटेल, अफरोज, सन्नी पटेल, हाफिजगंज के करन, सुभाषनगर के अनीश ठाकुर, मुकेश कुमार, आंवला थाना क्षेत्र के रहीस अहमद उर्फ घिर्री, मोबीन, ज्ञान सिंह, छोटा, केशव उर्फ टेढ़ा हैं।

तकनीकी सशक्तीकरण के साथ मानवीय पक्षों का भी हो संरक्षण

कार्यालय संवाददाता, बरेली

रुहेलखंड विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के सभागार में वक्ता। ● अमृत विचार

- रुविवि में संगोष्ठी में 170 से अधिक अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए गए

अमृत विचार : रुहेलखंड विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के सभागार में शनिवार को राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन पर अलग-अलग तकनीकी सत्रों में कई संस्थानों के प्रतिनिधित्व में ऑग्युमेंटेड रियलिटी, वर्चुअल रियलिटी एवं अन्य विषयों पर 170 से अधिक अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। सभी प्रतिभागियों ने एजुकेशन 5.0 की अवधारणा को समझते हुए कहा कि भविष्य की शिक्षा में तकनीक के साथ मानवीय मूल्य हमेशा प्राथमिक रहे।

विशेष वक्ता प्रो. तूलिका सक्सेना ने कहा कि हम सभी को तकनीक के समय में मानवीय गुणों का ध्यान रखने की आवश्यकता है। संस्थानों को एक ऐसा लर्निंग इको सिस्टम बनाने कि आवश्यकता है, जहां नवाचार के साथ अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर हो, साथ ही नैतिक जिम्मेदारी का एहसास भी हो। विशिष्ट वक्ता प्रो. आलोक श्रीवास्तव ने कहा कि सभी विद्यार्थियों की समस्या है कि अपना शोध कार्य करते समय वह एआई का प्रयोग करते हैं। सभी विद्यार्थियों को सावधानी और समझदारी से एआई टूल्स का प्रयोग करना होगा। ये हम सभी के लिए ये चुनौतीपूर्ण समय हैं। हमें मशीन और मनुष्य के मध्य संतुलन पर कार्य करना होगा। मुख्य वक्ता प्रो. मनोज सक्सेना ने बताया कि पूर्व की शिक्षा में शिक्षक बालक के निर्माण का प्रमुख केंद्र रहा। डॉ. शकुंतला मिश्रा, प्रो. कौशल शर्मा, प्रो. यशपाल सिंह, प्रो. सुधीर कुमार वर्मा, डॉ. तरुण राष्ट्रीय, डॉ. प्रेमपाल, डॉ. कीर्ति प्रजापति, डॉ. रश्मि रंजन, कपिल मोहन तिवारी, शिवि, सना अबरार, आकाश, जगदीश आदि उपस्थित रहे।

अवैध गैस रिफलिंग में दुकान संचालक पर रिपोर्ट

बरेली, अमृत विचार : पूर्ति निरीक्षक प्रदीप सिंह यादव के अनुसार 26 नवंबर को उन्हें सूचना मिली कि बाकरगंज में सिलेंडरों से गैस रिफलिंग की जा रही है। जिला पूर्ति अधिकारी ने पूर्ति निरीक्षक और क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी को जांच के निर्देश दिए। इसके बाद पुलिस और पूर्ति विभाग की संयुक्त टीम ने दुकान पर छापेमारी की। टीम को देख आरोपी दुकान संचालक फरार हो गया। दुकान से इंडेन गैस का एक घरेलू सिलेंडर बरामद हुआ, जिसमें 8 किलो गैस पाई गई। साथ ही रिफलिंग मशीन, पाइप, रेगुलेटर और नोजिल मिले। जांच में घरेलू गैस को अवैध रूप से छोटे सिलेंडरों में भरकर कालाबाजारी करने की बात सामने आई। बताते हैं कि 14 किलाग्राम वाले सिलेंडर से पांच किलोग्राम वाले सिलेंडर में गैस रिफलिंग की जाती थी। किला पुलिस ने आरोपी दुकान संचालक इस्तकार पुत्र अबरार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

पांच किलो अफीम के साथ तस्कर को किया गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- एएनटीएफ की टीम ने सुभाषनगर से आरोपी को दबोचा

अमृत विचार: एएनटीएफ की टीम ने शुक्रवार रात सुभाषनगर में बदायूं रोड से एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से पांच किलो दो सौ ग्राम अफीम बरामद हुई है। तस्कर की पहचान अलीगंज थाना क्षेत्र के गांव ढकिया निवासी रामौतार के रूप में हुई है। अफीम की कीमत करीब 50 लाख रुपये बताई जा रही है। उसके खिलाफ सुभाषनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

एएनटीएफ कार्यालय के उपनिरीक्षक विकास यादव ने बताया कि शुक्रवार को उन्हें सूचना मिली कि अफीम की तस्करी होने वाली है। उसके बाद उन्होंने टीम के साथ सुभाषनगर थाना क्षेत्र में त्रिशूल चौराहे के पास से एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने बताया कि वह झारखंड से अफीम लेकर आया था। आरोपी के पास से तीन पैकेट में पांच किलो 200 ग्राम अफीम बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि रांची के खादवे बस स्टैंड के पास रहने वाले डेविड से उसका संपर्क है। वह कई बार बदायूं और पंजाब की सप्लाई कर चुका है। शुक्रवार रात को भी वह पंजाब की एक पार्टी का इंतजार कर रहा था। इस मामले में पुलिस ने रामौतार और साथी डेविड के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आईवीआरआई में 7 से 9 तक होंगी प्रतियोगिता

बरेली, अमृत विचार: आईवीआरआई 136वां स्थापना दिवस समारोह एवं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन दिनांक 7 से 9 दिसम्बर तक आयोजित करेगा। सचिव खेलकूद प्रकोष्ठ व आयोजन सचिव डॉ. अभिषेक ने बताया 7 दिसंबर से शुरू होने वाले कार्यक्रमों का उद्घाटन निदेशक डॉ. त्रिवेणी दत्त करेंगे।

9 दिसम्बर को प्रो. ब्रायन चार्ल्सटन, एफआरएस, निदेशक एवं सीईओ, द पिर्ब्राइट इंस्टीट्यूट, यूके द्वारा स्थापना दिवस अभिभाषण दिया जाएगा। प्रभारी खेलकूद प्रकोष्ठ डा. किरणजीत सिंह ने कार्यक्रम के पहले दौड़ समेत विभिन्न प्रतियोगिताएं कैंपस, स्टाफ और लेडीज क्लब की महिलाओं के मध्य होंगी।

कैंट में ट्रक ने बाइक सवार को मारी टक्कर, जान गई

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- शुक्रवार रात जाट रेजिमेंट के पास हादसा, ट्रक चालक फरार

अमृत विचार: जाट रेजिमेंट सेंटर के आगे शुक्रवार रात ढाबा बंद करके घर लौट रहे युवक की बाइक में तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर चालक की तलाश शुरू कर दी है।सिरौली थाना क्षेत्र के लिलौर गांव निवासी लल्लन सिंह मौजूदा समय में सुभाषनगर की बीडीए कॉलोनी में परिवार के साथ रहते थे। लल्लन के भाई बृजेश ने बताया कि उनके भाई इन्वर्टिस विश्वविद्यालय के पास हाईवे किनारे ढाबा चलाते थे। शुक्रवार रात ढाबा बंद करके वह अपने नौकर धर्मपाल के साथ बाइक से घर लौट रहे थे।

जैसे ही वे जाट रेजिमेंट और सेटेलाइट के बीच पहुंचे, तभी एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में लल्लन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि धर्मपाल बाल-बाल बच गया। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को हादसे की जानकारी दी। पति की मौत के बाद पत्नी नमिता का रो-रोकर बुरा हाल है।

चौपुला के पास इलेक्ट्रिक रॉड से लगी आग, महिला झुलसी, सामान जला

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- कोतवाली क्षेत्र में दोपहर हुई घटना, मची चीख पुकार

आब बुझाते दमकलकर्मी।

अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र के चौपुला बगिया के पास शनिवार दोपहर इलेक्ट्रिक रॉड से पानी गर्म करते समय आग लग गई। धीरे-धीरे आग ने भयंकर रूप ले लिया और आग की चपेट में आकर महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।

आग से घर में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। सूचना पर कोतवाली पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने महिला को अस्पताल में भर्ती कराया और फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। चौपुला बगिया कॉलोनी निवासी राजेश सक्सेना की पत्नी रमा सक्सेना शनिवार दोपहर करीब डेढ़ बजे नहाने के लिए पानी गर्म करने के लिए इलेक्ट्रिक रॉड का इस्तेमाल किया। पानी गर्म करने के बाद रमा रॉड का प्लग निकाले बिना उसे बेड पर रखकर बाथरूम में चली गईं। कुछ ही मिनटों में रॉड के अधिक गर्म होने से बेड ने आग पकड़ ली। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और कमरे में धुआं भर गया। आग इतनी तेज थी कि कुछ ही मिनटों में पूरा कमरा जलकर राख हो गया और फर्नीचर, बेड, घरेलू सामान और इलेक्ट्रॉनिक आइटम पूरी तरह जल गए। सूचना पाकर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। परिजनों का कहना है कि रमा करीब 60 प्रतिशत तक झुलस गई हैं और उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है।

नाबालिग से छेड़छाड़ के दोषी को 1 वर्ष कैद

बरेली, अमृत विचार : तीन साल पहले नाबालिग लड़की (15) का पीछा कर छेड़छाड़ करने के आरोपी थाना मीरगंज क्षेत्र निवासी तालिब को परीक्षण में दोषी पाते हुए स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट कोर्ट कुमार मयंक ने 1 वर्ष कारावास व 25 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनायी। जुर्माने की पूरी रकम पीड़िता को बतौर मुआवजा दी जाएगी। पीड़िता के पिता ने थाना मीरगंज में तहरीर देकर बताया था कि उसकी पुत्री कक्षा 9 की छात्रा है। तालिब उसके साथ छेड़छाड़ का प्रयास करता रहता है। 22 सितंबर 2022 को सुबह 7:30 बजे पुत्री स्कूल जाने के लिए निकली तो रास्ते में तालिब ने उसे रोक लिया और छेड़छाड़ करने लगा। जब पुत्री ने विरोध किया तो धमकी दी कि तुझे और परिवार को जान से मार दूंगा। पुलिस ने छेड़छाड़, धमकी देने, पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर विवेचना के बाद आरोप पत्र कोर्ट भेजा था।

52 प्रतिशत दिव्यांग प्रमाणपत्र बनवाने में फंसी शिक्षिका

कार्यालय संवाददाता, बरेली

> शिक्षिका का क्या केस चल रहा है, इस संबंध में मुझे जानकारी नहीं है। सोमवार को कार्यालय में इसकी जानकारी की जाएगी।
> -डा. विनीता, बेसिक शिक्षा अधिकारी

- शिक्षिका पर कार्रवाई नहीं होने पर संपूर्ण समाधान दिवस में पहुंची शिकायत, बीएसए को जांच के निर्देश

अमृत विचार: सदर तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस में शनिवार को इलाहाबाद की एक शिक्षिका की फर्जी तरीके से दिव्यांगता प्रमाणपत्र बनवाकर नौकरी पाने की शिकायत की गई। एडीएम फाइनेंस संतोष कुमार सिंह ने बीएसए को मामले की जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

महिला ने करीब 21 साल पहले मऊ के सीएमओ से 52 प्रतिशत दिव्यांग होने का सर्टिफिकेट बनवाकर शाहजहांपुर में सहायक अध्यापिका के पद पर नियुक्ति पाई थी। पिछले साल मामले की शिकायत पर जिलाधिकारी के निर्देश पर सीएमओ ने मेडिकल बोर्ड गठित कर जांच कराई थी। सीएमओ ने उच्च स्तरीय मेडिकल बोर्ड से भी जांच कराने की बात कहते हुए डीएम को रिपोर्ट भेजी थी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह की ओर से 28 सितंबर को डीएम को भेजी गई रिपोर्ट में बताया गया कि सुनवाई पोर्टल के माध्यम से खैरुला, बड़ा बाजार निवासी अखिलेश अग्रवाल की ओर से शिकायती पत्र में आरोप लगाया कि इलाहाबाद की एक शिक्षिका ने फर्जी तरीके से 52 प्रतिशत दिव्यांगता प्रमाणपत्र बनवाकर नियुक्ति पाई है।

शिकायत की जांच के लिए मेडिकल बोर्ड का गठन किया। दिव्यांगता की जांच की गई, जिसमें बोर्ड ने 20 प्रतिशत दिव्यांग विकलांग होने का आकलन किया। यह जांच पिछले साल 28 नवंबर को की गई। बोर्ड के सदस्य हड्डी रोग विशेषज्ञ ने परीक्षण के बाद 20 प्रतिशत दिव्यांगता दर्शायी थी। इसके साथ मेडिकल बोर्ड ने यह निष्कर्ष दिया था कि अभिलेखों एवं विशेषज्ञों की भिन्न रिपोर्ट होने के कारण शिक्षिका की दिव्यांगता का परीक्षण उच्च संस्थान केजीएमयू लखनऊ के विशेषज्ञों से कराना आवश्यक बताया है। सीएमओ जनपद मऊ के दिव्यांग प्रमाणपत्र के सत्यापन के बाद निर्णय देना उचित रहेगा। सीएमओ ने यह रिपोर्ट बीएसए कार्यालय को भी भेजी थी। वहीं, शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायतकर्ता अखिलेश ने विभिन्न कागजातों के साथ शिकायत करते हुए कहा कि मऊ जिले के दिव्यांगता प्रमाणपत्र के सहारे शिक्षिका ने शाहजहांपुर डायट के द्वारा 17 जुलाई 2009 को सहायक अध्यापिका के पद पर नियुक्ति पाई थी। डायट ने इनके प्रमाणपत्रों की जांच ठीक से नहीं की। शिकायतकर्ता ने शिक्षिका के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शिक्षिका के दो पहचान पत्र भी बताए हैं। वह मूलरूप से इलाहाबाद के सुभाषनगर पोस्ट क्षेत्र की रहने वाली है और वर्तमान में सौ फुटा रोड की एक कॉलोनी में रह रही है।

पिछले साल से जांच रिपोर्ट सहायक शिक्षा निदेशक और बीएसए कार्यालय में घूम रही

- शिक्षिका के गलत तरह से दिव्यांगता प्रमाणपत्र बनवाने का मामला पिछले साल से मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक और बीएसए कार्यालय से लेकर स्वास्थ्य और प्रशासन के दफ्तरों में घूम रहा है लेकिन इस प्रकरण में ठोस कार्रवाई नहीं की गई। शिक्षिका वर्तमान में मझगवां ब्लॉक के एक प्राथमिक विद्यालय में तैनात है।

तीन तलाक पीड़िता नूरजहां बनीं पूनम धर्मपाल से किया विवाह

बरेली, अमृत विचार : तीन तलाक पीड़िता नूरजहां धर्म परिवर्तन कर पूनम बन गईं और प्रेमी धर्मपाल से विवाह कर लिया। शादी के बाद नूरजहां से बनीं पूनम ने परिवार से जान को खतरा बताया है। पुलिस से सुरक्षा की मांग की है। जिसका वीडियो वायरल हो रहा है। मूलरूप से लखीमपुर खीरी रहने वाली नूरजहां दिल्ली के मुंडेरा में किराए पर रहती हैं। वह वहां खिलौना फैक्ट्री में काम करती हैं। यहां उनकी मुलाकात शाही के गांव दुनका निवासी धर्मपाल से हुई, जो वहां फैक्ट्री में काम करते थे। धीरे-धीरे उनके बीच की दोस्ती प्यार में बदल गई। दोनों ने शादी करने का फैसला किया। नूरजहां ने धर्म परिवर्तन कर पूनम नाम रख लिया। शुक्रवार को सुभाषनगर क्षेत्र के एक मंदिर में दोनों ने शादी कर ली। पंडित केके शंखधार ने विवाह संपन्न कराया।

एसआरएमएस की टीम ने 370 रनों से जीता क्रिकेट मैच

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- न्यू जेनरेशन को बड़े अंतर से हराया

अमृत विचार: रविंद्रनाथ टैगोर अंडर-14 कप की शनिवार से कैंट स्थित रविंद्रनाथ टैगोर क्रिकेट ग्राउंड पर शुरुआत हुई। पहला मैच एसआरएमएस क्रिकेट अकादमी और न्यू जेनरेशन अकादमी के बीच खेला गया, जिसमें एसआरएम ने न्यू जेनरेशन को 370 रनों के बड़े अंतर से हराया।

न्यू जेनरेशन ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए एसआरएमएस की टीम ने निर्धारित 40 ओवर में 416 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। एसआरएमएस के लिए दिव्यांश दिवाकर ने 142 रनों की पारी खेली। रिजवान ने 88 और विरल भटनागर ने 73 रनों का योगदान दिया। न्यू जनरेशन की ओर से असद अंसारी ने सर्वाधिक तीन विकेट लिये। लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यू जेनरेशन की पूरी टीम 47 रनों पर आउट हो गई। टीम के लिए सलमान ने 16 रन और मो. आरिश ने 8 रनों का योगदान दिया। एसआरएमएस के लिए सुशांत ने शानदार गेंदबाजी करते हुए सर्वाधिक 4 विकेट, ईशान राठौर ने 3 विकेट, सोमवीर ने 2 विकेट अपने नाम किया। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिव्यांश गंगवार को और फाइटर ऑफ द मैच का पुरस्कार असद को दिया गया। अंपायरिंग अभिजीत तोमर और मनोज यादव ने की। टूर्नामेंट सचिव पंकज ने बताया कि सोमवार को न्यू जेनरेशन क्रिकेट अकादमी ओर रविंद्रनाथ टैगोर अकादमी के मध्य मैच खेला जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

बाबा साहेब के सपनों को साकार किया : केशव

अमृत विचार, लखनऊ : उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर उन्हें विनम्र व आत्मिक श्रद्धांजलि अर्पित की है। उप मुख्यमंत्री ने शनिवार को कालिदास मार्ग स्थित अपने कार्यालय पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि बाबा साहब के सपनों को केंद्र एवं प्रदेश, दोनों सरकारें मिलकर 'सबका साथ,सबका विकास,सबका विश्वास' के मूलमंत्र के साथ साकार किया जा रहा है। डबल इंजन सरकार द्वारा समाज के सभी वर्गों के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिसके द्वारा सभी गरीबों के हित के कार्य हो रहे हैं तथा चहुंमुखी विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी को बाबा साहेब के विचारों व आदर्शों का न केवल अनुकरण करना चाहिए, बल्कि आत्मसात भी करना चाहिए।

किसान पाठशालाओं में बढ़-चढ़कर लें हिस्सा

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि किसानों को कृषि क्षेत्र में हो रहे नवीन नवाचारों को अपनाकर कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करने और मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष ध्यान देना चाहिए। इसके लिए उन्होंने रबी सत्र 2025-26 के लिए आयोजित होने वाली किसान पाठशालाओं में किसानों से अधिकाधिक भागीदारी करने की अपील की है। कृषि मंत्री ने बताया कि विभाग द्वारा रबी सत्र 2025-26 के तहत ग्राम पंचायत स्तरीय गोष्ठियों एवं किसान पाठशालाओं के आयोजन के लिए समस्त जिला उप कृषि निदेशकों को निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद जिला स्तरीय ट्रेनर्स प्रशिक्षण 9 से 10 दिसंबर के बीच आयोजित किया जाएगा। ट्रेनर्स का मूल्यांकन 11 दिसंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा किया जाएगा। मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि ग्राम पंचायत स्तर पर दो दिवसीय किसान पाठशालाओं की शुरुआत 12 दिसंबर से 29 दिसंबर तक प्रतिदिन दोपहर में किया जाएगा। इसके लिए पैक्स सोसायटी, किसान कल्याण केंद्र, कृषि विज्ञान केंद्र एवं प्राथमिक विद्यालयों को प्राथमिकता दी जाएगी। प्रत्येक ग्राम पंचायत में 80 से 100 किसानों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। कार्यक्रम में प्रतियोगिताएं भी आयोजित होंगी, और विजेताओं को प्रति पाठशाला 500 रुपये की अनुमन्य धनराशि से जैव कीटनाशी, कवकनाशी एवं सब्जियों के बीज प्रदान किए जाएंगे।

45 हजार होमगार्ड जवानों की भर्ती जल्द : मुख्यमंत्री

उप्र. होमगार्ड के 63वें स्थापना दिवस पर कई घोषणाएं, थानों में बनेगा आरक्षित रूम व कैशलेस हेल्थ बीमा का प्रस्ताव मांगा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सेवा, अनुशासन और राष्ट्रहित होमगार्ड्स की पहचान : योगी

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि होमगार्डों के लिए सेवा, अनुशासन और राष्ट्रहित ही सर्वोच्च पहचान है। योगी ने थानों में होमगार्ड के आरक्षित रूम की घोषणा करते हुए कैशलेस हेल्थ बीमा की सुविधा देने के लिए प्रस्ताव भी मांगा।

मुख्यमंत्री योगी शनिवार को उत्तर प्रदेश होमगार्ड के 63वें स्थापना दिवस पर भव्य रैतिक परेड की सलामी लेने के बाद बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने बताया कि पुलिस बल में 2 लाख 19 हजार से अधिक कार्मिकों की भर्ती प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। वर्तमान में 45 हजार होमगार्ड जवानों की भर्ती प्रक्रिया भी आगे बढ़ रही है। इसमें प्राथमिकता यह है कि प्रत्येक जवान को उसके ही जनपद में नियुक्ति मिले। आपदा प्रबंधन की ट्रेनिंग लेकर फर्स्ट रिस्पॉन्स पर्सन के रूप में जवान राहत कार्यों में योगदान दे सकें। इस प्रक्रिया को पुलिस भर्ती व प्रोन्नति बोर्ड तेजी से आगे बढ़ा रहा है।

इन अधिकारियों को किया सम्मानित

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उप्र. होमगार्ड्स के स्थापना दिवस पर उन अधिकारियों-कर्मचारियों को सम्मानित किया, जिन्हें स्वतंत्रता दिवस 2024 पर महामहिम राष्ट्रपति द्वारा विशिष्ट व सराहनीय सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पदक दिया गया। इसमें विनय कुमार मिश्र, घनश्याम चतुर्वेदी, विनोद कुमार यादव, विवेक कुमार सिंह, पीयूष कांत, राजकुमार आजाद, संजय कुमार सिंह, वेदपाल सिंह, शिव कुमार वर्मा, कमलेश चंद गौतम, विजय विक्रम वर्मा, मो. अरशद हुसैन, कृपाल सिंह व महेश प्रसाद शामिल रहे।

उत्तर प्रदेश होमगार्ड के 63वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी।

उन्होंने जवानों की कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए घोषणा की कि प्रदेश के सभी थानों में होमगार्ड जवानों के लिए एक आरक्षित कमरा उपलब्ध कराया जाएगा, जहां वे यूनिफॉर्म और आवश्यक दस्तावेज सुरक्षित रख सकेंगे। उन्होंने विभाग को निर्देश दिया कि होमगार्ड जवानों के लिए आयुष्मान भारत की तरह कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा लागू करने का प्रस्ताव तैयार कर भेजें। सरकार इसे आगे बढ़ाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2024 में विशिष्ट सेवा के लिए 3 और सराहनीय सेवा के लिए 11 जवानों को राष्ट्रपति पदक मिला है। 2025 में भी 3 जवानों को सराहनीय सेवा पदक प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले होमगार्ड की उपेक्षा होती थी, लेकिन अब उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिल रहा है। योगी ने बताया कि विभाग होमगार्ड मित्र ऐप और वेबसाइट के माध्यम से कार्यों को डिजिटल और पारदर्शी बना रहा है। कोविड काल में श्रमिकों को सुरक्षित लाने में होमगार्ड की भूमिका को याद करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी निष्ठा अमूल्य है। सरकार द्वारा अब तक 2871 दिवंगत जवानों के परिवारों को 143 करोड़ रुपये से अधिक की अनुग्रह राशि दी गई है। उन्होंने कहा कि दैनिक व प्रशिक्षण भत्तों में वृद्धि की गई है। अंतर-जनपदीय भत्ते को चार गुना किया गया है। 44 कार्यालय अपने भवनों में संचालित हो रहे हैं, जबकि कई नए भवनों और आवासीय परिसरों का निर्माण जारी है। दुर्घटना में दिवंगत जवानों के आश्रितों को 35-40 लाख रुपये तक की बीमा सहायता भी उपलब्ध कराई जा रही है।

कार्यक्रम में मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, मंत्री धर्मवीर प्रजापति, प्रमुख सचिव राजेश कुमार सिंह, महानिदेशक एमके बशाल सहित पुलिस और होमगार्ड के अधिकारी व जवान उपस्थित रहे।

तीन और सचिवालय अधिकारी कार्यमुक्त

अमृत विचार, लखनऊ : सचिवालय प्रशासन विभाग ने तबादला आदेश का पालन न करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखते हुए सचिवालय सेवा के तीन और अधिकारियों को स्वतः कार्यमुक्त कर दिया। ये अधिकारी तबादला आदेश जारी होने के बावजूद अपने नए तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण नहीं कर रहे थे।

- तबादला आदेश न मानने वालों पर सचिवालय प्रशासन विभाग की सख्ती

विभाग ने तीन दिसंबर को भी इसी आधार पर 11 अधिकारियों को कार्यमुक्त किया था। इस तरह तीन दिनों में कुल 14 अधिकारियों पर कार्रवाई की जा चुकी है। विभाग की लगातार सख्त कार्रवाई साफ संकेत देती है कि शासन तबादला आदेशों की अवहेलना को किसी भी रूप में बर्दाश्त नहीं करेगा। सचिवालय प्रशासन विभाग ने नियमों के अनुसार उनकी पुरानी तैनाती समाप्त कर दी। इस कार्रवाई के बाद सचिवालय सेवा में सक्रियता बढ़ने और लंबित तबादलों के अनुपालन की गति तेज होने की संभावना है।

बहुजन समाज के 'अच्छे दिन' कब आएंगे : मायावती

बसपा प्रमुख मायावती ने डॉ. आंबेडकर को परिनिर्वाण दिवस पर दी श्रद्धांजलि

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : बसपा प्रमुख मायावती ने भारतरत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने अपरोक्ष रूप से केंद्र सरकार से सवाल करते हुए कहा कि संविधान के मानवतावादी और कल्याणकारी उद्देश्यों के अनुरूप बहुजन समाज के आत्म-सम्मान और स्वाभिमान वाले "अच्छे दिन" कब आएंगे।

बसपा प्रमुख ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि अब तक बहुजन समाज को वह सम्मान नहीं मिल सका, जिसकी अपेक्षा थी। यही कारण है कि देश का बहुजन समाज शासक वर्ग बनने के लिए संघर्षरत है, जबकि उन्हें रोकने के लिए लगातार हर प्रकार के हथकंडे और साजिशें की जा रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि बसपा इन चुनौतियों का डटकर मुकाबला करती रहेगी।

लखनऊ : अंबेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते बसपा प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल, साथ में अन्य पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता। अमृत विचार

रुपये के भारी अवमूल्यन की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए मायावती ने कहा कि यह मामला केवल आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक और देशहित से जुड़ा बड़ा मुद्दा है। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि आर्थिक सलाहकारों पर निर्भर रहने के बजाय इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए इसके समाधान के ठोस और प्रभावी कदम उठाए जाएं। उन्होंने देशभर में डॉ. आंबेडकर के अनुयायियों द्वारा दी गई श्रद्धांजलि के लिए विशेष रूप से उत्तर प्रदेश के लोगों का आभार व्यक्त किया। साथ ही कहा कि देश के करोड़ों दलित, शोषित, पीड़ित बहुजन समाज के लिए बाबा साहेब सदैव प्रेरणा स्रोत रहेंगे।

गंगा एक्सप्रेस-वे का जनवरी में लोकार्पण कर सकते पीएम मोदी

मेरठ से प्रयागराज का सफर सिर्फ 6 घंटे में होगा तय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : गंगा एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनवरी माह में कर सकते हैं। प्रदेश की सबसे लंबी हाई-स्पीड सड़क परियोजना अपने निर्माण के अंतिम चरण में पहुंच चुकी है।

594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेस-वे मेरठ से प्रयागराज की यात्रा को न सिर्फ सुगम बनाएगा, बल्कि समय भी लगभग आधा कर देगा। परियोजना के पूरी तरह तैयार होने के बाद यात्रियों को मेरठ से प्रयागराज की दूरी केवल 6 घंटे में तय करने की सुविधा मिलेगी। सरकारी सूत्रों के अनुसार, गंगा एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनवरी माह में कर सकते हैं। राज्य सरकार इसे यूपी के बुनियादी ढांचा विकास के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि मान रही है। छह लेन वाले इस एक्सप्रेस-वे का भविष्य में आठ लेन तक विस्तार संभव है। यह मार्ग मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अलीगढ़, कासगंज, शाहजहांपुर, हरदोई से होता हुआ प्रयागराज तक पहुंचेगा।

एक्सप्रेस-वे के शुरू होने से प्रदेश में कनेक्टिविटी का नया युग प्रारंभ होगा। तेज गति से यात्रा करने की सुविधा मिलने से न सिर्फ लोगों की आवाजाही आसान होगी, बल्कि माल ढुलाई, औद्योगिक गतिविधियों और व्यापार पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। सरकार का अनुमान है कि सड़क परिवहन की सुविधा बेहतर होने से निवेश बढ़ेगा और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

परियोजना धार्मिक और पर्यटन दृष्टि से भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। प्रयागराज, काशी और मेरठ जैसे प्रमुख शहरों की पहुंच आसान होने से तीर्थ यात्रियों और पर्यटकों की संख्या में इजाफा होने की संभावना है। गंगा एक्सप्रेस-वे उत्तर प्रदेश में पूर्व से पश्चिम तक तेज, सुरक्षित और सीधे संपर्क का सबसे महत्वपूर्ण मार्ग बनने जा रहा है। सरकार का दावा है कि इस परियोजना से आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

लखनऊ : कांग्रेस प्रदेश कार्यालय पर डॉ. भीमराव आंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते पार्टी नेता प्रमोद तिवारी, विधायक आराधना मिश्रा, सांसद तनुज पुनिया व अन्य।

बीएलए का सहयोग लें बीएलओ : रिणवा

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि बीएलओ को चिन्हित अनुपस्थित, शिफ्टेड तथा मृत मतदाताओं का एक बार पुनः अपने स्तर पर गहन जांच करने के निर्देश दिए गए हैं, साथ ही इस कार्य में राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बीएलए का पूर्ण सहयोग लेने को भी कहा गया है। शनिवार को उन्होंने अपील की है कि राजनीतिक दल भी बूथों पर नियुक्त बीएलए को अपने स्तर से सहयोग करने के लिए निर्देशित करें, जिससे प्रदेश की आलेख्य मतदाता सूची में पात्र मतदाताओं के नाम दर्ज हो सकें। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि अब तक प्रदेश में 34 विधानसभा क्षेत्रों में तथा 91,441 बूथों पर शत प्रतिशत कार्य बीएलओ द्वारा पूर्ण कर लिया गया है।

संविधान बचाने को आंदोलन की जरूरत : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि लोकतंत्र के लिए सबसे दुखद बात ये है कि संसद में संविधान को बचाने पर बहस हो रही है,जबकि संविधान के हिसाब से देश को आगे बढ़ाने की चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संविधान को बचाने के लिए एक और करो या मरो आंदोलन की जरूरत है। सपा प्रमुख ने शनिवार को परिनिर्वाण दिवस पर डॉ.भीमराव आंबेडकर को याद करते हुए जारी बयान में कहा कि जो संविधान को कमजोर करना चाहते हैं, वो लोकतंत्र को कमजोर करना चाहते हैं।

सपा मुख्यालय में डॉ.आंबेडकर को अर्पित किए गए श्रद्धासुमन : संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर शनिवार को पार्टी मुख्यालय सहित सभी जिला कार्यालयों में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। राज्य मुख्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की ओर से पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। हजरतगंज स्थित डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।

लखनऊ : डॉ. भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर अटल चौराहे पर स्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि देने पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचे सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल। अमृत विचार

आईएएस कामिनी रतन को राज्य कर विभाग की कमान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

कामिनी चौहान रतन

अमृत विचार: केंद्र प्रतिनियुक्ति से यूपी लौटने के बाद वरिष्ठ आईएएस अधिकारी कामिनी चौहान रतन को राज्य सरकार ने प्रमुख सचिव, राज्य कर के पद पर तैनाती दे दी है। 1997 बैच की अधिकारी कामिनी रतन चौहान ने एम. देवराज से पदभार ग्रहण कर लिया है। अब एम. देवराज केवल नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग संभालेंगे।

कामिनी चौहान रतन यूपी की प्रशासनिक सेवाओं में तेज-तर्रार, और साफ-सुथरी छवि के लिए जानी जाती हैं। मेरठ की पहली महिला डीएम रह चुकीं कामिनी केंद्र सरकार में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार के पद पर महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभा चुकी हैं। राज्य कर विभाग में उनकी तैनाती ऐसे समय हुई है, जब हाल ही में अधिकारियों-कर्मचारियों की अनियमितता, जीएसटी रिफंड और असेसमेंट में लापरवाही से जुड़े कई मामले उजागर हुए हैं। एम. देवराज के कार्यकाल में कई बार अधिकारियों ने उन पर कड़े रुख और दबाव बनाने की शिकायतें भी दर्ज कराई थीं। ऐसे में नई प्रमुख सचिव के सामने सिस्टम को पारदर्शी और जवाबदेह बनाना बड़ी चुनौती होगी।

अपहरण करने आए बदमाशों से हुई मुठभेड़, एक घायल, तीन गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- देवरिया के सलेमपुर महदहां पुल के पास एसटीएफ से मुठभेड़ दोनों तरफ से की गई फायरिंग

अमृत विचार : देवरिया के सलेमपुर महदहां पुल के पास एसटीएफ और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। दोनों तरफ की फायरिंग में एक बदमाश घायल हो गया, जबकि उसके दो साथी दबोच लिए गए। इस दौरान चार अन्य बदमाश कार से फरार होने में सफल रहे। आरोपी सलेमपुर कस्बे के तीन व्यापारियों के अपहरण की योजना बना रहे थे। घायल बदमाश हिमांशु यादव मऊ का रहने वाला है, जबकि उसके साथियों में एक देवरिया और दूसरा मऊ का निवासी है।

एसटीएफ के डिप्टी एसपी डीके शाही ने बताया कि मऊ जिले का कुख्यात बदमाश हिमांशु यादव उर्फ गोविंद यादव देवरिया, कुशीनगर, मऊ और गाजीपुर में लूट समेत कई बड़ी वारदातों में शामिल रहा है। गिरोह ने राजस्थान में भी बड़ी लूट की थी। यह गिरोह बड़े व्यापारियों का अपहरण कर उन्हें नेपाल ले जाकर फिरौती वसूलता है। डिप्टी एसपी के अनुसार, गिरोह ने हाल ही में ईंट भट्ठा मालिक राजकमल तिवारी, उनके भाई युवराज तिवारी और होटल व्यापारी चुन्नू तिवारी का अपहरण कर फिरौती मांगने की योजना बनाई थी।

एसटीएफ के डिप्टी एसपी धर्मेश शाही ने बताया कि शुक्रवार की रात गिरोह के सलेमपुर कस्बे में आने की सूचना मिलने पर एसटीएफ ने घेराबंदी की थी। आधी रात को महदहां चौराहे पर बुलेट और कार सवार संदिग्ध दिखाई दिए। पुलिस को देख हिमांशु यादव ने दोनों हाथों से फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में हिमांशु के पैर में गोली लगी और वह गिर पड़ा। मौके पर मऊ निवासी मंजीत यादव और महुआडीह क्षेत्र के बरांव निवासी नीतेश यादव भी थे। तीनों को पुलिस ने पकड़ लिया, जबकि कार सवार चार बदमाश फरार हो गए।

फर्जीवाड़ा | तीन वर्ष में सात मदरसों में सिर्फ एक की मान्यता हुई रद्द, बाकी पा रहे सरकारी अनुदान

मानकविहीन मदरसों पर पूर्व रजिस्ट्रार की रही विशेष कृपा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 35 मदरसों ने ग्राम पंचायतों की जमीन पर कब्जा कर बनवा लिया भवन

अमृत विचार : मानकविहीन मदरसों पर पूर्व रजिस्ट्रार की विशेष कृपा रही है। शासन ने मार्च 2022 में प्रदेश के सात मदरसों के मानक पूरे न होने के कारण अनुदान वापस लेने की संस्तुति की थी। आदेश के डेढ़ वर्ष बाद मदरसा बोर्ड ने सिर्फ एक के खिलाफ कार्रवाई की। वहीं बचे हुए छह मदरसों को करोड़ों रुपये का सरकारी अनुदान दिया जा रहा है। बोर्ड ने सिर्फ संतकबीरनगर के दारुल उलूम अहले सुन्नत फैजुल इस्लाम नाम के मदरसे की मान्यता निलंबित की है। जांच में सामने आया कि 35 मदरसे ऐसे हैं, जिन्होंने ग्राम पंचायत की सरकारी जमीनों पर कब्जा कर भवन बनवा लिये। वहीं, कुछ के मानक अधूरे हैं। कार्रवाई के लिए तीन बार का समय भी दिया गया था। कुछ दिन बाद 25 मदरसों ने मानक पूरा होने का लिखित शपथ पत्र दिया।

प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद मदरसों की जांच का आदेश दिया गया। वर्ष 2017 में प्रदेश के ऐसे सभी अनुदानित मदरसे जो सरकारी फंड पा रहे थे। शासन द्वारा उनके मानक को जांचने के निर्देश सभी जिलों में जिलाधिकारियों को भेजे गए। लगभग आठ महीने में जिलों से रिपोर्ट आई। जांच में सामने आया कि पूरे प्रदेश में लगभग 35 मदरसे ऐसे हैं, जो या तो ग्राम पंचायत की सरकारी जमीनों को कब्जा करके बनाए गए हैं। कुछ मदरसा मानक को पूरा ही नहीं करते हैं। शासन द्वारा इन सभी मदरसों को मानक पूरा करने के लिए उन्हें तीन बार का समय भी दिया गया। कुछ समय बीतने के बाद लगभग 25 मदरसों ने मानक पूरा होने का लिखित शपथ पत्र दिया। सरकार ने इन शपथ पत्रों के आधार पर संबंधित मंडलों के मंडलायुक्तों से दोबारा जांच कराने का निर्णय लिया। वर्ष 2021 में सभी मंडलायुक्तों की ओर से जांच रिपोर्ट शासन को भेज दी गई, जिसमें सात मदरसे मानकविहीन पाए गए। जिसमें से कुछ सरकारी जमीनों पर कई साल से अवैध कब्जा करके चला रहे थे। इन मंडलों के मंडलयुक्तों ने प्रदेश के कुल सात मदरसों की मान्यता समाप्त करने की संस्तुति की।

मदरसों को दी गई खुली छूट

मंडलायुक्तों की रिपोर्ट के आधार पर शासन ने 25 मार्च, 2022 को सात अनुदानित मदरसों की मान्यता समाप्त करने का लिखित आदेश जारी किया गया। इस आदेश का अनुपालन कराने के लिए तत्कालीन रजिस्ट्रार मदरसा बोर्ड ने सभी सातों मदरसों को नोटिस जारी की। मदरसा बोर्ड नोटिस जारी होते ही इन मदरसों में हड़कंप मच गया। मदरसा माफिया नोटिस को दबवाने के लिए सक्रिय हो गए। इन सात मदरसों में दो मदरसे तो प्रयागराज से थे। जिसकी नोटिस वहां के तत्कालीन उपनिदेशक जगमोहन सिंह बिष्ट के माध्यम से तामील कराई गई थी। सूत्रों की मानें तो इन मदरसों ने मिलकर प्रयागराज में इन्हीं सात मदरसों में से एक मदरसे रहमते निस्वां, अकबरपुर प्रयागराज के प्रबंधक के घर पर बैठक की। जिसमें खुद पूर्व रजिस्ट्रार मौजूद थे। इसी गिरोह ने उपनिदेशक जगमोहन बिष्ट को मदरसा बोर्ड का रजिस्ट्रार बनवाने का ठेका लिया। एक आईएएस की मदद से रजिस्ट्रार के पद पर आसीन कराया। इसके बाद इन मदरसों को खुली छूट मिल गई। साथ ही सरकार की तरफ दिये जाने वाला करोड़ों रुपये का अनुदान खुलेआम दिये जाने लगा। इन मदरसों से मानक के बारे में कोई सवाल-जवाब नहीं किया गया। करीब एक वर्ष तक इस मामले को पूर्व रजिस्ट्रार ने दबाये रखा।

तस्बीह फिरी पर दिल न फिरेया
लैना की तस्बीह हाथ फेर के

बाबा बुल्लेशाह कहते हैं, तुम तस्बीह यानी माला के इर्द-गिर्द गए, लेकिन अपने दिल में कभी नहीं गए। जपने वाली तस्बीह को हाथ में रखकर फिर तुम्हें क्या हासिल हुआ।

बाबा साहब आंबेडकर और आर्य आक्रमण का झूठ

संप्रति राष्ट्र डॉ. आंबेडकर का परिनिर्वाण दिवस मना रहा है। उनके विचार और दर्शन पर तमाम आयोजन हो रहे हैं। डॉ. बीआर आंबेडकर वास्तव में भारत रत्न हैं। प्रख्यात् मनीषी, संविधान सर्जक व श्रद्धेय राष्ट्रनिर्माता। वे अद्वितीय थे, प्रेरक थे और अजर-अमर थे। उन्होंने भारतीय सार्वजनिक जीवन में हस्तक्षेप किया। उनके विचार आधुनिक राजनीति को भी लगातार प्रभावित कर रहे हैं। वे अपने जीवनकाल से ज्यादा आधुनिक काल में भी प्रभावी हैं। वर्तमान जैसे विद्यमान श्रीमान हैं। प्रखर राष्ट्रवादी हैं। डॉ. आंबेडकर अपने समकालीन विद्वानों, राजनेताओं के मध्य श्रेष्ठ बुद्धिजीवी थे। राष्ट्रनिष्ठ और बहुपठित थे।

> डॉ. आंबेडकर ने रंग (वर्ण) भेद के आधार पर आर्यों और शूद्रों को अलग बताने वाली स्थापना को भी गलत बताया। उन्होंने ऋग्वेद के तमाम उद्धरण दिए और लिखा, 'आर्य गौर वर्ण के थे और श्याम वर्ण के भी थे। अश्विनी देवों ने श्याव और रूक्षती का विवाह करवाया। श्याव श्याम वर्ण है, रूक्षती गौर वर्ण है।' डॉ. आंबेडकर की स्थापना है, 'इन उद्धरणों से ज्ञात होता है कि वैदिक आर्यों में रंगभेद की भावना नहीं थी। ऋग्वेद के एक ऋषि दीर्घ तमस् हैं, वे श्याम वर्ण के और कण्व भी श्याम वर्ण के थे।'

वे भारतीय समाज संरचना के तर्कनिष्ठ आलोचक थे। उन्होंने ऋग्वेद सहित संपूर्ण प्राचीन भारतीय वांगमय पढ़ा। उपनिषद पुराण और स्मृति ग्रंथ भी उनके प्रिय विषय रहे। उन्होंने प्राचीन इतिहास का गहन अध्ययन किया। शूद्रों को अलग नस्ल बताने वाली नेतागिरी का प्रतिकार किया। मार्क्सवाद पढ़ा और भारतीय परिस्थितियों खासतौर से दलितों के लिए अनुपयोगी बताया। उन्होंने बहुचर्चित 'आर्य आक्रमण के सिद्धांत' का प्रतिकार किया।

राजनीति ने 'जाति और शूद्र' को भारतीय इतिहास का प्राचीन तत्व बनाया है। ब्रिटिश विद्वान व जातिवादी राजनीति का एक बड़ा धड़ा आर्यों को विदेशी हमलावर और शूद्रों को पराजित नस्ल बताता रहा है। डॉ. आंबेडकर ने लिखा, 'यह धारणा गलत है कि आर्य आक्रमणकारियों ने शूद्रों को जीता। पहली बात तो यह कि आर्य भारत में बाहर से आए थे और उन्होंने यहां के मूल निवासियों पर आक्रमण किया, इस कहानी के समर्थन के लिए कोई भी प्रमाण नहीं है। भारत ही आर्यों का मूल निवास स्थान था, यह सिद्ध करने के लिए प्रमाण-सामग्री काफी बड़े परिमाण में हैं। आर्यों और दस्युओं में युद्ध हुआ, यह साबित करने के लिए कोई प्रमाण नहीं है। फिर दस्युओं का शूद्रों से कुछ लेना-देना नहीं है।' (डॉ. बाबा साहब आंबेडकर राइटिंग्स एंड स्पीचेज खंड 7 पृष्ठ 420) आर्यों को विदेशी मानने का झूठ अभी भी जारी है।

डॉ. आंबेडकर की पुस्तक 'हू वेयर शूद्राज' (शूद्र कौन थे?) (1946) पठनीय है। उन्होंने एक विद्वान अधिवक्ता की तरह पहले पाश्चात्य विद्वानों के विचार दिए हैं। उन स्थापनाओं को तर्क सहित गलत बताया है। उन्होंने ऐसे विद्वानों की 7 मुख्य स्थापनाएं बनाईं- 1. जिन लोगों ने वैदिक साहित्य रचा था, वे आर्य नस्ल के थे। 2. आर्य नस्ल बाहर से आई थी और उसने भारत पर आक्रमण किया था। 3. भारत के निवासी दास और दस्यु रूप में जाने जाते थे और ये आर्यों से नस्ल के विचार से भिन्न थे। 4. आर्य श्वेत नस्ल के थे, दास और दस्यु काली नस्ल के थे। 5. आर्यों ने दासों और दस्युओं पर विजय प्राप्त की। 6. दास और दस्यु विजित होने के बाद दास बना लिए गए और शूद्र कहलाए। 7. आर्यों में रंगभेद की भावना थी, इसलिए उन्होंने चातुर्वर्ण्य का निर्माण किया।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश

इसके द्वारा उन्होंने श्वेत नस्ल को काली नस्ल से, यथा दासों और दस्युओं से अलग किया। (वहीं, खंड 7, पृष्ठ 65) इसके बाद सातों विचार बिंदुओं की सभी स्थापनाओं को गलत बताया। ऋग्वेद के उद्धरण दिए और लिखा 'इन (शब्दों) के प्रयोग देखने से निष्कर्ष यह निकलता है कि ये शब्द नस्ल के अर्थ में कहीं भी प्रयुक्त नहीं हुए' (वही पृष्ठ 70) वे आर्यों को विदेशी बताने का तर्क काटते हैं, 'जहां तक वैदिक साहित्य का संबंध है, वह इस सिद्धांत के प्रतिकूल है कि आर्यों का मूल निवास भारत से कहीं बाहर था।' (वही) आर्य विदेशी होते तो भारतीय नदियों को माता कहकर प्रणाम न करते। आर्य हम सबके पूर्वज थे। डॉ. आंबेडकर ने रंग (वर्ण) भेद के आधार पर आर्यों और शूद्रों को अलग बताने वाली स्थापना को भी गलत बताया। उन्होंने ऋग्वेद के तमाम उद्धरण दिए और लिखा, 'आर्य गौर वर्ण के थे और श्याम वर्ण के भी थे। अश्विनी देवों ने श्याव और रूक्षती का विवाह करवाया। श्याव श्याम वर्ण है, रूक्षती गौर वर्ण है।' डॉ. आंबेडकर की स्थापना है, 'इन उद्धरणों से ज्ञात होता है कि वैदिक आर्यों में रंगभेद की भावना नहीं थी। ऋग्वेद के एक ऋषि दीर्घ तमस् हैं, वे श्याम वर्ण के और कण्व भी श्याम वर्ण के थे।' आर्यों के दोनों अवतारी पुरुष श्रीराम और श्रीकृष्ण सांवले थे। महाभारत के प्रतिष्ठित योद्धा अर्जुन भी श्याम रंग के थे। समूचा आर्य समाज एक था। हिंदू प्राचीन आर्य समाज की संज्ञा है।

डॉ. आंबेडकर ने लिखा, 'हिंदुओं से अछूतों को अलग करने की मांग पर मुसलमानों ने जोर दिया था। 27 जनवरी 1910 को उन्होंने सरकार के सामने एक आवेदन प्रस्तुत किया था। उनका दावा था कि देश की राजनीतिक संस्थाओं में उनके प्रतिनिधित्व का अनुपात सभी हिंदुओं की संख्या के अनुसार निश्चित न किया जाना चाहिए, वरन् सवर्ण हिंदुओं की संख्या के अनुरूप ही निश्चित होना चाहिए। उनका कहना था कि अछूत हिंदू नहीं हैं।' (बाबा साहब राइटिंग्स एंड स्पीचेस, खंड 5 पृष्ठ 7) लिखा, '1909 में मुसलमानों की ओर से आगा खां ने वायसराय मिंटो के सामने आवेदन पेश किया था- राजनीतिक संस्थाओं और सार्वजनिक सेवाओं में मुसलमानों को पृथक् और पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। 1901 में जो मर्दुमशुमारी हुई थी, उसमें मुसलमान कुल आबादी का चौथाई या पांचवां हिस्सा थे। यदि हिंदू समुदाय से अस्पर्श्य अंगों को निकाल दिया जाए, जो प्रकृति पूजक हैं या छोटे-मोटे धर्म मानने वालें हैं, वे निकाल दिए जाएं, तो बहुसंख्यक हिंदुओं के मुकाबले मुसलमानों की संख्या का अनुपात पहले से बढ़ जाता है।' (खंड 7, पृष्ठ 311-12)

ऋग्वेद में कहीं भी चार वर्ण नहीं है। शब्द ब्राह्मण का भी वर्ण के अर्थ में प्रयोग नहीं हुआ। डॉ. रामविलास शर्मा ने लिखा (भारतीय संस्कृति और हिंदी प्रदेष, पृष्ठ 53) है, 'ऋग्वेद में ब्रह्मन् शब्द बहुत बार आया है। इसका अर्थ ब्राह्मण वर्ण नहीं है। ब्रह्मन् की तरह अनेक बार ब्रह्मा का भी प्रयोग हुआ है। इसका मूल अर्थ प्रषस्तिपरक काव्य है। कवि इंद्र से कहता है, हम तेरे लिए अभूतपूर्व स्तोत्र कहते हैं। (8.90.3) ब्रह्मन् की तरह ब्रह्मा भी कवि, गायक, स्तोता हैं। वशिष्ठ इसी अर्थ में ब्रह्मन् हैं। (8.90.3) इंद्र वशिष्ठ से कहते हैं- हे वशिष्ठ, ब्राह्मन्, तू उर्वषी के मन से उत्पन्न हुआ है। (7.33.11) इन तमाम संदर्भों में स्तुति और स्तोत्र की चर्चा है। ब्राह्मणाम् का अर्थ ब्राह्मण जाति या वर्ण नहीं, कवि, ब्रह्मकार गायक है।'

राष्ट्र सर्वोपरि आस्था है। डॉ. आंबेडकर ने लिखा, 'भारत एक भौगोलिक इकाई है। इस इकाई का निर्माण प्रकृति ने किया है। यह सही है कि भारतवासी आपस में झगड़ते रहते हैं, परंतु इन झगड़ों से उस एकता का नाश नहीं हो सकता, जो प्रकृति के समान ही सनातन है। भौगोलिक एकता के साथ ही यहां सांस्कृतिक एकता भी है।' डॉ. आंबेडकर के निष्कर्ष रोमांचकारी हैं। भारत प्रकृति निर्मित राष्ट्र है। राष्ट्र की सांस्कृतिक एकता प्रकृति के समान सनातन है। संविधान निर्माण के आखिरी दिन (25.11.1949) उन्होंने भावुक भाषण दिया। अंत में कहा, 'यहां मैं अपना भाषण खत्म कर देता, किंतु मेरा मस्तिष्क देश की भविष्य चिंता से परिपूर्ण है। क्या भारत अपनी स्वतंत्रता बनाए रखने में कामयाब होगा? जाति और मत-मतांतर राजनीतिक पक्ष बन रहे हैं। क्या भारतीय मत-मतांतरों को राष्ट्र से श्रेष्ठ मानेंगे या राष्ट्र के मत मतांतरों से ऊपर?' डॉ. आंबेडकर की आस्था का केंद्र राष्ट्र था। हम सबको अपने भारत रत्न पर गर्व है।

सत्ता, सियासत व सनातन

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हिंदुत्व का एक ऐसा प्रखर चेहरा बन चुके हैं कि अब इनका कोई विकल्प नजर नहीं आता। यूपी के मुख्यमंत्री के प्रशंसकों की धारणा है कि योगी जैसा कोई नहीं। यदि पूरे देश की सत्ता और सियासत भी धार्मिक, आध्यात्मिक और सनातन रंग में रंग जाए पर हिंदुत्व का सबसे बड़ा चेहरा योगी आदित्यनाथ ही बने रहेंगे। पवित्र भगवा का ओज, प्रताप, वैभव और सम्मान योगी ने इतना बढ़ा दिया है कि साधुओं और भगवाधारियों के कदम सत्ता और सियासत को फलने-फूलने का मार्ग प्रशस्त करने लगे हैं। यूपी के अगले भाजपा अध्यक्ष की दस्तक यही बता रही है।

यदि किसी राज्य का मुख्यमंत्री एक योगी हो और पार्टी अध्यक्ष साधु तब समझ लीजिए कि सनातन के बिना न अब सत्ता चल सकती है और न ही सियासत, क्योंकि लोकतंत्र नंबर गेम पर आधारित है और कौन बहुसंख्यक नहीं चाहेगा कि सांस्कृतिक विकास की धारा, राष्ट्रवादी फिजाएं, श्रीराम की भक्ति और भगवा के साए में उसका देश, समाज, परिवार और जीवन खुशहाल रहे!

नवेद शिकोह
वरिष्ठ पत्रकार

धर्म और आध्यात्म की दुनिया में भी कुछ लाइंस पंचलाइन बन जाती हैं। जैसे- 'सबका मालिक एक है'। इसी तरह अब हिंदुत्व की रक्षा-सुरक्षा और सम्मान के पैरोकारों को लगने लगा है कि देश-दुनिया में हिंदुत्व का चेहरा तो सिर्फ एक ही है। वो चेहरा है उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का। देश भर में योगी का विकल्प कोई नहीं। हां, ये जरूर है कि अब धर्म से लेकर सत्ता और सियासत में भगवा के भाव बढ़ रहे हैं, सम्मान और स्वीकृति भी खूब बढ़ने लगी है।

यदि साध्वी निरंजन ज्योति को भाजपा उत्तर प्रदेश का अध्यक्ष बनाती है, तो इसके निहितार्थ यही हैं कि आने वाले समय में पार्टी अपने पुराने हिंदुत्व के एजेंडे को नई धार देने जा रही है। 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव में भाजपा के एजेंडे के रथ का इंजन भले ही विकास हो, पर सनातनियों की रक्षा-सुरक्षा और हिंदुत्व के सम्मान के पहियों से इस रथ को दौड़ाया जाएगा। अखिलेश यादव के पीडीए वर्सेज योगी आदित्यनाथ के हिंदुत्व की लड़ाई नजर आने लगी है। सनातनियों की रक्षा-सुरक्षा के लिए यूपी से घुसपैठियों को खदेड़ने का सिलसिला तेज हो या एक साध्वी को सम्मान मिले, ये सारे संकेत बता रहे हैं और भाजपा की रणनीति भी साफ दिख रही है।

> किसी राज्य का मुख्यमंत्री एक योगी हो और पार्टी अध्यक्ष साधु, तब समझ लीजिए कि सनातन के बिना न अब सत्ता चल सकती है और न सियासत। कौन बहुसंख्यक नहीं चाहेगा कि भगवा के साए में उसका देश, समाज, परिवार और जीवन खुशहाल रहे!

कभी सवर्णों की पार्टी कहे जाने वाली भाजपा को सफलता के शीर्ष पर पहुंचाने वालों में दलितों और पिछड़ी जातियों के आलावा महिला वर्ग का भी बड़ा श्रेय जाता है। पिछड़ों और महिलाओं के इस विश्वास को आगे जारी रखने और 2027 का यूपी विधानसभा चुनाव जीतने के लिए ही भाजपा ने एक तीर से तीन निशाने लगाए हैं। साध्वी निरंजन ज्योति को प्रदेश अध्यक्ष पद ना सिर्फ हिंदुत्व की धार मजबूत करेगा, बल्कि पिछड़ो को साधने और महिला सम्मान का प्रदर्शन करने में भी भाजपा राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश करेगी।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद इन चर्चाओं को बल मिल गया कि भाजपा के यूपी अध्यक्ष का इंतजार अब खत्म हो गया। वह यूपी की फतेहपुर से पूर्व सांसद और मंत्री रही हैं। निषाद-जाति परिवार की साध्वी को प्रदेश अध्यक्ष बनाने के राजनीतिक निहितार्थ को नजरंदाज नहीं किया जा सकता है।

धर्म शब्द के हैं व्यापक अर्थ

पाणिनि कृत संस्कृत व्याकरण के अनुसार धृ धारणे धातु में मन् प्रत्यय के योग से धर्म शब्द की सिद्धि होती है, जिसका अर्थ है संभालना, संरक्षित करना, स्थिर बनाए रखना आदि। धारयति इति धर्मः जो धारण करे वही धर्म है। 'धर्म' शब्द भारतीय चिंतन का अत्यंत गहन और बहुआयामी तत्व है। यह केवल किसी विशेष पूजा-पद्धति, संप्रदाय या परंपरा तक सीमित नहीं है, बल्कि संपूर्ण मानव जीवन, समाज और विश्व-व्यवस्था को धारण करने वाला मूल तत्त्व है। इस प्रकार धर्म वह शक्ति है जो जीवन, समाज और सृष्टि के संतुलन को बनाए रखे।

जीवन, समाज, राष्ट्र, विश्व के कल्याण के लिए आचरणीय धारणीय कर्म भाव ही धर्म है। इस दृष्टि से धर्म किसी विशेष अनुष्ठान, पूजापाठ पद्धति का नाम नहीं बल्कि वह सिद्धांत है, जो व्यक्ति एवं समाज में व्यवस्था और स्थिरता प्रदान करे और परस्पर मानवों में मैत्री, करुणा, दया, प्रेम, सत्य, अहिंसा, क्षमा, न्याय, संयम, सहानुभूति आदि जो समाज को स्थिर रखते हैं। जिस प्रकार अग्नि का ताप, जल की शीतलता, वृक्ष का फल देना- यह सब उनका स्वाभाविक धर्म है, उसी प्रकार सत्य, करुणा, अहिंसा, न्याय, प्रेम, सदाचरण और कर्तव्य पालन मनुष्य का धर्म है। इन गुणों से हीन व्यक्ति मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे, चर्च आदि में जाकर या किसी पूजा अनुष्ठानादि कार्यक्रम को आचरित करते हुए स्वयं को धार्मिक कहे, तो यह धर्म शब्द की व्यापक व्याख्या के प्रतिकूल ही है।भारतीय मीमांसा परंपरा धर्म को इस प्रकार परिभाषित करती है-'यतोऽभ्युदयनिःश्रेयससाधनं सः धर्मः'

डॉ. हेमंत कुमार जोशी
लेखक, नैनीताल

अर्थात् धर्म वह है जो लोककल्याण और आत्मकल्याण दोनों का साधन बने।

धर्म सामाजिक जीवन को दिशा देने वाले नैतिक सिद्धांतों का समुच्चय है। सत्य, अहिंसा, दया, संयम, सहिष्णुता, सत्यनिष्ठता, परस्पर सम्मान, समरसता और न्याय ये सभी धर्म के अभिन्न अंग हैं। समाज के सुचारु संचालन के लिए आवश्यक आचार-विचार और व्यवहार धर्म के अंतर्गत आते हैं। यदि समाज में धर्म के मूल्य समाप्त हो जाएं तो अराजकता, हिंसा, अन्याय और अव्यवस्थाएं पैदा हो जाती हैं।

धर्म व्यक्ति के नैतिक आचरण का मार्गदर्शन भी करता है। प्रत्येक व्यक्ति के लिए उसके स्वभाव, कर्तव्य, स्थिति और उत्तरदायित्व के अनुरूप एक विशिष्ट 'स्वधर्म' होता है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान् कृष्ण ने स्पष्ट कहा है कि अपने स्वभावानुकूल कर्तव्य का पालन करना ही धर्म का सर्वोच्च रूप है। धर्म का वास्तविक पालन बाह्य प्रदर्शन से नहीं होता, अपितु आंतरिक निष्ठा, पवित्रता, सत्यनिष्ठता और सच्चरित्र से होता है तथा अपने मूल कर्तव्य कर्म के प्रति पूर्ण समर्पण एवं श्रद्धा से परिलक्षित होता है। कर्तव्यविमुखता के बढ़ते प्रभाव से आज के समय में सोशल मीडिया के माध्यम से ऊंचे-ऊंचे धार्मिक जयघोषों के दिखावे से तो अपने संप्रदाय विशेष को धर्म मानते हुए दूसरे संप्रदाय विशेष को कमतर दिखाना सिद्ध भी प्रतीत होता है। धर्म केवल नैतिकता या सामाजिक आचार तक सीमित नहीं है। यह मानव जीवन में आध्यात्मिक उन्नति का भी आधार है। धर्म मनुष्य को आत्मनियंत्रण, सत्य-जिज्ञासा और आत्मकल्याण की ओर प्रेरित करता है।

लोकतांत्रिक परंपरा या राजनीतिक असुरक्षा!

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दो दिन के भारत दौरे पर थे। यूक्रेन युद्ध के बाद उनकी भारत की पहली यात्रा है। इस महत्वपूर्ण राजनयिक दौरे से ठीक पहले एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया, जो भारतीय लोकतंत्र की बुनियादी परंपराओं पर सवाल उठाता है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार विदेशी नेताओं को विपक्षी नेताओं से मिलने की इजाजत नहीं देती। यह महज एक राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप नहीं है, बल्कि यह सवाल उठाता है कि क्या भारत में लोकतांत्रिक परंपराएं कमजोर हो रही हैं और क्या विपक्ष को राष्ट्र का प्रतिनिधि माना जा रहा है या नहीं।

> पुतिन के दौरे पर बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है, जो भारतीय लोकतंत्र की बुनियादी परंपराओं पर सवाल उठाता है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार विदेशी नेताओं को विपक्षी नेताओं से मिलने की इजाजत नहीं देती।

राहुल गांधी ने संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि भारत में लंबे समय से यह परंपरा रही है कि जब भी कोई विदेशी राष्ट्राध्यक्ष या प्रधानमंत्री भारत आते हैं, तो वे विपक्ष के नेता से भी मिलते हैं। उन्होंने कहा कि यह परंपरा अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्रित्व काल में भी कायम थी। राहुल का सीधा आरोप है कि वर्तमान सरकार अपनी राजनीतिक असुरक्षा के कारण इस महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक परंपरा को तोड़ रही है। उन्होंने दावा किया कि जब विदेशी गणमान्य व्यक्ति भारत आते हैं या जब वे खुद विदेश जाते हैं, तो सरकार उन्हें सलाह देती है कि नेता प्रतिपक्ष से नहीं मिलना चाहिए। यह आरोप किसी एक घटना तक सीमित नहीं है, बल्कि विपक्ष का कहना है कि यह एक नियमित नीति का हिस्सा बन गया है।

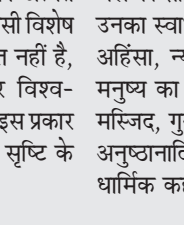

जयदेव राठी एडवोकेट
टिप्पणीकार

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भी इस मुद्दे पर अपनी आवाज उठाई और कहा कि यह एक स्थापित प्रोटोकॉल है कि विदेशी गणमान्य व्यक्ति नेता प्रतिपक्ष से मिलते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस सरकार की सभी नीतियां इस सिद्धांत पर आधारित हैं कि वे सब कुछ नियंत्रित करना चाहते हैं और दूसरी आवाजों को सुनना नहीं चाहते। प्रियंका ने कहा कि लोकतंत्र में विविधता और बहुलवाद की जगह होनी चाहिए, न कि एक ही स्वर का प्रभुत्व।

दूसरी ओर, सरकार और सत्तापक्ष ने इन आरोपों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। सरकारी सूत्रों का कहना है कि किसी भी विदेशी यात्रा के दौरान विदेश मंत्रालय आने वाले गणमान्य व्यक्ति के लिए सरकारी अधिकारियों और सरकारी निकायों के साथ बैठकों की व्यवस्था करता है। यह उनका काम है और यह नियमित प्रोटोकॉल के अनुसार होता है। पूर्व विदेश सचिव और राज्यसभा सांसद हर्षवर्धन श्रृंगला ने इस मामले पर सफाई देते हुए कहा कि विदेशी नेता बहुत तंग समय-सारणी पर काम करते हैं। उनके पास सीमित समय होता है और उन्हें कई महत्वपूर्ण बैठकों में शामिल होना पड़ता है।

श्रृंगला ने यह भी स्पष्ट किया कि नेता प्रतिपक्ष से मुलाकात को अनिवार्य बनाने वाला कोई लिखित प्रोटोकॉल नहीं है। यह पूरी तरह से अतिथि के समय, पसंद और प्राथमिकताओं पर निर्भर करता है। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने राहुल गांधी के बयान को अनुचित और गलत बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे बयान भारत को अच्छी रोशनी में प्रस्तुत नहीं करते और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष को अधिक जिम्मेदारी से व्यवहार करना चाहिए।

अब सवाल यह है कि सच्चाई क्या है? भारतीय लोकतंत्र में विदेशी नेताओं से विपक्षी नेताओं की मुलाकात की परंपरा वास्तव में काफी पुरानी है। यह कोई संवैधानिक या कानूनी बाध्यता नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक मर्यादा और संसदीय शिष्टाचार से उपजी एक परंपरा है। अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्रित्व काल में राजग सरकार ने कई मौकों पर विपक्षी नेताओं को विदेशी राष्ट्राध्यक्षों से मिलने की व्यवस्था की थी।

यह उस दौर की संसदीय गरिमा और राजनीतिक परिपक्वता का प्रतीक माना जाता था। वाजपेयी खुद संसदीय परंपराओं के पक्के समर्थक थे और उन्होंने हमेशा विपक्ष का सम्मान किया। 2004 से 2014 के बीच मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्रित्व काल में भी विपक्षी नेताओं को महत्वपूर्ण विदेशी दौरों में शामिल किया जाता था और उन्हें विदेशी गणमान्य व्यक्तियों से मिलने का अवसर दिया जाता था। इसके पीछे सोच यह थी कि विदेश नीति सिर्फ सत्तापक्ष का विषय नहीं है, बल्कि यह एक राष्ट्रीय मुद्दा है जिस पर पूरे देश की सहमति होनी चाहिए। दुनिया के अधिकांश परिपक्व लोकतंत्रों में यह एक आम प्रथा है कि विदेशी राष्ट्राध्यक्ष न केवल सत्तापक्ष बल्कि विपक्षी नेताओं से भी मिलते हैं।

अपने मन को न बनने दें गलत काम करने का अभ्यस्त

ग्रीन सिग्नल मिलते ही रेल की पटरी पर ट्रेन चलने लगती है। तेज गति से चलती ट्रेन को जब कहीं रेड सिग्नल दिखाई पड़ता है तब ड्राइवर ट्रेन रोक देता है। वह समझ जाता है कि आगे कुछ दिक्कत है, इसलिए रेड सिग्नल दिया गया है। जब तक पुनः ग्रीन सिग्नल नहीं मिलता तब तक वह ट्रेन आगे नहीं बढ़ाता।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

मनुष्य का जीवन भी कुछ इसी तरह का होना चाहिए। यह कर्तव्य पथ पर ग्रीन सिग्नल मिलने पर आगे बढ़ता जाए, लेकिन रेड सिग्नल दिखाई पड़े तो उसे तब तक रुक जाना चाहिए जब तक पुनः ग्रीन सिग्नल न दिखने लगे। मानव जीवन का ग्रीन सिग्नल का मतलब सकारात्मक आचरण से है। जब मन में लगे कि वह सत्य तथा सदाचार पूर्वक काम कर रहा है, तो उसे करते रहना चाहिए, लेकिन मन के ड्राईवर को लगे कि कुछ गलत हो रहा है, तब उसे तत्काल ट्रेन की तरह तब तक रुक जाना चाहिए, जब तक फिर से सत् आचरण का भाव मन में न आ जाए।

मन एक ऐसा ड्राईवर है, जो गलत-सही के बारे में बताता रहता है। यह दीगर बात है कि मन के मना करने के बावजूद गलत काम करने में इंसान पीछे नहीं रहता। सच्चाई तो यह है कि गलत तरीके से काम करने में सुखद अनुभूति होती है। फिर मन गलत काम करने का अभ्यस्त हो जाता है। मन को दबाकर किए गए काम का पहला नतीजा तो यही होता है कि मन में डर समाने लगता है। लेकिन डर के बावजूद इंसान रेड सिग्नल की परवाह नहीं करता। लिहाज़ा किसी न किसी दिन गलत कामों के दुष्परिणाम सामने आने लगते है।

गलत काम करने वाले की सबसे पहले नींद गायब होती है। वह जब सोने चलता है तब दिन भर के कार्य मस्तिष्क में याद आने लगते है। ऐसा नहीं कि मन में घबराहट नहीं होती, लेकिन मन को मारकर गलत काम करने से जो सुविधा मिलती है, उससे सुखद अनुभूति मिलती है। फिर मन भी रोकना-टोकना बंद कर देता है। आदतों में गलत प्रवृत्तियां समा जाती हैं, लेकिन जिस किसी दिन गलत काम उजागर होते हैं और कानूनी झंझटों का सामना करना पड़ता है, तब पश्चाताप होता है। फिर खुद लगने लगता है कि उसे ऐसा नहीं करना चाहिए था। जब इंसान कानूनी कार्रवाई का शिकार होता है तो जल्दी कोई साथ नहीं देता है।

सोशल मीडिया के दौर में भरोसे की नई जंग

इंटरनेट ने सूचना की दुनिया का ताला लोगों के लिए खोल दिया है। कुछ दशक पहले तक किसी बीमारी को समझने, निवेश का फैसला करने, कानूनी सलाह लेने या बच्चे की पढ़ाई की दिशा तय करने के लिए विशेषज्ञ के पास जाना पड़ता था। आज वही जानकारी कुछ क्लिक की दूरी पर है। यह परिवर्तन जितना अद्भुत है, उतना ही जटिल भी, क्योंकि इसी आज़ादी ने ज्ञान के साथ-साथ भ्रम भी पैदा किया है। एक तरफ इंटरनेट ने सीखने, समझने और जानने की शक्ति को आम लोगों तक पहुंचाया, वहीं दूसरी तरफ उसने बिना योग्यता वाले 'डिजिटल गुरु' भी पैदा कर दिए हैं, जो लोकप्रियता और आत्मविश्वास के आधार पर ऐसी सलाह बांटते हैं, जिनका सीधा असर लोगों की सेहत, बचत, नौकरी और भविष्य पर पड़ सकता है। ठीक यहीं पर डिजिटल स्वतंत्रता और डिजिटल ज़िम्मेदारी के बीच संतुलन जरूरी हो जाता है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर मथुरा

दुनिया इस समस्या को गंभीरता से समझने लगी है। चीन ने नियम लागू किया कि स्वास्थ्य, वित्त, कानून और शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में सलाह सिर्फ प्रमाणित और अधिकृत विशेषज्ञ ही देंगे, जिनका अनुभव और शिक्षा उसी क्षेत्र में है। इसे नियंत्रण कहकर खारिज करना आसान है, लेकिन यह कदम इस सत्य की स्वीकारोक्ति भी है कि पूरी तरह अनियंत्रित अथवा स्वतंत्र इंटरनेट नागरिकों की सुरक्षा की गारंटी नहीं बनता। यह चर्चा इसलिए और महत्वपूर्ण होती जा रही है, क्योंकि भारत तेज़ी से विकसित हो रहे डिजिटल राष्ट्रों में शामिल है।

इंटरनेट कनेक्टिविटी अब आधुनिक भारत की प्रगति की रीढ़ बन चुकी है। इसका पैमाना समझने के लिए आंकड़े काफी हैं। अप्रैल–जून 2025 के बीच देश में इंटरनेट सब्सक्राइबर्स की संख्या 1002.85 मिलियन को पार कर गई। यह सिर्फ तकनीकी विस्तार नहीं, बल्कि उस डिजिटल जीवन शैली का संकेत है, जो समाज के हर उम्र, हर वर्ग और हर पेशे में घुस चुकी है। TRAI के अनुसार 2024 में प्रति उपयोगकर्ता औसतन 31.4 GB डेटा प्रतिमाह खपत हुई। दुनिया में सबसे अधिक। एरिक्सन मोबिलिटी रिपोर्ट इस तस्वीर को और स्पष्ट बनाती है। भारत में प्रति व्यक्ति मासिक डेटा खपत 32 GB है, जो वैश्विक स्तर पर सबसे ज़्यादा है। इसका मतलब यह है कि भारत इंटरनेट का उपयोग करने वाला देश भर नहीं, बल्कि इंटरनेट पर जीने वाला देश बनने लगा है।

यहीं से संवेदनशीलता शुरू होती है, क्योंकि जब रोज़मर्रा के फैसले इंटरनेट के हवाले हो जाएं, तो गलत जानकारी के दुष्परिणाम सामान्य नहीं रहते। महामारी के दौरान घरेलू नुस्खों के नाम पर खतरनाक उपचार वायरल हुए, सोशल मीडिया आधारित निवेश सलाहों ने भी बड़ी तादाद में लोगों को भारी नुकसान पहुंचाया। 2021–24 के बीच 'फटाफट मुनाफ़ा' जैसी रणनीतियों और अविश्वसनीय स्टॉक टिप्स के कारण निवेशकों को हज़ारों करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ। तमाम मामले ऐसे हैं, जहां कानूनी सलाह के नाम पर भ्रामक वीडियो देखकर लोगों ने ऐसे कदम उठाए, जिनसे पुलिस और अदालतों में उनकी स्थिति और खराब हो गई, इसलिए यह समस्या व्यक्तिगत नुकसान भर नहीं, सामाजिक जोखिम बन चुकी है, क्योंकि अब गलत सलाह लाखों लोगों के व्यवहार को बदल सकती है।

नियामक संस्थाएं अब इस खतरे को समझने लगी हैं। सेबी ने फरवरी 2025 में इनफ्लुएंसर्स पर सख़्त नियम लागू करते हुए यह स्पष्ट किया कि तकनीकी निवेश सलाह सिर्फ पंजीकृत और योग्य विशेषज्ञ ही देंगे। लाइव मार्केट डेटा का उपयोग करके प्रचार या प्रलोभन देने पर प्रतिबंध लगा दिया गया और रिटर्न के दावे बिना प्रमाण के पूरी तरह वर्जित कर दिए गए। ASCI ने भी इसकी पूरक घोषणा करते हुए कहा कि वित्त और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों पर सामान्य जानकारी देना सबके लिए खुला है, लेकिन सलाह देने वाले की योग्यता और पंजीकरण पारदर्शी होना चाहिए। यह अभिव्यक्ति की आज़ादी पर रोक नहीं, बल्कि नागरिकों की सुरक्षा की बुनियादी शर्त है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

कार्यालय ग्राम पंचायत वुधऊ विकास खण्ड उसावां (बदायूं)

पत्रांकः मैमो. **निविदा सूचना** दिनांकः 06.12.2025

ग्राम पंचायत वुधऊ विकास खण्ड उसावां (बदायूं) में राज्य वित्त/15 वां वित्त आयोग (टाइड/अनटाइड), मनरेगा योजनान्तर्गत वर्ष 2025-26 में उपलब्ध धनराशि एवं धन आने की प्रत्याशा में निम्नानुसार निर्धारित मानक/गुणवत्ता के अनुसार उच्च कोटि की सामग्री (ईट, इण्टरलॉक, सीमेन्ट मौरंग, बजरी, रेता, सरिया, टाईल, बजरफुट, सेनेटरी आईटम, हैण्डपम्प का मैटेरियल आदि) निर्माण स्थल पर आपूर्ति करने हेतु मोहर बन्द निविदायें/कुटेशन आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्मे एवं आपूर्तिकर्ता दिनांक 06.12.2025 से दिनांक 15.12.2025 दोपहर 12 बजे तक ग्राम पंचायत सचिवालय में रखे बॉक्स में सीलबन्द लिफाफे में जमा करें, तथा दिनांक 15.12.2025 को अद्योहस्ताक्षरी के समक्ष दिन के 2 बजे बजे खोली जायेगी। स्वीकृत निविदा/कुटेशन को सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकृत दर पर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत की जानी अनिवार्य है। सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नही पायी जाने की स्थिति में भुगतान की धनराशि में नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

क्र.	कार्य का नाम	साइज	अनु. लागत
1	वुधऊ के मजरा रंन सिंह नगला में रामबहादुर के घर से वीरेन्द्र के घर तक इण्टलॉकिंग नाली निर्माण कार्य।	70 मी.	400000.00
2	वुधऊ के मजरा रेन सिंह नगला में मोरपाल के घर से राकेश की बैठक तक इण्टरलॉकिंग नाली निर्माण कार्य।	70 मी.	400000.00
3	वुधऊ के मजरा रंन सिंह नगला में मुकेश की बैठक से सड़क तक इंटरलॉकिंग नाली निर्माण कार्य।	60 मी.	350000.00
4	वुधऊ के मजरा रंन सिंह नगला में रामसुआ के घर राय सिंह/वुलाकी के घर तक इण्टरलॉकिंग नाली निर्माण कार्य।	40 मी.	240000.00

नेम सिंह (सचिव) **श्री राजाराम (प्रधान)**

कार्यालय ग्राम पंचायत उसावां देहात विकास खण्ड उसावां (बदायूं)

पत्रांकः मैमो. **निविदा सूचना** दिनांकः 06.12.2025

ग्राम पंचायत उसावां देहात विकास खण्ड उसावां (बदायूं) में राज्य वित्त/15 वां वित्त आयोग (टाइड/अनटाइड), मनरेगा योजनान्तर्गत वर्ष 2025-26 में उपलब्ध धनराशि एवं धन आने की प्रत्याशा में निम्नानुसार निर्धारित मानक/गुणवत्ता के अनुसार उच्च कोटि की सामग्री (ईट, इण्टरलॉक, सीमेन्ट मौरंग, बजरी, रेता, सरिया, टाईल, बजरफुट, सेनेटरी आईटम, हैण्डपम्प का मैटेरियल आदि) निर्माण स्थल पर आपूर्ति करने हेतु मोहर बन्द निविदायें/कुटेशन आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्मे एवं आपूर्तिकर्ता दिनांक 06.12.2025 से दिनांक 15.12.2025 दोपहर 12 बजे तक ग्राम पंचायत सचिवालय में रखे बॉक्स में सीलबन्द लिफाफे में जमा करें, तथा दिनांक 15.12.2025 को अद्योहस्ताक्षरी के समक्ष दिन के 2 बजे बजे खोली जायेगी। स्वीकृत निविदा/कुटेशन को सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकृत दर पर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत की जानी अनिवार्य है। सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नही पायी जाने की स्थिति में भुगतान की धनराशि में नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

क्र.	कार्य का नाम	साइज	अनु. लागत
1	काली माता मन्दिर के प्रांगण में इण्टरलॉकिंग कार्य	70 मी.	400000.00
2	प्राइमरी स्कूल से ओमवीर के घर तक सी.सी. व नाली निर्माण कार्य	70 मी.	400000.00
3	केदार सिंह की चौपाल से दोदराम के खेत तक सी.सी. व नाली निर्माण कार्य	70 मी.	400000.00
4	राजा नगला में मुख्य मार्ग से सी.सी. रोड से देवस्थान तक इण्टरलॉकिंग नाली निर्माण कार्य।	60 मी.	350000.00
5.	राजा नगला में जीतराम के घर से काशीराम के घर तक इण्टरलॉकिंग कार्य	60 मी.	350000.00

नेम सिंह (सचिव) **श्रीमती मुन्नी देवी (प्रधान)**

कार्यालय ग्राम पंचायत अकबरपुर विकास खण्ड उसावां (बदायूं)

पत्रांकः मैमो. **निविदा सूचना** दिनांकः 06.12.2025

ग्राम पंचायत अकबरपुर विकास खण्ड उसावां (बदायूं) में राज्य वित्त/15 वां वित्त आयोग (टाइड/अनटाइड), मनरेगा योजनान्तर्गत वर्ष 2025-26 में उपलब्ध धनराशि एवं धन आने की प्रत्याशा में निम्नानुसार निर्धारित मानक/गुणवत्ता के अनुसार उच्च कोटि की सामग्री (ईट, इण्टरलॉक, सीमेन्ट मौरंग, बजरी, रेता, सरिया, टाईल, बजरफुट, सेनेटरी आईटम, हैण्डपम्प का मैटेरियल आदि) निर्माण स्थल पर आपूर्ति करने हेतु मोहर बन्द निविदायें/कुटेशन आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्मे एवं आपूर्तिकर्ता दिनांक 06.12.2025 से दिनांक 15.12.2025 दोपहर 12 बजे तक ग्राम पंचायत सचिवालय में रखे बॉक्स में सीलबन्द लिफाफे में जमा करें, तथा दिनांक 15.12.2025 को अद्योहस्ताक्षरी के समक्ष दिन के 2 बजे बजे खोली जायेगी। स्वीकृत निविदा/कुटेशन को सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकृत दर पर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत की जानी अनिवार्य है। सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नही पायी जाने की स्थिति में भुगतान की धनराशि में नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

क्र.	कार्य का नाम	साइज	अनु. लागत
1	राधेश्याम बाबा जी के घर से पूरन के घर तक इण्टरलॉकिंग नाली निर्माण कार्य।	50 मी.	310000.00
2	सरकारी हैण्डपम्प से देवेन्द्र यादव की बैठक तक इण्टरलॉकिंग नाली निर्माण कार्य।	50 मी.	248000.00
3	डावर रोड से वीरेन्द्र गौतम के घर तक इण्टरलॉकिंग नाली निर्माण कार्य	60 मी.	270000.00
4	मेन रोड से नरेश तेली घर तक इण्टरलॉकिंग नाली निर्माण कार्य।	60 मी.	330000.00
5	विश्राम यादव के घर से आशाराम के घर तक इण्टरलॉकिंग नाली निर्माण कार्य	50 मी.	310000.00
6	जवाहर की बैठक से बृजेश के घर तक इण्टरलॉकिंग नाली निर्माण कार्य	65 मी.	350000.00
7	लालाराम के घर से अवधेश के घर तक इण्टरलॉकिंग नाली निर्माण कार्य।	65 मी.	350000.00

अनिल कुमार (सचिव) **श्रीमती सुनीता देवी (प्रधान)**

ग्राम पंचायत तिलोकपुर वि.खं. मदनापुर, शाहजहांपुर

कोटशन टेण्डर

सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत तिलोकपुर वि.खं. मदनापुर शाहजहांपुर में वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा योजना के अन्तर्गत निम्न कार्य कराये जाने हेतु विभिन्न फर्मे सम्पर्क कर सकती है, जिसमें प्रथम श्रेणी ईट, रेता, बजरी, सीमेन्ट, सरिया , इंटरलॉकिंग ईट, मौरंग आदि क्रय की जानी है। जिसकी मोहरबंद निविदायें आमंत्रित की जाती है।

क्र.सं.	कार्य का नाम
1.	ग्राम पंचायत तिलोकपुर में आंगनबाड़ी केन्द्र का निर्माण कार्य

प्रधान-दाताराम **सचिव-हंसिका चौहान**

उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद
कार्यालय सम्पत्ति प्रबन्धक
122, सिविल लाइन्स, बरेली

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचना

परिषद की सिविल लाइन्स योजना सं.-2 (भाग-1), बदायूं में स्थित भूखण्ड सं.-बी-5 आवास विकास परिषद द्वारा श्री नवनीत रस्तोगी पुत्र श्री सुभाष चन्द्र रस्तोगी को आवंटित किया गया था। श्री नवनीत रस्तोगी पुत्र श्री सुभाष चन्द्र रस्तोगी द्वारा भूखण्ड के मूल्य का पूर्ण भुगतान कर अपने पक्ष में विक्रय विलेख दिनांक 27.12.2012 को निष्पादित करा लिया गया। श्री नवनीत रस्तोगी पुत्र श्री सुभाष चन्द्र रस्तोगी द्वारा भूखण्ड का विक्रय कु. अरूणा सिंह पुत्री स्व. श्री नेपाल सिंह को कर दिया गया। कु. अरूणा सिंह पुत्री स्व. श्री नेपाल सिंह द्वारा अवगत कराया गया है कि श्री नवनीत रस्तोगी की मृत्यु दिनांक 04.01.2022 को हो चुकी है तथा श्री नवनीत रस्तोगी के वारिसानों द्वारा मेरे पक्ष में अनापत्ति शपथ पत्र दे दिये गये हैं तथा उक्त भूखण्ड का अन्तरण अपने पक्ष में कराने हेतु ऑनलाइन प्रार्थना पत्र के माध्यम से प्रपत्र कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं। अतः एतद्द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सिविल लाइन्स योजना सं.-2 (भाग-1), बदायूं में स्थित भूखण्ड सं.-बी 5 का अन्तरण कु0 अरूणा सिंह पुत्री स्व. श्री नेपाल सिंह के पक्ष में किया जाना है। भूखण्ड सं0-बी-5 के अन्तरण में किसी प्रकार की यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के अन्दर कार्यालय में साक्ष्य सहित आपत्ति दाखिल कर सकते हैं। समय सीमा व्यतीत हो जाने के उपरान्त किसी भी आपत्ति पर विचार किया जाना सम्भव नहीं होगा तदनुसार सम्पत्ति का अन्तरण कु0 अरूणा सिंह पुत्री स्व. श्री नेपाल सिंह के पक्ष में करने की कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

आज्ञा से
सम्पत्ति प्रबन्धक

कार्यालय नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा-पीलीभीत

पत्रांकः-मैमो./न.पं.गु.भि./2025-26 दिनांकः 03/12/25

अति अल्पकालीन निविदा

समस्त पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो को सूचित किया जाता है कि वर्ष 2025-26 में नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा को रा.वि.आ. की धनराशि से विभिन्न स्थानों पर अलाव लगवाने हेतु सूखी जलौनी लकड़ी की आपूर्ति हेतु निविदा प्रपत्र (प्रति कुन्टल दरें / भाव पत्र) दिनांक 10.12.2025 को अपरान्ह 01:00 बजे तक आमंत्रित किये जाते हैं। प्राप्त निविदायें (प्रति कुन्टल दरें / भाव पत्र) उसी दिनांक अपरान्ह 02:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेंगी। निविदा पत्र दिनांक 09.12.2025 को समय दोपहर 02:00 बजे तक कार्यालय नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा से क्रय किये जा सकते हैं। एक व समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अध्यक्ष/अधिशासी अधिकारी महोदय को निहित होगा।

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित मात्रा (कु. में)	जमानत धनराशि	निविदा मूल्य	कार्य अवधि
1.	सूखी/जलौनी/लकड़ी/बुरादा की आपूर्ति का कार्य।	700 कुन्तल	35000/-	700/-	02 माह

उक्त आपूर्ति से सम्बन्धित अन्य शर्ते व जानकारी किसी भी कार्य-दिवस में कार्यालय से ज्ञात की जा सकती है।

हरि पाल
अधिशासी अधिकारी

निशांत प्रताप सिंह
अध्यक्ष

ग्राम पंचायत निजामपुर नगरिया वि.खं. मदनापुर, शाहजहांपुर

कोटशन टेण्डर

सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत निजामपुर नगरिया वि.खं. मदनापुर शाहजहांपुर में वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा योजना के अन्तर्गत निम्न कार्य कराये जाने हेतु विभिन्न फर्मे सम्पर्क कर सकती है, जिसमें प्रथम श्रेणी ईट, रेता, बजरी, सीमेन्ट, सरिया, इंटर लॉकिंग ईट, मौरंग आदि क्रय की जानी है। जिसकी मोहरबंद निविदायें आमंत्रित की जाती है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	माप	लागत
1.	ग्राम निजामपुर नगरिया में आँगनवाड़ी केन्द्र का निर्माण कार्य	15x10 मीटर	790733 रूपये मात्र
2.	श्रीपाल के बग्गर से बलवीर सिहं के मकान तक इण्टरलॉकिंग निर्माण कार्य	40x3.5 मीटर	232159 रूपये मात्र
3.	बलवीर के मकान से देवस्थान तक इण्टर लॉकिंग व नाली निर्माण कार्य	40x3.5 मीटर	231151 रूपये मात्र
4.	मेन रोड से तुंगपाल सिंह के मकान तक इण्टरलॉकिंग निर्माण कार्य	15x10 मीटर	183517 रूपये मात्र
5.	तुंगपाल के मकान से नेकसू के मकान तक इण्टरलॉकिंग निर्माण कार्य	40x3.5 मीटर	179958 रूपये मात्र
6.	विनेश के मकान से बीना देवी के मकान तक इण्टरलॉकिंग निर्माण कार्य	26x2 मीटर	101582 रूपये मात्र

प्रधान-ट्विंकल सिंह **सचिव-रोहित**

मृत कर्मचारी के खिलाफ बर्खास्तगी की कार्यवाही पर लगाई फटकार

विधि संवाददाता,प्रयागराज

- **कोर्ट ने चेतावनी देते हुए कहा- एक सप्ताह में हलफनामा दाखिल करें**

अमृत विचारः इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश के शिक्षा विभाग की गंभीर प्रशासनिक चूक पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि मृत व्यक्ति के खिलाफ बर्खास्तगी की कार्यवाही शुरू किया जाना कानून और न्याय दोनों के प्रतिकूल है। कोर्ट ने स्पष्ट रूप से प्रश्न उठाया कि कोविड-19 महामारी के दौरान एक वर्ष पूर्व मृत सहायक शिक्षक के खिलाफ सेवा समाप्ति की प्रक्रिया किस कानूनी प्रावधान के तहत शुरू की गई।

उक्त आदेश न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया की एकलपीठ ने स्वर्गीय मुकुल सक्सेना की विधवा प्रीति सक्सेना द्वारा दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। कोर्ट ने शिक्षा निदेशक (बेसिक) को व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल कर यह बताने का निर्देश दिया है कि 18 जुलाई 2022 को मृत कर्मचारी को बर्खास्त करने का निर्देश किस आधार पर और किन परिस्थितियों में जारी किया गया, जबकि उनकी मृत्यु मई 2021 में ही हो चुकी थी। कोर्ट ने चेतावनी देते हुए कहा कि एक सप्ताह में हलफनामा दाखिल न होने पर निदेशक को अगली तिथि पर न्यायालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना पड़ेगा। मामले के अनुसार याची के पति स्वर्गीय मुकुल सक्सेना प्राथमिक विद्यालय में सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत थे और मई 2021 में कोविड के कारण उनका निधन हो गया था। याची को पारिवारिक पेंशन नवंबर 2022 तक प्राप्त होती रही, लेकिन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, फर्रुखाबाद के पत्र के आधार पर इसे अचानक रोक दिया गया।

इस पत्र में शिक्षा निदेशक द्वारा जारी आदेश का हवाला देते हुए मृतक की सेवाओं को बर्खास्त करने का निर्देश दिया गया था, जिसके आधार पर कोषागार एवं पेंशन विभाग ने पारिवारिक पेंशन बंद कर दी। राज्य की ओर से उपस्थित अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि नियुक्ति कथित रूप से जाली दस्तावेजों के आधार पर प्राप्त की गई थी, इसलिए उसे प्रारंभ से ही अवैध माना गया। मामले की अगली सुनवाई आगामी 16 दिसंबर को होगी।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: DCE-BL-10-11-2025

उप मुख्य इंजीनियर/पुल लाईन/पूर्वोत्तर रेलवे/गोरखपुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा आमंत्रित करते हैं :-

क्र. सं. : 1, ई-निविदा सं. : DCE-BL-10-2025, **कार्य का विवरण :** पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल के 07 अदद स्टील गर्डर पुलों यथा पुल सं.-72UP(6X24.4m) IAA-MAU, 72DN (6X24.4m) IAA-MAU, 1UP (3X12.2m) GTST CPR, 3UP (3X12.2m) GTST-CPR, 137 DN (13X30.5m) RJI-ARJ, 137 UP (13X30.5m) RJI-ARJ & 50(14X61.0M) PNYA-VKNR के जंग लगे मेम्बरों का रिप्लेसमेन्ट/रिहैबिलिटेशन कार्य, **अनुमानित लागत** : ₹ 3,29,56,072.56, **बयाने की राशि** : ₹ 3,14,800.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** शून्य, **स्वीकृति पत्र जारी होने के तिथि से कार्य की समापन अवधि** : 18 (अट्ठारह) माह।

क्र. सं. : 2, ई-निविदा सं. : DCE-BL-11-2025, **कार्य का विवरण :** पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के 10 अदद स्टील गर्डर पुलों यथा पुल सं.-182 UP(5X30.50) GKP-DMG, 182DN(5X30.50) GKP-DMG, 183UP (7X30.50) GKP DMG, 183 DN (7X30.50) GKP-DMG, 34(4X30.5) UB-BMJ, 200DN(10X12.20) MHH SWA, 176(3X12.2)GKP-GKC, 176A (3X12.2) GKP-GKC, 176B(3X12.2) GKP-GKC, 281UP(6X12.2) TH-GOVR in LJN Div. एवं इज्जतनगर मंडल के 07 अदद स्टील गर्डर पुलों यथा पुल सं.-102 (5x18.3 + 2x12.2) CPA-KSJ, 198(9X18.3) CPA-KSJ, 227 (2X12.2) CPA-KSJ, 92 (3X12.2) RMU-LKU, 26(2X12.2) RMU-LKU, 40 (2X12.2) & 25(4X12) RMU-LKU के जंग लगे मेम्बरों का रिप्लेसमेन्ट/रिहैबिलिटेशन कार्य, **अनुमानित लागत** : ₹ 2,53,95,884.00, **बयाने की राशि** : ₹ 2,77,000.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्यः** शून्य, **स्वीकृति पत्र जारी होने के तिथि से कार्य की समापन अवधि** : 18 (अट्ठारह) माह।

• ई-निविदा खुलने की तिथि दिनांक **30.12.2025** को 11.00 बजे। • ई-निविदा की प्राप्ति की तिथि दिनांक **30.12.2025** को 10.59 बजे। • ई-निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तों का पूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

मुजाधि/डब्ल्यू-358 उप मुख्य इंजीनियर/पुल लाईन

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैसर्स शारदा प्लाईवुड, पता गाटा सं. 247, ग्राम टिसुआ, विलेज हरेला तहसील फरीदपुर जिला बरेली व ब्रांच आफिस एससीओ-3 सनसिटी कालोनी खन्ना, जिला लुधियाना, पंजाब जिसकी पंजीकरण सं -BAR/0018886 है, यह उपरोक्त फर्म दिनांक 6.07.2016 से निरन्तर सुचारू रूप से कार्य कर रही है, उपरोक्त फर्म का नाम दिनांक 31 मई 2025 मैसर्स शारदा प्लाईवुट के स्थान पर मैसर्स मैगनस पैनलस हो गया है व दिनांक 31 मई 2025 को एक नया साझेदार श्री विनायक गुप्ता पुत्र श्री राकेश गुप्ता अन्य साझेदारों की सहमति व स्वेच्छा से फर्म में सम्मिलित हुआ। उपरोक्त फर्म में वर्तमान में अब कुल 7 साझेदार क्रमशः 1. अंकित गोयल 2. लोकेश अग्रवाल 3. राकेश अग्रवाल 4. नमन गुप्ता 5. राघव गुप्ता 6. अनन्त गोयल 7. विनायक गुप्ता साझेदार है।

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त साझेदारी के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिक्ताएं मेरे द्वारा पूर्ण कर ली गई है जिसके हेतु सार्वजनिक सूचना का प्रकाशन किया जा रहा है।

अंकित गोयल
साझेदार
मैसर्स मैगनस पैनलस, गाटा सं. 247, ग्राम टिसुआ, विलेज हरेला तहसील फरीदपुर जिला बरेली व ब्रांच आफिस एससीओ-3, सनसिटी कालोनी, खन्ना जिला लुधियाना पंजाब।पंजीकरण सं.-BAR/0018886

ग्राम पंचायत सिकन्दरपुर कलां वि.खं. मदनापुर, शाहजहांपुर

कोटशन टेण्डर

सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत सिकन्दरपुर कलां वि.खं. मदनापुर शाहजहांपुर में वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा योजना के अन्तर्गत निम्न कार्य कराये जाने हेतु विभिन्न फर्मे सम्पर्क कर सकती है, जिसमें प्रथम श्रेणी ईट, रेता, बजरी, सीमेन्ट, सरिया , इंटरलॉकिंग ईट, मौरंग आदि क्रय की जानी है। जिसकी मोहरबंद निविदायें आमंत्रित की जाती है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत
1.	शिवम के मकान से रामू के मकान से इंटरलॉकिंग व नाली	4 लाख
2.	मेघनाथ के बग्गर से मेघना के घर तक इंटरलॉकिंग	
3.	बजरिया में नक्षत्रपाल की चौपाल से अनिल के घर तक इंटरलॉकिंग	

प्रधान-सीता देवी **सचिव-परवीन कुमार**

मां की हत्या करने के बाद किया आत्मसमर्पण

गाजियाबाद, एजेंसी। जिले में मोदी नगर थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी बुजुर्ग मां की हत्या करने के बाद पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार रात फफराना रोड स्थित जनता कॉलोनी में राहुल (40) नाम के एक व्यक्ति ने अपनी मां और पत्नी के बीच हुए झगड़े के बाद अपनी मां की गर्दन रेत दी। राहुल अपनी मां मधु (68) की हत्या करने के बाद मोदीनगर थाने पहुंचा और पुलिस अधिकारियों के सामने अपनी मां की हत्या की बात कबूल कर ली।

पुलिस ने तुरंत उसे गिरफ्तार कर लिया। मोदीनगर के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) अमित सक्सेना ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस वहां पहुंची और महिला को खून से लथपथ पाया। उन्होंने बताया कि जांच से पता चला है कि राहुल अपनी मां और पत्नी के बीच रोज़-रोज़ के झगड़े से तंग आ चुका था और शुक्रवार देर रात उसने अपनी मां की हत्या कर दी। उन्होंने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है ।

बहराइच में भेड़िए ने दो बच्चियों पर किया हमला

बहराइच, एजेंसी। जिले में भेड़िए के हमले में चार और पांच वर्षीया दो बच्चियां गंभीर रूप से घायल हो गयीं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने शुक्रवार शाम वन्यजीव हमलों से पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें ढाढस बंधाया। ग्रामीणों के अनुसार, कैसरगंज तहसील के मल्लहनपुरवा गांव में शुक्रवार तड़के घर के अंदर सो रही पांच वर्षीय अनुष्का निषाद को अचानक घर में घुसा भेड़िया उठाकर ले जाने लगा।

उन्होंने बताया कि चीख-पुकार सुनकर परिजन व ग्रामीण घर की तरफ दौड़े, इतने में शोर-गुल सुनकर भेड़िया बच्ची को छोड़कर खेतों की ओर भाग गया। ग्रामीणों ने बताया कि अनुष्का को खरोंच लगी है। ग्रामीणों के मुताबिक, शुक्रवार को ही बाबुरी टोला गांव में घर के बाहर खेल रही चार वर्षीय नैनसी पर भेड़िये ने अचानक हमला कर दिया और उसे घसीटकर ले जाने लगा। ग्रामीणों के शोर मचाने पर भेड़िया बच्ची को छोड़कर गन्ने के खेतों की ओर भाग गया और घायल बच्ची को इलाज के लिए तुरंत कैसरगंज स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।

थाना प्रभारी ने गोली मारकर की आत्महत्या

जालौन,एजेंसीः जिले के थाना कुठौंद के प्रभारी निरीक्षक ने अपनी सर्विस रिवॉल्वर से कथित तौर पर स्वयं को गोली मार ली जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि थाना प्रभारी को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

पुलिस अधीक्षक दुर्गेश कुमार ने बताया शुक्रवार की रात्रि लगभग लगभग 9:30 बजे कुठौंद थाने के प्रभारी निरीक्ष अजय कुमार राय ने थाना परिसर के अपने आवास पर सरकारी रिवाल्वर से कथित रूप से स्वयं को गोली मार ली जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि गोली की आवाज सुनकर थाने के अन्य सिपाही और कर्मचारी प्रभारी निरीक्षक के आवास पर पहुंचे और पाया कि निरीक्षक अजय कुमार राय खून से लथपथ पड़े हैं।

तत्काल उनको स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती करवाया गया जहां पर चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए मेडिकल कॉलेज उरई के लिए रेफर कर दिया । पुलिस अधीक्षक के मुताबिक मेडिकल कॉलेज उरई में इलाज के दौरान रात लगभग 11:30 बजे प्रभारी निरीक्षक की मृत्यु हो गई। पुलिस अधीक्षक कुमार ने बताया प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि जांच के उपरांत ही मौत के कारणों का पता चल पाएगा ।

कार्यालय जिला पंचायत बदायूं

पत्रांकः 1144/जि.पं./नि.अनु./2025-26 **संशोधित अल्पकालीन सामान्य निविदा सूचना** दिनांक 06.12.2025

उ.प्र. शासन के आदेश सं. 05/2019/2902/33-2-2019-198 जी/2018 दिनांक 16 अगस्त 2019 व शासनादेश सं. 1129/33-2-2020-167जी/2018 दिनांक 03 जून 2020 में दी गई व्यवस्था के अधीन समस्त जिला पंचायत में पंजीकृत ठेकेदारों, लो.नि.वि. एवं सिंचाई विभाग के पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि पंचम राज्य वित्त आयोग, 15 वां वित्त आयोग (टाइड/अनटाइड) अन्तर्गत प्राप्त धनराशि के सापेक्ष स्वीकृत 26 कार्यो की सामान्य निविदायें दिनांक 19.12.2025 को दोपहर 12:00 बजे तक बन्द लिफाफे में आमंत्रित की जाती है जो इसी दिनांक 19.12.2025 की दोपहर 02:00 बजे से कार्यालय जिला पंचायत बदायूं में खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में दिनांक 19.12.2025 समय 11:00 बजे तक कार्यालय जिला पंचायत से प्राप्त कर सकते हैं। निविदा शुल्क की धनराशि फार्म-5, आर.टी.जी.एस. (RTGS)/एन.ई.एफ.टी. (NEFT) के माध्यम से जिला निधि के खाता सं. 09830100009167 आई.एफ.एस.सी. कोड BARB0BADAUN में जमा करना अनिवार्य होगा और जमा निविदा शुल्क की यूनिक नम्बर रसीद व 10% (दस प्रतिशत) धरोहर (जमानत) धनराशि की एफ.डी.आर. जो अपर मुख्य अधिकारी के पद नाम से बंधक हो के साथ-साथ जी.एस.टी. पंजीकरण प्रमाण पत्र, आयकर व ठेकेदारी का नवीनीकरण/पंजीकरण प्रमाण पत्र को स्कैन कर निविदा प्रपत्र के साथ लगाना अनिवार्य है। किसी भी निविदा पर बिना कारण बताये स्वीकृत/अस्वीकृत/निरस्त करने का अधिकार सक्षम प्राधिकारी/अध्यक्ष जिला पंचायत में निहित होगा। सशर्त प्राप्त निविदा तथा नियत तिथि व समय उपरान्त कोई भी वाद व प्रार्थना पत्र स्वीकार्य नहीं होगा। निविदा सम्बन्धी अन्य समस्त जानकारी BUDAUN.NIC.IN पर भी देखा जा सकता है। निविदा सम्बन्धी अन्य कोई जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय आकर प्राप्त की जा सकती है। विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र.	क्षेत्र पंचायत का नाम	कार्य का नाम	अनु. धनराशि (रू. में)	धरोहर धनराशि	निविदा मूल्य GST सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि
		पंचम राज्य वित्त				
1.	दातागंज	ग्राम पंचायत बिहारीपुर में ब्लाक दातागंज में सोनपाल धोबी के घर से कब्रिस्तान तक सी.सी. कार्य।	842405	84250	1200	60 दिन
		15 वां वित्त आयोग अनटाइड				
2.	आसफपुर	ग्राम सिसरका में तालेवर आसफपुर दिवाकर के घर से आसफपुर चंदौसी मार्ग तक मि.खं	759026	75950	1200	60 दिन
3.	जगत	ग्राम पंचायत थल्लिया नगला में जू.हा. स्कूल से कब्रिस्तान तक मि.खं.	452548	45300	1200	60 दिन
		15 वां वित्त आयोग टाइड				
4.	जगत	ग्राम मरमई में कलेक्टर सिंह यादव के मकान से नहर तक नाला निर्माण कार्य।	267978	26800	1200	60 दिन
5.	जगत	ग्राम मरमई में देवी मंदिर से तालाब तक नाला निर्माण कार्य।	438351	43850	1200	60 दिन
6.	इस्लामनगर	ग्राम नगला बारहा में रविन्द्र कुमार के मकान से नाले तक नाला निर्माण कार्य।	541294	54150	1200	60 दिन
7.	समरेर	ग्राम लहडेरी में हरिपाल सिंह के घर से दौरी तक नाला निर्माण कार्य।	638806	63900	1200	60 दिन
8.	उझानी	ग्राम वरामयखेड़ा में प्रजापति समाज से पुलिया तक नाला निर्माण कार्य।	583554	58400	1200	60 दिन
9.	उझानी	ग्राम भडकुईया में ओमकार के खेत से नदी पुल तक नाला निर्माण कार्य।	774650	77500	1200	60 दिन
10.	जगत	ग्राम खेड़ा बुजुर्ग में मंदिर से नदी तक नाला निर्माण।	438044	43850	1200	60 दिन
11.	जगत	ग्राम गभियाई नगला में दुर्जन सिंह के घर से तालाब तक नाला निर्माण कार्य।	441702	44200	1200	60 दिन
12.	उझानी	ग्राम अल्लीपुर मडईया में कल्लू मौर्य के घर से कमरा नदी तक नाला निर्माण कार्य।	578540	57900	1200	60 दिन
13.	उझानी	ग्राम कुलुआ देहर में खेम करन के घर से तालाब तक नाला निर्माण कार्य	509910	51000	1200	60 दिन
14.	वजीरगंज	ग्राम कतगांव अम्बेडकर पार्क से तालाब तक नाला निर्माण कार्य	301352	30150	1200	60 दिन
15.	उझानी	ग्राम रौली में सचिवालय से तालाब तक नाला निर्माण कार्य	799036	79950	1200	60 दिन
16.	अम्बियापुर	ग्राम बैरामई में पंचायत घर से स्कूल तालाब तक नाला निर्माण कार्य	323755	32400	1200	60 दिन
17.	अम्बियापुर	ग्राम बैरामई में प्रा.वि. से ग्राम समाज इण्टर कॉलेज में पास नाला निर्माण कार्य	236691	23700	1200	60 दिन
18.	सहसवान	ग्राम गंगापुर में रमेश के मकान के कोने से सामुदायिक शौचालय तक नाला निर्माण कार्य	698349	69850	1200	60 दिन
19.	जगत	ग्राम पासतोर मुकेश के घर से तालाब तक नाला निर्माण कार्य	229624	23000	1200	60 दिन
20.	सलारपुर	बगुलीनगर भजरा से ग्राम राफियाबाद रोड पर अवशेष नाला निर्माण कार्य	514313	51450	1200	60 दिन
21.	उझानी	ग्राम पंचायत बसावनपुर में महेन्द्र पाल के घेर से तालाब तक नाला निर्माण कार्य	499306	49950	1200	60 दिन
22.	बिसौली	ग्राम करखेड़ी में परसिया पंपगांव मार्ग से तालाब तक नाला निर्माण कार्य	534094	53450	1200	60 दिन
23.	कादरचौक	ग्राम पसेई में सोमवीर यादव के मकान से तालाब तक नाला निर्माण कार्य	846964	84700	1200	60 दिन
24.	उझानी	ग्राम अब्दुल्लागंज तालाब के पास सुनील सिंह के घर से पुलिया के पास समेन्द्र सिंह के घर तक नाला निर्माण कार्य।	297326	29750	1200	60 दिन
25.	उझानी	ग्राम ज्योपारवाला बजार में पुराने नाले से धूविया तालाब तक नाला निर्माण कार्य।	775715	77600	1200	60 दिन
26.	जगत	ग्राम जगत में सी.सी/रामसिंह के मकान से पुलिया तक नाला निर्माण कार्य।	439494	43950	1200	60 दिन

नोटः- (1) जिला पंचायत के पंजीकृत ठेकेदारों लो.नि.वि. एवं सिंचाई विभागों में पंजीकृत ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत प्रपत्र 1,2 व 3 प्रमुख सचिव पंचायतीराज अनु.-2 के पत्रांक 819/33-2-2007-100 जी/2006 दिनांक 10 अप्रैल 2007 के अनुसार वैध होना अनिवार्य है।
2. कार्यो के अनुबन्ध आदि की कार्यवाही सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त होने के उपरान्त एवं धनराशि की उपलब्धतानुसार ही किया जायेगा।
3. निर्माण कार्यो में जी.एस.टी. का भुगतान पृथक से देय होगा। जो कार्यो के प्राक्कलन में पृथक से नियमानुसार लगायी गयी है।

पवन कुमार गोयल
अभियन्ता
जिला पंचायत, बदायूं

दिनेश प्रताप सिंह
अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत, बदायूं

वर्षा सिंह
अध्यक्ष
जिला पंचायत, बदायूं

कार्यालय ग्राम पंचायत शंकरपुर विकास खण्ड उसावां (बदायूं)

पत्रांकः मैमो. **निविदा सूचना** दिनांकः 06.12.2025

ग्राम पंचायत शंकरपुर विकास खण्ड उसावां (बदायूं) में राज्य वित्त/15 वां वित्त आयोग (टाइड/अनटाइड), मनरेगा योजनान्तर्गत वर्ष 2025-26 में उपलब्ध धनराशि एवं धन आने की प्रत्याशा में निम्नानुसार निर्धारित मानक/गुणवत्ता के अनुसार उच्च कोटि की सामग्री (ईट, इण्टरलॉक, सीमेन्ट मौरंग, बजरी, रेता, सरिया, टाईल, बजरफुट, सेनेटरी आईटम, हैण्डपम्प का मैटेरियल आदि) निर्माण स्थल पर आपूर्ति करने हेतु मोहर बन्द निविदायें/कुटेशन आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्मे एवं आपूर्तिकर्ता दिनांक 06.12.2025 से दिनांक 15.12.2025 दोपहर 12 बजे तक ग्राम पंचायत सचिवालय में रखे बॉक्स में सीलबन्द लिफाफे में जमा करें, तथा दिनांक 15.12.2025 को अद्योहस्ताक्षरी के समक्ष दिन के 2 बजे खोली जायेगी। स्वीकृत निविदा/कुटेशन को सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकृत दर पर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत की जानी अनिवार्य है। सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नही पायी जाने की स्थिति में भुगतान की धनराशि में नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

क्र.	कार्य का नाम	साइज	अनु. लागत
1	पंचम नगला में मेन रोड से अहिवरन के घर तक खडंजा निर्माण कार्य	70 मी.	400000.00
2.	मुलायम के घर से मोर सिंह के घर तक खडंजा निर्माण कार्य	70 मी.	400000.00
3.	रक्षपाल के खेत से मन्दिर तक इण्टरलॉकिंग नाली निर्माण कार्य	70 मी.	400000.00
4.	मेन रोड से उमाशंकर के खेत तक इण्टरलॉकिंग नाली निर्माण कार्य	60 मी.	350000.00

नेम सिंह (सचिव) **श्रीमती रामशीला देवी (प्रधान)**

सेक्शन-1

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड-पीलीभीत।

पताः-कलैक्ट्रेट कम्पाउण्ड, पीलीभीत।

-:: ई-निविदा सूचना ::-

पत्रांक- 790 / ग्रा0अ0वि0 / ई-निविदा / पत्रां0सं0- / बाण्ड क्लर्क / 2025-26 दिनांक- 20.11.2025

महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड-पीलीभीत में भवन/मार्ग निर्माण कार्य हेतु, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, उत्तर प्रदेश में पात्र पंजीकृत ए0, बी0, सी0 एवं डी0 सीमा के अनुरूप, श्रेणी के निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्यो हेतु प्रतिशत दर पर निविदा आमन्त्रित की जाती है। निविदादाता किसी भी कार्य अथवा सभी कार्यो के लिये निविदा डाल सकता है।

1- तालिका के अनुसार कार्यो का विवरण।

क्र0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	कुल लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)
1	2	3	4	5	6	7
		स्वीकृति की प्रत्याशा में सांसद निधि योजना के अन्तर्गत निर्माण कार्यो का विवरण				
1	पीलीभीत।	ग्राम पंचायत कल्यानपुर नौंगवा में अन्तेष्ठि स्थल/शवदाह गृह का निर्माण। विकास खण्ड मरौरी	24.95	0.50	2356	8 माह

2- वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेंन्ट की उपलब्धता की तिथि-10-12-2025

3- ई-निविदा के माध्यम से निविदा करने की अन्तिम तिथि/समय 19-12-2025/दोपहर 12.00 बजे तक।

4- ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि 3/समय 20-12-2025/दोपहर 3:00 बजे।

5- निविदा आमन्त्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज-09 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि-पत्र जारी करने का अधिकार है जो किसी भी समाचार-पत्र में प्रकाशित नही किया जाएगा। सभी संभावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है। कि नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।

अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन करे और बिड डाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करें।

(इं0 सतीश चन्द्र राघवेन्द्र)
अधिशासी अभियन्ता,
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग,
प्रखण्ड-पीलीभीत।
राज्यपाल उ0प्र0 की ओर से

UP - 242035 दिनांकः 05/12/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in
पर उपलब्ध है।

इंडियन बैंक ने रेपो से जुड़ी उधारी दर घटाई

चेन्नई। आरबीआई के रेपो दर में की कटौती के बाद इंडियन बैंक ने अपनी रेपो से जुड़ी प्रधान उधारी दर को 8.2 से घटाकर 7.95 प्रतिशत कर दिया है। बैंक ने कहा कि संशोधित उधारी दरें छह दिसंबर से प्रभावी हैं। रेपो से जुड़ी प्रधान उधारी दर (आरबीएलआर) में 0.25 प्रतिशत की कमी से ग्राहकों के लिए कर्ज सस्ता होगा। आवास ऋण और व्यवसाय ऋण जैसे आरबीएलआर से जुड़े कर्ज लेने वाले ग्राहकों को लाभ होगा।

अमृत विचार
बरेली, रविवार, 7 दिसंबर 2025
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि. 2245, रविन्द्रा 2445, फॉर्चुन 13 किग्रा 1975, जय जवान 1990, सचिन 2020, सूरज 1990, अवसर 1875, उजाला 1910, गृहणी 13 किग्रा 1870, क्लासिक (किग्रा) 2155, मोर 2185, चक्र टिन 2315, ब्लू 2100, आशीर्वाद मस्टर्ड 2330, स्वास्तिक 2505

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 10400, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4360, बहेड़ी 4320

वार्नर ब्रदर्स के अधिग्रहण से एमएआई चिंतित

नई दिल्ली। मल्टीप्लेक्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एमएआई) ने शनिवार को नेटफ्लिक्स द्वारा वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के प्रस्तावित अधिग्रहण पर अपनी चिंता जताई और कहा कि यह भारत के सिनेमाघरों और फिल्म उद्योग के लिए प्रतिस्पर्धा और आर्थिक खतरा पैदा करता है। एमएआई ने कहा कि वार्नर ब्रदर्स को ऐसे स्ट्रीमिंग मंच द्वारा खरीदे जाने से, जो सिनेमाघरों में फिल्में रिलीज करने को महत्व नहीं देता, भारत के फिल्म उद्योग और अर्थव्यवस्था के लिए खतरा है।

सीमा शुल्क को सरल बनाना होगा अगला बड़ा सुधार

केंद्रीय वित्त मंत्री बोलीं - आयकर में जैसी पारदर्शिता लाई गई, वैसा ही सीमा शुल्क में भी करने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

सीतारमण ने की अर्थव्यवस्था के लिए उमर के प्रयासों की तारीफ

सीतारमण ने जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि पर्यटन क्षेत्र को बड़ा झटका लगने के बाद भी केन्द्र शासित प्रदेश की अर्थव्यवस्था को फिर से खड़ा करने का काम चल रहा है। वित्त मंत्री ने 2019 से अब तक देश की आर्थिक यात्रा के बारे में कहा कि इस दौरान एक के बाद एक वैश्विक और घरेलू चुनौतियां आईं। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में चल रहे खास प्रयासों का जिक्र भी किया। पाकिस्तान का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि हमें अपनी सीमाओं पर हमेशा परेशानी का सामना करना पड़ा। उमर ने शुक्रिया करते हुए कहा, अब अगला काम मैम – कृपया मुझे धन दीजिए, क्योंकि पैसा बहुत कम है! उन्होंने माना कि केन्द्र सरकार उनके प्रशासन के लिए बहुत सहयोगी रही है, भले ही इससे कुछ लोग नाराज हो जाएं। उन्होंने कहा कि मैं अपनी हर बात की जिम्मेदारी लेता हूं। अगर मैंने अपनी सरकार और राजनीति को भारत सरकार से अच्छे कामकाजी रिश्ते की तरफ मोड़ा है, तो मैं उसकी जिम्मेदारी लेता हूं और उसके नतीजे भी स्वीकार करूंगा। उन्होंने साफ किया कि केन्द्र से अच्छा रिश्ता होने का मतलब भाजपा से गठबंधन नहीं है। मैं भाजपा की राजनीति से सहमत नहीं हूं, उसका विरोध करता रहूंगा। लेकिन भारत सरकार के साथ जितना अच्छा काम हो सकेगा, करूंगा। जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा से रिश्ते पर उमर ने कहा क ये रिश्ता अभी बन रहा है, बस इतना ही कहूंगा।

आम बजट से पहले केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि सीमा शुल्क को सरल बनाना सरकार का अगला बड़ा सुधार एजेंडा होगा। चालू वित्त वर्ष में सरकार ने आयकर और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में दरों को तर्कसंगत बनाने तथा सरलीकरण जैसे सुधार किए। इससे आम आदमी के हाथ में अधिक नकदी आई और उपभोग बढ़ा।

सीतारमण ने कहा कि हमें सीमा शुल्क का पूरी तरह कायापलट करना है... हमें इसे इतना सरल बनाना है कि लोगों को पालन करना बोझिल न लगे, इसकी पारदर्शिता बढ़ानी होगी। उन्होंने कहा कि आयकर में जैसी पारदर्शिता लाई गई है, वैसा ही सीमा शुल्क में भी करने की जरूरत है। प्रस्तावित सुधार व्यापक होंगे और इसमें सीमा शुल्क दरों को तर्कसंगत बनाना भी शामिल होगा। इसकी घोषणा आगामी बजट में हो सकती है, जिसके एक फरवरी को पेश होने की संभावना है। सीतारमण ने कहा कि पिछले दो साल में हमने सीमा शुल्क दरें लगातार कम की हैं। लेकिन जिन कुछ वस्तुओं पर हमारी दरें इष्टतम स्तर से ऊपर मानी जाती हैं, उन्हें भी नीचे लाना होगा। सीमा शुल्क मेरा अगला बड़ा सफाई अभियान है। इस साल के बजट में अन्य उपायों के साथ औद्योगिक वस्तुओं पर सात अतिरिक्त सीमा शुल्क दरें खत्म करने का प्रस्ताव किया गया था। इससे पिछले साल (23 जुलाई 2024 के बजट भाषण में) भी सात दरें हटाई गई थीं। अब कुल आठ दर स्लैब रह गए हैं, जिनमें शून्य दर भी शामिल है। डॉलर के मुकाबले रुपये के कमजोर होने पर वित्त मंत्री ने कहा कि यह अपने सहज स्तर पर पहुंच जाएगा। वर्ष 2025 में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले करीब पांच प्रतिशत कमजोर हुआ है। उन्होंने भरोसा जताया कि चालू वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि सात प्रतिशत या उससे अधिक रहेगी।

चावल, गेहूं व दालें नरम चीनी मजबूत और खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में शनिवार को चावल की औसत कीमतों में गिरावट रही। गेहूं और दालों के दाम भी घट गये। चीनी में तेजी रही। वहीं, खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया।

- **चावल 38 तो गेहूं नौ रुपये प्रति क्विंटल हुआ सस्ता**

औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 38 रुपये घटकर 3,823.09 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं भी नौ रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ और 2,844.45 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटा आठ रुपये प्रति क्विंटल गिर गया। दाल-दलहनों में गिरावट रही। उड़द दाल 24 रुपये और तुअर दाल 57 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। चना दाल 52 रुपये गिर गया। मसूर दाल की कीमत 54 रुपये और मूंग दाल की 15 रुपये प्रति क्विंटल घट गयी। स्थानीय बाजारों में सरसों तेल औसतन 69 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। अन्य तेलों में नरमी रही। मूंगफली तेल 93 रुपये और पाम ऑयल 28 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। सूरजमुखी तेल की कीमत 14 रुपये और वनस्पति की नौ रुपये घट गयी। सोया तेल में टिकाव रहा। मीठे के बाजार में आज गुड़ की औसत कीमत 11 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। चीनी भी छह रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई।

ईपीसी क्षेत्र बना प्रमुख रोजगार इंजन

मुंबई, एजेंसी

2.5 करोड़ रोजगार सृजित होने की उम्मीद

- **सीआईईएल एचआर के अनुसार भर्ती मांग में 51 प्रतिशत की देखी गई वृद्धि**

देश के इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) क्षेत्र में 2030 तक 2.5 करोड़ से अधिक नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। एचआर समाधान प्रदाता सीआईईएल एचआर के ''ईपीसी क्षेत्र प्रतिभा अध्ययन, 2025'' के अनुसार, ईपीसी क्षेत्र देश के अग्रणी रोजगार सृजनकर्ताओं में एक है और 2020 के बाद से भर्ती मांग में 51 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस समय संगठित और असंगठित दोनों क्षेत्रों को मिलाकर 8.5 करोड़ से अधिक लोग ईपीसी क्षेत्र में काम कर रहे हैं। इनमें से 70–80 लाख पेशेवर देश की शीर्ष ईपीसी कंपनियों में काम करते हैं। सीआईईएल एचआर के प्रबंध निदेशक और सीईओ आदित्य नारायण मिश्रा ने कहा कि जैसे-जैसे देशभर में बुनियादी ढांचे का विकास हो रहा है, भर्ती में भी तेजी आती रहेगी। ईपीसी क्षेत्र से 2030 तक 2.5 करोड़ से अधिक नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। हर साल लाखों लोग रोजगार बाजार में आते हैं और यह क्षेत्र लगातार भारत की कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा अपने भीतर समाहित करता रहेगा।

रिपोर्ट अनुसार, कृत्रिम मेधा (एआई) से ईपीसी क्षेत्र की नौकरियों को खतरा नहीं, बल्कि यह क्षेत्र की रफ्तार को बढ़ाएगा। एआई से परियोजनाओं की दक्षता बढ़ेगी, योजना और इंजीनियरिंग प्रक्रियाएं मजबूत होंगी और आपूर्ति श्रृंखला का प्रबंधन बेहतर होगा, लेकिन इससे मानव संसाधन की मांग कम नहीं होगी। मिश्रा ने कहा कि भारत का विकास मॉडल अब ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच संतुलित वृद्धि पर केंद्रित है। जैसे-जैसे ग्रामीण बुनियादी ढांचे का विस्तार होगा, जनशक्ति की जरूरत और बढ़ेगी। सरकार भी इस विस्तार को तेज करने के लिए निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है।

चक्रीय अर्थव्यवस्था से 20% बढ़ेगी किसानों की आय

सणादर (गुजरात), एजेंसी

- **केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने विश्वास जताया कि पांच वर्षों में दिखाई देगा असर**
- **उर्वरक संयंत्र और दूध पाउडर संयंत्र के शिलान्यास कार्यक्रम को किया संबोधित**

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को विश्वास जताया कि देश भर में चक्रीय अर्थव्यवस्था मॉडल के कार्यान्वयन से पांच वर्षों में डेयरी किसानों की आय में 20 प्रतिशत वृद्धि होगी। शाह ने गुजरात के वाव-थराद जिले के सणादर गांव में आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही, जो डेयरी के जैव-सीएनजी और उर्वरक संयंत्र के उद्घाटन और दूध पाउडर संयंत्र के शिलान्यास पर हुआ था।

उन्होंने इस अवसर पर बनास डेयरी से जुड़े पशुपालकों को संबोधित किया। उन्होंने डेयरी क्षेत्र में चक्रीय अर्थव्यवस्था के सफल मॉडल को विकसित करने के लिए बनास डेयरी के प्रबंधन की सराहना की। इस मॉडल में किसानों के लिए अतिरिक्त आय उत्पन्न करने के कई उपाय शामिल हैं, जैसे कि मवेशियों के गोबर को बायोगैस और जैव-उर्वरक में परिवर्तित करना। चक्रीय अर्थव्यवस्था में चीजों को इस्तेमाल करके फेंकने की बजाय उनकी मरम्मत, पुनर्चक्रण और पुनः उपयोग पर जोर दिया जाता है, जिससे कचरा और प्रदूषण कम होता है और संसाधनों का अधिकतम उपयोग किया जा सकता है। शाह ने बताया कि बनास डेयरी के चक्रीय अर्थव्यवस्था मॉडल को समझने के लिए कई सांसद बनासकांठा आए हैं। उन्होंने कहा कि अब तक हमारी सहकारी डेयरियों को किसानों से दूध खरीदने और दूध उत्पादों को बेचने से होने वाली आय किसानों तक पहुंचाने में बड़ी सफलता मिली है। अब चक्रीय अर्थव्यवस्था पर ध्यान केंद्रित करने का समय आ गया है। इसके तहत किसानों से खरीदे गए मवेशियों के गोबर से उत्पादित बायोगैस व उर्वरक बेचकर डेयरी द्वारा उत्पन्न आय में किसानों को हिस्सा मिलेगा।

मॉडल लागू करने की योजना

अमित शाह ने कहा कि पूरे देश में इस चक्रीय अर्थव्यवस्था मॉडल को लागू करने की ठोस योजना शाम को बनासकांठा में सांसदों की बैठक में सामने आएगी। उन्होंने यह भी बताया कि जनवरी 2026 में सभी प्रमुख सहकारी डेयरियों के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डेयरी द्वारा की गई पहलों को समझने के लिए बनास डेयरी का दौरा करेंगे। शाह ने कहा कि पनीर और दही जैसे सामान्य दूध उत्पादों के अलावा, ऐसे कई उत्पाद हैं जिनकी दुनिया भर में मांग है, लेकिन उनका उत्पादन भारत में नहीं होता। अगर हम इन उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करें, तो डेयरी किसान अतिरिक्त आय कमा सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने कृषि क्षेत्र के लिए तीन और डेयरी क्षेत्र के लिए तीन सहकारी समितियां बनाई हैं। मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि चक्रीय अर्थव्यवस्था अगले पांच वर्षों में डेयरी किसानों की आय में 20 प्रतिशत की वृद्धि करेगी।

राष्ट्रीय

मस्जिद पर भाजपा-टीएमसी में वाकयुद्ध शुरू

टीएमसी पर भाजपा ने लगाया ध्रुवीकरण करने का आरोप, बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी ने इसे बताया निराधार

- **प. बंगाल के मुर्शिदाबाद में 'बाबरी मस्जिद' की तर्ज पर रखी गई नींव से उपजा विवाद**

कोलकाता, एजेंसी

प. बंगाल के मुर्शिदाबाद में 'बाबरी मस्जिद' की तर्ज पर एक मस्जिद की नींव रखने की विधायक हुमायूं कबीर की योजना को लेकर शनिवार को राजनीतिक घमासान मच गया। भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर ध्रुवीकरण का आरोप लगाया जबकि राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी ने इस आरोप को निराधार बताकर खारिज कर दिया। टीएमसी ने कबीर को पार्टी से निलंबित कर दिया है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित मालवीय ने एक्स पर आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राजनीतिक लाभ के लिए मुसलमानों का ध्रुवीकरण करने को विधायक का इस्तेमाल कर रही हैं। उन्होंने दावा किया कि कबीर के समर्थक कथित बाबरी मस्जिद के निर्माण के लिए ईंट ले जाते दिखे और विधायक ने दावा किया है कि उन्हें पुलिस का समर्थन प्राप्त है। मालवीय ने चेतावनी दी कि कोई भी अशांति राष्ट्रीय राजमार्ग 12 को बाधित कर सकती है जो उत्तर बंगाल को दक्षिण बंगाल से जोड़ने वाला मार्ग है। भाजपा नेता दिलीप घोष ने आरोप लगाया कि टीएमसी विधानसभा चुनाव से पहले सांप्रदायिक भावनाएं भड़काने की कोशिश कर रही है। टीएमसी कबीर का इस्तेमाल चुनाव से पहले तनाव पैदा करने के लिए कर रही है।

टीएमसी ने पलटवार करते हुए कबीर पर भाजपा और राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ की मौन सहमति से जिले में शांति भंग करने के लिए उसके एजेंट के तौर पर काम करने का आरोप लगाया। टीएमसी नेता ने आरोप लगाया कि निलंबित विधायक अशांति भड़काने के लिए विपक्षी दल भाजपा के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। मुर्शिदाबाद के लोग शांतिप्रिय हैं और उकसावे का समर्थन नहीं करते। टीएमसी नेता ने भाजपा के आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया।

नफरत फैलाने वालों के खिलाफ लड़ेंगे : ममता

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि नफरत फैलाने वाली सांप्रदायिक शक्तियों के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार देश के संवैधानिक आदर्शों और सिद्धांतों की रक्षा करने और उन्हें मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। टीएमसी के निलंबित विधायक कबीर के बाबरी मस्जिद की तर्ज पर बनी मस्जिद की आधारशिला रखे जाने से पहले बनर्जी का यह बयान आया है। कबीर ने मस्जिद की आधारशिला से जुड़ा समारोह छह दिसंबर यानी आज आयोजित करने घोषणा की।

कांग्रेस ने कोलकाता में निकाली सद्भावना रैली

कोलकाता। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण करने के कथित प्रयासों के खिलाफ नारे लगाते हुए 'सद्भावना रैली' के तहत कोलकाता में उसी सड़क पर स्थित एक मस्जिद से मंदिर तक एक किलोमीटर से अधिक दूरी तक मार्च किया। पार्टी ने लोगों से छह दिसंबर 1992 को बाबरी मस्जिद के विध्वंस के बाद के दिनों को वापस न लाने का आह्वान किया। कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष शुभंकर सरकार ने कहा कि हम यह संदेश देना चाहते हैं कि मंदिर और मस्जिद बनाने से भूखमरी दूर नहीं होगी और लोगों को रोजगार नहीं मिलेंगे। हम हर धर्म का सम्मान करते हैं। हम लोगों की धार्मिक भावनाओं को भड़काकर उन्हें धार्मिक पहचान के आधार पर बांटने की राजनीति के खिलाफ हैं। शुभंकर सरकार और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता भी इस रैली में शामिल हुए।

सीजेआई का कड़ा संदेश...उच्चतम न्यायालय आम लोगों के लिए है

नई दिल्ली, एजेंसी

- **सुप्रीम कोर्ट में कुछ सुधार किए जाएंगे, जिनमें कुछ मुकदमों को प्राथमिकता देना भी शामिल**

- **कहा- उनकी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना कि मुकदमेबाजी की लागत कैसे कम की जाए**

सुप्रीम कोर्ट आम आदमी के लिए होने का कड़ा संदेश देते हुए प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि लंबित मामलों का निश्चित समयसीमा और एकीकृत राष्ट्रीय न्यायिक नीति आधारित शीघ्र फैसला उनकी प्राथमिकता होगी।

सीजेआई सूर्यकांत ने एक कार्यक्रम में न्याय तक पहुंच का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि मुकदमेबाजी की लागत कैसे कम की जाए और मामलों के निर्णय के लिए एक उचित समय-सीमा कैसे निर्धारित की जाए। न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर सीजेआई ने शक्तियों के पृथक्करण के संवैधानिक दर्शन का उल्लेख किया और कहा कि संविधान ने न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका की संबंधित भूमिकाओं को परिभाषित किया है तथा यह सुनिश्चित किया कि कोई एक दूसरे के क्षेत्र का अतिक्रमण नहीं करे।

सीजेआई ने कहा कि उनकी प्राथमिकता लंबित मामलों के लिए निश्चित समय-सीमा और एकीकृत राष्ट्रीय न्यायिक नीति-आधारित शीघ्र निस्तारण की होगी। मैं सभी बकाया मामलों को समाप्त करने की बात नहीं कर रहा हूं। ऐसा नहीं होना चाहिए, क्योंकि मुकदमेबाजी सतत प्रक्रिया है। मामले तो दायर किए जाएंगे, लेकिन जो पुराने मामले हैं, उनसे निपटने की जरूरत है और इसके लिए मध्यस्थता को शक्तिशाली परिवर्तनकारी उपाय के रूप में तलाशने की जरूरत है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि आने वाले दिनों में उच्चतम न्यायालय में कुछ सुधार होंगे, जिनमें कुछ मुकदमों को प्राथमिकता देना भी शामिल है।

न्यायिक प्रणाली के सामने होंगी नई चुनौतियां

सीजेआई ने माना कि न्यायिक प्रणाली के सामने नई चुनौतियां है और उन्होंने डिजिटल अरेस्ट और साइबर अपराधों का हवाला दिया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने मानव संसाधन के इष्टतम उपयोग और निष्पक्ष मूल्यांकन पर कहा कि संस्थान में योग्यता को मान्यता मिलनी चाहिए। उन्होंने न्यायपालिका में विविधता पर कहा कि जिस तरह से समाज विकसित हुआ और देश आगे बढ़ा है, उसमें न्यायिक प्रणाली में परिवर्तन आया है।

रिलायंस व अन्य 10 कंपनियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल

नई दिल्ली, एजेंसी

- **ईडी ने कहा- रिलायंस समूह के अधिकारियों को पता था यह 'फर्जी' बैंक गारंटी है**

ईडी ने निविदा हासिल करने के लिए 68 करोड़ की फर्जी बैंक गारंटी जारी करने से जुड़े धन शोधन के मामले में व्यवसायी अनिल अंबानी की समूह कंपनी रिलायंस पावर और 10 अन्य कंपनियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया। ईडी के अनुसार, रिलायंस समूह के अधिकारियों को अच्छी तरह पता था कि यह 'फर्जी' बैंक गारंटी है।

अभियोजन पक्ष की शिकायत में नामजद अन्य आरोपियों में रिलायंस पावर के पूर्व सीएफओ (मुख्य वित्तीय अधिकारी) अशोक पाल, रिलायंस एनयू बीईएसएस, रोजा पावर सप्लाई कंपनी (रिलायंस पावर की सहायक), ओडिशा स्थित फर्जी कंपनी बिस्वाल ट्रेडलिंक, कंपनी के प्रबंधन निदेशक पी सारथी बिस्वाल, बायोथेन केमिकल्स और व्यापार वित्तपोषण सलाहकार अमर नाथ दत्ता हैं। एजेंसी के अनुसार, कुछ अन्य आरोपियों में रविंदर पाल सिंह चड्ढा, मनोज भैयासाहेब पोंगड़े और पुनीत नरेंद्र गर्ग शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, शुक्रवार को दिल्ली की पटियाला हाउस अदालत में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत आरोपपत्र दाखिल किया गया।

परीक्षा पे चर्चा का नौवां संस्करण जनवरी में, पंजीकरण शुरू

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी का चर्चा कार्यक्रम परीक्षा पे चर्चा का नौवां संस्करण जनवरी 2026 में आयोजित किया जाएगा, जिसके लिए पंजीकरण 11 जनवरी तक खुले हैं। शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत और विदेश के छात्र, अभिभावक और शिक्षक परीक्षा के तनाव पर चर्चा करने और परीक्षाओं को उत्सव व जीवन का अभिन्न अंग मानने को उनके साथ जुड़ेंगे। प्रतिभागियों के चयन के लिए माइजीओवी पोर्टल पर एक दिसंबर 2025 से 11 जनवरी 2026 तक बहुविकल्पीय प्रश्नों वाली ऑनलाइन प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है।

राहुल के खिलाफ मानहानि मामला

ठाणे की अदालत ने सुनवाई 20 दिसंबर तक के लिए की स्थगित

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले की अदालत ने आरएसएस के स्वयंसेवक की ओर से कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि मामले की सुनवाई शनिवार को 20 दिसंबर तक स्थगित कर दी। अदालत ने गवाह की अनुपलब्धता पर यह निर्णय लिया।

राहुल के वकील नारायण अय्यर ने सुनवाई स्थगित किए जाने की पुष्टि करते हुए कहा कि गवाह अशोक सायकर व्यक्तिगत कारणों से पेश नहीं हो सके। सायकर वर्तमान में सोलापुर के बार्शी में पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) हैं। सायकर की गवाही अब 29 दिसंबर को दर्ज किए जाने की संभावना है। उनकी गवाही को महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि 2014 में पुलिस उपनिरीक्षक के रूप में उन्होंने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा-202 के तहत मानहानि मामले की शुरुआती जांच की थी।

दिल्ली में जहरीली हवा से राहत नहीं, एक्यूआई 335

नई दिल्ली, एजेंसी

- **36 निगरानी केंद्रों पर भी वायु गुणवत्ता दर्ज हुई बेहद खराब**

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शनिवार की सुबह भी वायु गुणवत्ता बहेद खराब श्रेणी में बनी रही और सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 335 दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के समीर एप के अनुसार, राजधानी के 36 निगरानी केंद्रों पर भी वायु गुणवत्ता बेहद खराब दर्ज की गई। इन केंद्रों में से वायु गुणवत्ता का सबसे खराब स्तर मुंडका में दर्ज किया गया, जहां एक्यूआई 387 रहा।

जानकारी के अनुसार रविवार को एक्यूआई 279 दर्ज किया गया और सोमवार को यह बढ़कर 304 पहुंच गया। वहीं मंगलवार को एक्यूआई बढ़कर 372 पर पुहंच गया तथा बुधवार को यह 342 रहा। राजधानी में गुरुवार और शुक्रवार को एक्यूआई क्रमशः 304 और 327 रहा जो बेहद खराब श्रेणी में आता है। इस बीच, आज यानी शनिवार को न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.7 डिग्री सेल्सियस कम है तथा सुबह सापेक्षिक आर्द्रता 95 प्रतिशत रही। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

नेशनल हेराल्ड मामला

दिल्ली पुलिस ने भेजा नोटिस शिवकुमार ने बताया उत्पीड़न

बेंगलुरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने नेशनल हेराल्ड मामले की जांच के तहत वित्तीय और लेनदेन संबंधी विवरण मांगने के लिए दिल्ली पुलिस से जारी नोटिस को उत्पीड़न करार दिया। उन्होंने कहा कि वह इसे कानूनी रूप से चुनौती देंगे।

कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष शिवकुमार ने इस कदम की निंदा करते हुए सवाल किया कि जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पहले ही इस मामले में आरोप पत्र दाखिल कर चुका है, तो अलग से पुलिस जांच की क्या जरूरत है। आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) से जारी नोटिस में कहा गया है कि शिवकुमार के पास नेशनल हेराल्ड मामले से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी होने की संभावना है। इस साल अक्टूबर को कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ यह मामला दर्ज किया गया था। शिवकुमार ने कहा कि यह मेरे लिए बहुत चौंकाने वाला है।

वर्ल्ड ब्रीफ

गाजा चलाने के लिए अंतरराष्ट्रीय निकाय की घोषणा इसी महीने

दोहा। अमेरिका की मध्यस्थता में हुए युद्ध विराम समझौते के अगले चरण के तहत गाजा का संचालन करने के लिए वर्ष के अंत तक एक अंतरराष्ट्रीय निकाय की घोषणा होने की संभावना है। एक अरब अधिकारी और पश्चिमी राजनयिक के मुताबिक समझौते के अनुसार, शांति बोर्ड के नाम से जाना जाने वाला और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अध्यक्षता वाला यह निकाय दो साल के संयुक्त राष्ट्र अधिदेश के तहत गाजा के पुनर्निर्माण की देखरेख करेगा। अरब अधिकारी और पश्चिमी राजनयिक ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर बताया कि इस निकाय में पश्चिम एशिया और पश्चिमी देशों के लगभग एक दर्जन अन्य नेता भी शामिल होंगे।

दक्षिण अफ्रीका के हॉस्टल में फिर गोलीबारी, 11 की मौत

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका की राजधानी प्रिटोरिया के शहर ऐटरिजविल के सॉल्सविल हॉस्टल में गोलीबारी की घटना में तीन नाबालिगों सहित 11 लोगों की मौत हो गई। यह हमला शनिवार सुबह हॉस्टल के अंदर चल रहे एक गैरकानूनी शराबखाने में हुआ। पुलिस के मुताबिक, 25 लोगों को गोली मारी गई, जिसमें चौदह लोग घायल हो गए और 11 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक तीन साल का लड़का, एक 12 साल का लड़का, एक 16 साल की लड़की और आठ वयस्क शामिल थे। इस हत्याकांड ने देश के शहरी हॉस्टलों में बढ़ती अराजकता से जुड़ी चिंताओं को एक बार फिर हवा दी है। हालिया घटनाओं का पैटर्न बताता है कि ये हॉस्टल ऐसा ठिकाना बन गए हैं जहां आपराधिक गिरोह बेरोकटोक काम करते हैं।

इटली को 100 जेएसएसएम मिसाइलें बेचेगा अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका ने आकाश से धरती पर मार करने वाली ज्वाइंट एयर-टू-सरफेस स्टैंडऑफ (जेएएसएसएस) मिसाइलों और उनसे संबंधित उपकरणों को इटली को बेचने पर सहमति जताई है। इस सौदे की अनुमानित लागत 30 करोड़ 10लाख अमेरिकी डॉलर है। अमेरिका की डिफेंस सिक्योरिटी कोऑपरेशन एजेंसी (डीएससीए) ने एक बयान में कहा, स्टेट डिपार्टमेंट ने इटली सरकार को विस्तारित रेंज वाली जेएएसएसएस मिसाइलें और संबंधित उपकरण बेचने की संभावित विदेश सैन्य बिक्री को मंजूरी दे दी है। इस बारे में कांग्रेस को आवश्यक सूचना भेज दी गई है। इटली सरकार ने अमेरिका से विस्तारित रेंज की 100 जेएएसएसएम मिसाइलें खरीदने का अनुरोध किया है, जिनकी लागत 30 करोड़ 10 लाख डॉलर है।

अमेरिका: घर में आग लगने से झुलसी भारतीय छात्रा की मौत

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका के न्यूयॉर्क में एक घर में आग लगने से गंभीर रूप से झुलसी 24 वर्षीय एक भारतीय छात्रा की मौत हो गई। भारतीय मिशन की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक सहजा रेड्डी उदुमाला न्यूयॉर्क के अल्बानी में मास्टर डिग्री की पढ़ाई कर रही थीं।

न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने शुक्रवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि उन्हें उदुमाला के असामयिक निधन पर गहरा दुख है, जिन्होंने अल्बानी के एक घर में आग लगने की घटना में अपनी जान गंवा दी। वाणिज्य दूतावास ने कहा, इस कठिन समय में हम उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। दूतावास ने यह भी कहा कि वह उदुमाला के परिवार के संपर्क में हैं और हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। अल्बानी पुलिस विभाग ने एक बयान में बताया कि पुलिसकर्मियों और अल्बानी अग्निशमन विभाग ने चार दिसंबर की सुबह घर में लगी आग पर तुरंत कार्रवाई की।

● न्यूयॉर्क के अल्बानी में मास्टर डिग्री की पढ़ाई कर रही थीं सहजा रेड्डी

विलुप्त होने से फिर बसाए जाने तक

भारत में चीतों का एक लंबा इतिहास रहा है, खासकर मुगल सम्राटों के शासनकाल में। सम्राट अकबर के शासन में नौ से दस हजार चीते थे, जिनका वे शिकार करते थे और पालतू भी बनाते थे। शिकार और प्राकृतिक आवास की कमी की वजह से ही चीतों की संख्या में धीरे-धीरे कमी आनी शुरू हुई। 20वीं शताब्दी तक चीतों की आबादी में भारी गिरावट आई। भारत सरकार ने 1952 में आधिकारिक तौर पर एशियाई चीता को देश में विलुप्त घोषित कर दिया था। इसके 70 साल बाद, भारत सरकार ने 'प्रोजेक्ट चीता' लॉन्च किया जिसके तहत सितंबर 2022 में नामीबिया से आठ और 2023 में दक्षिण अफ्रीका से 12 चीतों को मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में लाया गया। इन चीतों को लंबे समय तक भारतीय जलवायु के साथ सामंजस्य बनाने के लिए संघर्ष करना

भारत में चीतों का कुनबा

भारत में विलुप्त होने के कारण

- मुगल और ब्रिटिश काल के दौरान बड़े पैमाने पर शिकार और उन्हें पालतू बनाने के लिए के कारण संख्या में चीतों की संख्या में भारी कमी आई।
- घास के मैदानों और खुले जंगलों का कृषि और अन्य मानवीय गतिविधियों के लिए उपयोग करने से चीतों के प्राकृतिक आवास नष्ट हो गए।
- प्राकृतिक आवास के नुकसान के कारण चीतों के प्राथमिक शिकार जानवरों की संख्या भी कम हो गई, इससे उनके लिए भोजन की कमी हुई।

विलुप्तीकरण की घोषणा

- 1947 में छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले के महाराजा रामानुज प्रताप सिंह देव द्वारा देश में बचे अंतिम तीन चीतों का शिकार करने की पुष्टि हुई थी।
- काफी समय तक कोई चीता न दिखने पर आधिकारिक तौर पर भारत सरकार की ओर से 1952 में चीतों को देश से विलुप्त घोषित कर दिया गया था।

भारत की पारिस्थितिकी में महत्व

- चीता घासभूमि पारिस्थितिकी तंत्र में शीर्ष शिकारी है और कृषि को नुकसान पहुंचाने वाले हिरण और चौसिंगा का शिकार करता है।
- चीता प्रमुख प्रजाति है जिसके संरक्षण से उसके पूरे आवास घासभूमि व अर्ध शुष्क क्षेत्र और कमजोर प्रजातियों का भी संरक्षण होता है।
- चीतों की मौजूदगी से पारिस्थितिक संतुलन बहाल होता है, जिससे क्षेत्र में जैव विविधता विकसित होने का महत्वपूर्ण लाभ मिलता है।
- नामीबिया में चीतों की सबसे बड़ी आबादी है। अधिकांश चीते अफ्रीका के छह देशों में हैं। कुछ एशियाई चीते ईरान में ही बचे है।

भारत में चीतों का पुनर्वास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसके लिए पहल की। प्रोजेक्ट चीताके तहत 17 सितंबर 2022 को नामीबिया से लाए गए आठ चीते कूनो राष्ट्रीय उद्यान में बसाए गए। इसके बाद 2023 में दक्षिण अफ्रीका से भी कुछ चीते लाए गए। कूनो राष्ट्रीय उद्यान के बाद गांधी सागर अभयारण्य में भी इन चीतों को बसाया गया। भारत में चीतों की आधिकारिक तौर पर नवीनतम गिनती दिसंबर 2024 में जारी की गई थी, जिसमें बताया गया था कि कूनो राष्ट्रीय उद्यान और गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य में 26 वयस्क चीते और 13 शावक हैं।

अफ्रीकी-एशियाई चीतों में अंतर

- अफ्रीकी चीतों के आहार में विविधता होती है, वे कई तरह के शिकार करते हैं लेकिन एशियाई चीते चिंकारा, काला हिरण जैसे मध्यम शिकार पर ही निर्भर रहते हैं।
- एशियाई चीते तुलनात्मक रूप से छोटे होते हैं, लेकिन उनके शरीर पर फर मोटा और गर्दन अधिक शक्तिशाली होती है। पैर पतले होते हैं जिनकी वजह से तेज दौड़ते हैं।
- डीएनए विश्लेषण से पता चला है कि एशियाई चीते में अलग आनुवंशिक विशिष्टता है जो संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण है। वे जलवायु के प्रति ज्यादा संवेदनशील होते हैं।

भारत-रूस संबंध वैश्विक स्तर पर लंबे समय से सबसे स्थिर : जयशंकर

कहा- पुतिन की यात्रा से अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर नहीं पड़ेगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि भारत-रूस साझेदारी पिछले 70-80 वर्षों में सबसे स्थिर और अहम संबंधों में से एक रही है और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नई दिल्ली यात्रा का उद्देश्य आर्थिक सहयोग पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए इन संबंधों को फिर से परिभाषित करना था। जयशंकर ने इस विचार से असहमति जताई कि पुतिन की यात्रा भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर जारी वार्ताओं को जटिल बना सकती है।

जयशंकर ने एक कार्यक्रम में पुतिन की यात्रा से अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता पर असर पड़ने के सवाल पर कहा, हर कोई जानता है कि भारत के दुनिया के सभी प्रमुख देशों के साथ बेहतर संबंध हैं। मुझे लगता है कि किसी भी देश की ऐसी अपेक्षा उचित नहीं है कि उसे यह कहने या दखल देने का हक है कि हमारे दूसरे देशों के साथ रिश्ते कैसे हों। उन्होंने कहा, क्योंकि याद रखिए, दूसरे देश भी वही अपेक्षा कर सकते हैं। मेरा मानना है कि हमने हमेशा स्पष्ट किया है कि हमारे अनेक देशों के साथ संबंध हैं। हमारे पास अपनी पसंद की आजादी है। जयशंकर ने कहा, हम जिसे रणनीतिक स्वायत्तता कहते हैं, उसके बारे में लगातार बात करते रहे हैं और वह जारी भी है। मुझे समझ नहीं आता कि किसी के पास इसके विपरीत अपेक्षा करने का कोई कारण क्यों होना चाहिए।

पुतिन की दो दिवसीय भारत यात्रा पर जयशंकर ने कहा कि भारत जैसे बड़े और उभरते देश के लिए अपनी पसंद की स्वतंत्रता के अनुरूप दुनिया में अधिक से अधिक देशों के साथ बेहतर सहयोग को बनाए रखना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, अगर आप भारत-रूस संबंधों को देखें, तो दुनिया ने पिछले 70-80 सालों में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। मैंने पहले भी कहा है और मैं इसे फिर से कहूंगा कि भारत और रूस के बीच संबंध दुनिया के सबसे स्थिर और मजबूत संबंधों में से एक रहे हैं। जयशंकर ने कहा, यहां तक कि रूस के चीन, अमेरिका या यूरोप के साथ संबंधों में उतार-चढ़ाव आते रहे हैं। इनमें से कई देशों के साथ हमारे संबंधों में भी उतार-चढ़ाव आए हैं।

नई दिल्ली से प्रस्थान की तैयारी के बीच पुतिन से भेंट करते जयशंकर।

चीन के साथ कई मुद्दे हैं, कुछ सरल कुछ कठिन

चीन के साथ भारत के संबंधों पर जयशंकर ने कहा कि नई दिल्ली ने जो मुख्य बात कही वह यह थी कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द अच्छे संबंधों के लिए पूर्व शर्त है और इसे बनाए रखा जा रहा है तथा इसे और मजबूत बनाया जा रहा है। लेकिन ऐसा नहीं है कि संबंधों में यही एकमात्र मुद्दा था। कई अन्य मुद्दे भी थे, जिनमें से कुछ गलवान से पहले के थे। इसलिए व्यापार के मुद्दे हैं, निवेश के मुद्दे हैं, प्रतिस्पर्धा के मुद्दे हैं, सब्सिडी के मुद्दे हैं, निष्पक्षता के मुद्दे हैं, पारदर्शिता के मुद्दे हैं। उन्होंने कहा, ये भी वास्तविक मुद्दे हैं। हम इनमें से कुछ को सुलझाने का प्रयास कर रहे हैं। इनमें से कुछ सरल हैं, कुछ कठिन।

व्यापार वाशिंगटन की सोच का केंद्र बिंदु, हम सामना करने को तैयार

विदेश मंत्री ने स्वीकार किया कि ट्रंप प्रशासन का ध्यान व्यापार पर रहा है। कहा, इस दिशा में भारत का दृष्टिकोण पूरी तरह राष्ट्रीय हितों से प्रेरित है। उन्होंने कहा, इस समय व्यापार सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है। यह स्पष्ट रूप से वाशिंगटन की सोच का केन्द्र बिन्दु है, यह पहले की सरकारों की तुलना में कहीं अधिक महत्वपूर्ण है, जिसे हमने पहचाना है और हम उचित शर्तों पर इसका सामना करने के लिए तैयार हैं। मेरा मतलब है, आपमें से जो लोग सोचते हैं कि कूटनीति का मतलब किसी और को खुश करना है तो माफ कीजिए, मेरी कूटनीति की यह धारणा नहीं है। मेरे लिए कूटनीति का मतलब हमारे राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना है।

- पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में जयशंकर ने कहा कि भारत की ज्यादातर समस्याएं उस देश की सेना से उत्पन्न होती हैं और उन्होंने आतंकवादी समूहों को उसके समर्थन का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जैसे अच्छे आतंकवादी और बुरे आतंकवादी होते हैं, वैसे ही अच्छे सैन्य नेता भी होते हैं और कुछ इतने अच्छे नहीं भी होते।

डीआरडीओ ने सशस्त्र बलों को सात नव विकसित प्रौद्योगिकियां सौंपीं

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने लंबे समय तक पानी में सेंसरिंग एवं निगरानी के लिए उपयोगी 'लॉन्ग लाइफ सीवाटर बैटरी सिस्टम' और तेज इंटरसेप्टर नौकाओं के लिए वॉटरजेट प्रणोदन प्रणाली समेत सात प्रौद्योगिकियां सशस्त्र बलों को सौंपी हैं। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक ये प्रौद्योगिकियां प्रौद्योगिकी विकास निधि (टीडीएफ) योजना के तहत विकसित की गई हैं।

रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, डीआरडीओ ने टीडीएफ योजना के तहत विकसित सात प्रौद्योगिकियां सेना के तीनों अंगों को सौंप दी हैं। इन प्रौद्योगिकियों में हवाई आत्म सुरक्षा जैमर्स के लिए स्वदेशी उच्च-वोल्टेज विद्युत आपूर्ति, नौसेना जेटी के लिए ज्वार-कुशल गैंगवे, उन्नत अति निम्न आवृत्ति-उच्च आवृत्ति 'स्विचिंग

● प्रौद्योगिकी विकास निधि योजना के तहत की गई हैं विकसित, सेना के तीनों अंग करेंगे इस्तेमाल

मैट्रिक्स' प्रणालियां, पानी के नीचे प्लेटफार्म के लिए 'वीएलएफ लूप एरियल', तीव्र अवरोधक के लिए स्वदेशी वॉटरजेट प्रणोदन प्रणाली, प्रयुक्त लिथियम-आयन बैटरियों से 'लिथियम प्रीकर्सर' की पुनर्प्राप्ति की नई प्रक्रिया और पानी के भीतर दीर्घकालीन संवेदन एवं निगरानी अनुप्रयोगों के लिए दीर्घ समय तक काम करने में सक्षम समुद्री जल बैटरी प्रणाली शामिल हैं।

मंत्रालय ने कहा कि इन सभी प्रौद्योगिकियों/उत्पादों को भारतीय रक्षा उद्योग द्वारा डीआरडीओ के विशेषज्ञों एवं तीनों सेनाओं के निकट सहयोग एवं मार्गदर्शन के साथ डिजाइन, विकसित और व्यापक परीक्षणों के माध्यम से तैयार किया गया है। मंत्रालय के अनुसार यह सफलता आयात प्रतिस्थापन एवं महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के स्वदेशी विकास पर टीडीएफ योजना के ध्यान केंद्रित किए जाने को दर्शाती है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत की अध्यक्षता में दो दिसंबर, 2025 को नई दिल्ली स्थित डीआरडीओ भवन में डीआरडीओ की उच्चाधिकार प्राप्त समिति की बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में सशस्त्र बलों, रक्षा उत्पादन विभाग और डीआरडीओ के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। इस दौरान इन प्रौद्योगिकियों को सशस्त्र बलों को औपचारिक रूप से सौंपा गया।

पाकिस्तान: 10 लाख डॉलर से ज्यादा की नशीली गोलियां जब्त

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिणी सिंध प्रांत में एक तस्कर-विरोधी अभियान में प्रशासन ने लगभग 29.98 करोड़ पाकिस्तानी रुपये (लगभग 10 लाख अमेरिकी डॉलर) की नशीली गोलियों की एक बड़ी खेप बरामद की है। हवाई अड्डे पर बरामद नशे की इस खेप को जर्मनी से लाया गया था और स्पीकर और एलईडी लैंप के अंदर छिपाया गया था।

इजराइल से नए साल के शुरू में भारत को मिलेगी एलएमजी की पहली खेप

यरूशलम, एजेंसी

इजराइल की एक प्रमुख रक्षा कंपनी ने बताया कि उसकी योजना अगले साल की शुरुआत में भारत को 40,000 लाइट मशीन गन (एलएमजी) की पहली खेप की आपूर्ति करने की है जबकि लगभग 1,70,000 नए जमाने की कार्बाइन की आपूर्ति के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर से जुड़ी प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

'इजराइल वेपन इंडस्ट्रीज' (आईडब्ल्यूआई) के सीईओ शुकी श्वाट्र्ज ने यह भी बताया कि उनकी कंपनी वर्तमान में भारत के गृह मंत्रालय की विभिन्न एजेंसियों के साथ मिलकर पिस्टल, राइफल और मशीन गन सहित उनके उत्पादों का विपणन कर रही है। श्वाट्र्ज ने कहा, हम अभी तीन महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में शामिल हैं। पहला, 40,000 लाइट मशीन गन का अनुबंध, जिस पर पिछले साल हस्ताक्षर किए गए थे। हमने सभी परीक्षण और सरकारी जांच पूरी कर ली है तथा हमें

● नए जमाने की कार्बाइन की आपूर्ति के लिए अनुबंध भी अंतिम चरण में

उत्पादन का लाइसेंस मिल गया है। हमारा इरादा साल की शुरुआत में पहली खेप की आपूर्ति करने का है। उन्होंने कहा, एलएमजी की आपूर्ति पांच साल के लिए है। हम इसे और भी जल्दी दे सकते हैं लेकिन पहली आपूर्ति साल की शुरुआत में होगी। श्वाट्र्ज ने बताया कि दूसरे कार्यक्रम में सीक्यूबी (क्लोज क्वार्टर्स बैटल) कार्बाइन निविदा शामिल है।

उन्होंने बताया, हमारा इरादा अनुबंध का 40 प्रतिशत आपूर्ति करने का है। हम अनुबंध पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया में हैं और मेरा मानना है कि इस साल के अंत या अगले साल की शुरुआत तक इसे अंतिम रूप दे दिया जाएगा।'सीक्यूबी कार्बाइन' की आपूर्ति का 60 प्रतिशत 'भारत फोर्ज' करेगा जबकि शेष 40 प्रतिशत (170,000 इकाइयां) अदाणी समूह की सहायक कंपनी पीएलआर सिस्टम्स द्वारा वितरित की जाएंगी।

सशस्त्र सेना दिवस मना रहे यूक्रेन पर रूस का बड़ा हमला

कीव, एजेंसी

रूस ने शुक्रवार को पूरी रात अपना सशस्त्र सेना दिवस मना रहे यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। इससे पहले, अमेरिका और यूक्रेन के अधिकारियों ने कहा था कि वे चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के वास्ते तीसरे दिन की वार्ता के लिए शनिवार को मिलेंगे।

बातचीत में युद्ध के बाद यूक्रेन के लिए एक सुरक्षा तंत्र तैयार करने की दिशा में हुई प्रगति के उपरांत दोनों पक्षों ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी समझौते की दिशा में आगे बढ़ना

● अमेरिका और यूक्रेन में वार्ता होने से पहले बरसाए ड्रोन, मिसाइलें

इस पर निर्भर करेगा कि रूस कितनी गंभीरता दिखाता है। अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और यूक्रेन के वार्ताकार रुस्टेम उमेरोव तथा आंद्रिय ह्नातोव की ओर से यह बयान शुक्रवार को फ्लोरिडा में हुई दूसरे दिन की बैठक के बाद आया। उन्होंने अब तक हुई प्रगति के बारे में मोटे तौर पर कुछ ही बातें बताईं। ट्रंप चाहते हैं कि कीव और मॉस्को युद्ध समाप्त करने के लिए अमेरिका की ओर से तैयार मध्यस्थता प्रस्ताव पर सहमत हों।

पाकिस्तान व अफगान बलों के बीच चमन सीमा पर गोलीबारी

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी और अफगान बलों के बीच चमन सीमा पर भारी गोलीबारी हुई है। जिला अस्पताल में घायलों को लाया गया है लेकिन इस गोलीबारी में कोई मारा नहीं गया है।

दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर देर रात बलूचिस्तान प्रांत से लगी सीमा पर गोलीबारी का आरोप लगाया। पाकिस्तानी अधिकारियों ने कहा कि अफगान बलों ने बदानी इलाके में मोर्टार दागे थे, अफगान तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने आरोप लगाया कि स्पिन बोल्दक पर हमला पाकिस्तान ने किया था।

भारत-अमेरिका ने लश्कर, जैश के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र से पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठनों लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद, उनके छद्म समूहों और समर्थकों के खिलाफ संपत्ति कुर्क करने और हथियार प्रतिबंध जैसे अतिरिक्त दंडात्मक उपायों की मांग की है। दोनों पक्षों ने आईएसआईएस और अलकायदा से जुड़े संगठनों पर और अधिक प्रतिबंध घोषित करने की भी मांग की।

इन समूहों को संयुक्त राष्ट्र द्वारा

● कहा- संपत्ति कुर्की और हथियार प्रतिबंध जैसे अतिरिक्त दंड लगें

आतंकवादी घोषित किया गया था और वे पहले से ही वैश्विक निकाय की प्रतिबंध व्यवस्था के तहत विभिन्न दंडात्मक कार्रवाइयों का सामना कर रहे हैं। भारत और अमेरिका ने अपने आतंकवाद-रोधी संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की बैठक के साथ-साथ तीन दिसंबर को नई दिल्ली में आयोजित 'डेजिगनेशंस डायलॉग' के दौरान आतंकवाद से निपटने के लिए सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

वार्ता में, भारतीय पक्ष ने लश्कर से जुड़े 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) को एक विदेशी आतंकवादी संगठन और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी की सूची में डालने के लिए अमेरिकी विदेश विभाग को धन्यवाद दिया।

टीआरएफ ने पहलगाम हमले की जिम्मेदारी ली थी। शनिवार को जारी संयुक्त वक्तव्य के अनुसार, दोनों पक्षों ने इस बात पर जोर दिया कि आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए सतत और व्यापक तरीके से ठोस कार्रवाई की आवश्यकता है।

आज की ग्रह स्थिति: 7 दिसंबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, तृतीया 06.24 तक तत्पश्चात चतुर्थी।

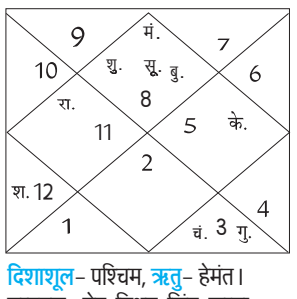

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
ताराबल-भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- पुनर्वसु 08 दिसंबर 04.11 तक तत्पश्चात पुष्य।

मेष — आज राजनीतिक लोगों को काफी अच्छे अवसर मिलेंगे। जीवनसाथी के साथ महत्वपूर्ण चर्चाओं का आनंद लेंगे। घर का वातावरण अनुशासित और मर्यादित रहेगा। व्यवसाय में आपको बड़ी उपलब्धियां मिलने के योग बन रहे हैं।

वृष — आज तकनीकी शिक्षा ले रहे लोगों को पढ़ाई में परेशानी होगी। मनोरंजक यात्राओं का आनंद लेंगे। क्रोध व उतेजना पर नियंत्रण रखें। बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान दें। अपनी कमियों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। किसी से अधिक अपेक्षा रखना उचित नहीं है।

मिथुन — आज अपने काम पर विश्वास बनाए रखें। विदेशी कंपनियों से जॉब के नए विकल्प मिल सकते हैं। कला और खेलकूद में आप अत्यधिक रुचि ले सकते हैं। जो भी काम करें उसे पूरे मनोयोग से करें। नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा है।

कर्क — आज पुराने रोग उभर के सामने आ सकते हैं। खांसी-जुकाम की समस्या होने की संभावना है। बदलते मौसम और ठंड से आपको बचना चाहिए। माता के साथ अपने संबंध अच्छे रखें। आपको आज काफी थकाऊ यात्राएं करनी पड़ सकती हैं।

सिंह — आज परिजनों पर धन खर्च करेंगे। गैरकानूनी कार्यों में रुचि ले सकते हैं। आप लोगों की सहायता करने को लेकर अत्यधिक प्रसिद्ध हो सकते हैं। आपकी दबी हुई इच्छाएं पूर्ण हो सकती हैं। सभी कार्य तीव्र गति से पूर्ण होंगे।

कन्या — आज कारोबार में योजनाएं बदलनी पड़ सकती हैं। समाजसेवा में आप अत्यधिक रुचि लेंगे। स्थाई संपत्ति में वृद्धि होगी। किसी उत्सव के लिए जा सकते हैं। वैवाहिक संबंधों में थोड़ी अनबन के बाद सब कुछ सामान्य हो जायेगा।

तुला — आज कार्यक्षेत्र में आपके काम की प्रशंसा नहीं होगी। मेहनत करने के बाद ही इच्छित परिणाम मिलने में कठिनाई होगी। उधार में किसी को धन न दें। जीवनसाथी के साथ कलह हो सकती है। यात्रा में काफी परेशानियां होंगी।

वृश्चिक — आज व्यर्थ के खर्चों में बढ़ोत्तरी होगी। आर्थिक मामलों को लेकर थोड़े लापरवाह हो सकते हैं। समय रहते समस्याओं को सुलझाना अत्यन्त आवश्यक है। मित्रों के साथ अनबन हो सकती है। शुगर के रोगियों को स्वास्थ्य समस्या होने की आशंका है।

धनु — आज सरकारी नौकरी कर रहे लोगों को अधिकारियों की मदद मिलेगी। दिल की बजाय दिमाग से काम लें। जीवनसाथी की सलाह आपके आत्मबल को बढ़ायेगी। नए लोगों के साथ संपर्क विकसित होंगे। धन के मामलों में बड़ी सफलता मिलने के योग बन रहे हैं।

मकर — आज पैतृक व्यवसाय में आपको कुछ सुधार करने की आश्यकता है। किसी बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। नए लोगों के साथ आपके संपर्क बनेंगे। घर में धर्म-कर्म का वातावरण रहेगा। बिना विचार करे कोई काम न करें। में अत्यधिक परिश्रम करेंगे।

कुंभ — आज बुरे लोगों की संगत से बचें। अनावश्यक बातों को महत्व न दें। कमीशन संबंधी कार्यों में धन हानि हो सकती है। शंकालु स्वभाव के कारण आपको नुकसान हो सकता है। अत्यधिक व्यस्तता के कारण थोड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

मीन — आज जीवनसाथी से आपकी अपेक्षाएं बढ़ सकती हैं, जो कई बार अव्यवहारिक हो सकती हैं। नए कार्यों की शुरुआत करना उचित नहीं है। अपनी महत्वाकांक्षाओं को अनजान लोगों से व्यक्त न करें। अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें। वाहन चलाते समय सावधानी रखनी चाहिए।

सुडोकू -183

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1			3					
7								
			2	6				
8								
				9				
						8		
	1							9

सुडोकू - 182 का हल

5	1	6	8	2	7	4	3	9
4	2	8	5	9	3	1	6	7
7	3	9	1	6	4	5	8	2
8	4	5	9	7	2	6	1	3
1	7	3	6	5	8	9	2	4
6	9	2	3	4	1	7	5	8
2	5	4	7	8	6	3	9	1
3	6	7	2	1	9	8	4	5
9	8	1	4	3	5	2	7	6

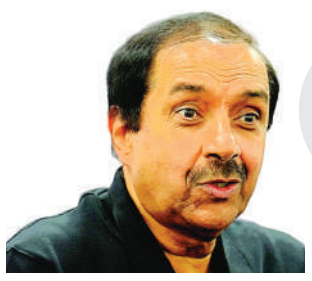

सीनियर हॉकी विश्व कप के लिए कई पहलुओं पर विचार करना होगा। हम अभी टीमों की संख्या बढ़ाने के लिए तैयार नहीं हैं, क्योंकि शीर्ष देश वैसे भी प्रो लीग में खेल रहे हैं।

-तैयब इकराम,
अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ के अध्यक्ष

स्टेडियम

बरेली, रविवार, 7 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

मंधाना सोशल मीडिया मंच पर फिर सक्रिय

नई दिल्ली : भारतीय महिला टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना अपनी शादी टलने के लगभग दो हफ्ते बाद करियर और क्रिकेट सफर पर फोकस करते हुए सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम फिर से सक्रिय हो गई हैं। सिंगर-कंपोजर पलाश मुच्छल के साथ उनकी शादी 23 नवंबर को होने वाली थी। उनके पिता की अचानक तबीयत खराब होने के कारण इसे टाल दिया गया है। मंधाना ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर एक पेड पार्टनरशिप वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने अपने क्रिकेट सफर और करियर के बारे में बात की। शादी कैंसिल होने के बाद यह उनकी पहली पब्लिक अपीयरेंस है। फैंस ने तुरंत कमेंट्स में सपोर्ट और खुशी के मैसेज भेजे।

प्रो कुश्ती लीग 15 जनवरी से होगी

नई दिल्ली : प्रो कुश्ती लीग (पीडब्ल्यूएल) अगले साल 15 जनवरी से शुरू होगी और एक फरवरी तक चलेगी। इसके सभी मैच नोएडा इंडोर स्टेडियम में होंगे। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने शनिवार को यह घोषणा की। आयोजकों ने पहले घोषणा की थी कि लीग के लिए दिल्ली एकमात्र स्थल होगा। इस लीग को कोविड-19 महामारी के कारण चार सत्रों के बाद निलंबित कर दिया गया था। डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष संजय सिंह के अनुसार 20 से अधिक देशों के 300 से अधिक पहलवानों ने नीलामी के लिए पंजीकरण कराया है। इन खिलाड़ियों में ओलंपिक पदक विजेता, विश्व चैंपियनशिप के फाइनलिस्ट और भारत के शीर्ष पहलवान शामिल हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी छह टीमों में चार महिला पहलवानों सहित नौ पहलवान शामिल होंगे।

यशस्वी जायसवाल।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका से हिसाब किया बराबर

वनडे सीरीज 2-1 से जीती, कुलदीप, कृष्णा व शतकवीर यशस्वी चमके

विशाखापत्तनम, एजेंसी

कुलदीप यादव और प्रसिद्ध कृष्णा की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद यशस्वी जायसवाल (नाबाद 116) की शतकीय पारी के बूते भारतीय टीम ने तीसरे और निर्णायक वनडे में शनिवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को 61 गेंद शेष रहते नौ विकेट से हराकर शृंखला 2-1 से जीत ली। कुलदीप (10 ओवर में 41 रन) और कृष्णा (9.5 ओवर में 66 रन) ने चार-चार विकेट लिए जिससे क्विंटन डिकॉक (106) की शतकीय पारी के बावजूद दक्षिण अफ्रीका की टीम 47.5 ओवर में 270 रन पर आउट हो गई। भारत ने 39.5 ओवर में एक विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस तरह उसने टेस्ट शृंखला में मिली 0-2 की हार की निराशा को कुछ हद तक कम किया। दोनों टीमें अब नौ दिसंबर से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय शृंखला में भिड़ेंगी।

जायसवाल ने अपनी नाबाद शतकीय पारी के दौरान 121 गेंदों में 12 चौके और दो छक्के लगाने के अलावा रोहित शर्मा (75) के साथ पहले विकेट के लिए 155 और विराट कोहली (नाबाद 65) के साथ दूसरे विकेट के लिए 116 रन की अटूट साझेदारी कर टीम की जीत पक्की की। रोहित ने 73 गेंद की पारी में सात चौके और तीन छक्के जड़े जिसमें लुंगी एनगिडी के खिलाफ पुल शॉट पर लगाया छक्का दिलकश था।

कोहली ने भी शानदार लय जारी रखते हुए 45 गेंद की नाबाद पारी में छह चौके और तीन छक्के जड़ें। दक्षिण अफ्रीका के लिए एकमात्र सफलता केशव महाराज (40 ओवर में 44 रन को मिली। डिकॉक ने 89 गेंद की पारी में आठ चौके और छह छक्के की मदद से 106 रन बनाने के अलावा कप्तान तेम्बा बावुमा (48) के साथ दूसरे विकेट के लिए 113 और मैथ्यू ब्रीट्जके (24) के साथ तीसरे विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी की। दक्षिण अफ्रीका 28वें ओवर तक दो विकेट पर 167 रन बनाकर बड़े स्कोर की तरफ बढ़ रहा था लेकिन कृष्णा ने 29वें ओवर में ब्रीट्जके और एडेन मारक्रम (एक) के रूप में दो विकेट लेकर भारत को वापसी कराने के बाद डिकॉक को भी चलता किया। इसके बाद कुलदीप ने डेवाल्ड ब्रेविस (29), मार्को यानसन (17) और कोर्बिन बोश (नौ) जैसे आक्रामक बल्लेबाजों को आउट कर मैच पर भारत का दबदबा बनाये रखा। लक्ष्य का बचाव करते हुए दूधिया रोशनी में दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज नयी गेंद से स्विंग हासिल कर रहे थे जिससे रोहित और जायसवाल ने शुरुआत में सतर्कता बरती। रोहित ने चौथे ओवर में एनगिडी के खिलाफ पारी का पहला चौका जड़ा तो वहीं जायसवाल ने यानसेन की गेंद पर चार रन बटोर कर हाथ खोले।

दक्षिण अफ्रीका

270/10 (47.5 ओवर)

क्विंटन डिकॉक बो कृष्णा	106
रिकलटन का राहुल बो अर्शदीप	00
तेम्बा बावुमा का कोहली बो जडेजा	48
मैथ्यू ब्रीट्जके पगबाधा कृष्णा	24
मार्कर का कोहली बो कृष्णा	01
ब्रेविस का रोहित बो कुलदीप	29
यानसेन का जडेजा बो कुलदीप	17
कोर्बिन बोश का एवं बो कुलदीप	09
केशव महाराज नाबाद	20
लुंगी एनगिडी पगबाधा कुलदीप	01
ओर्टनील बार्टमैन बो कृष्णा	03

गेंदबाजी : अर्शदीप 8-1-36-1, हर्षित 8-2-44-0, कृष्णा 9.5-0-66-4, जडेजा 9-0-50-1, कुलदीप 10-1-41-4, तिलक 3-0-29-0

भारत

271/1 (39.5 ओवर)

यशस्वी जायसवाल नाबाद	116
रोहित का ब्रीट्जके बो महाराज	75
विराट कोहली नाबाद	65

गेंदबाजी : यानसन 8-1-39-0, एनगिडी 6.5-0-56-0, महाराज 10-0-44-1, बार्टमैन 7-0-60-0, बोश 6-0-53-0, मारक्रम 2-0-17-0

रोहित शर्मा के 20,000 रन पूरे

रोहित ने 14 ओवर में महाराज के खिलाफ एक रन चुरा 27 रन के स्कोर पर पहुंचते ही अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट (तीनों प्रारूपों को मिला) में 20,000 रन पूरे किए। वह महान सचिन तेंदुलकर (34357), विराट कोहली (27910) और राहुल द्रविड़ (24208) के बाद ऐसा करने वाले केवल चौथे भारतीय बल्लेबाज है।

भारत के कप्तान केएल राहुल ट्रॉफी के साथ।

कुलदीप यादव।

स्टार्क का बल्ले व गेंद से शानदार प्रदर्शन

ब्रिस्बेन, एजेंसी

ब्रिस्बेन टेस्ट

- ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 511 रन बनाए
- दूसरी पारी में इंग्लैंड छह विकेट गवां कर संघर्षरत

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने शनिवार को बल्ले से बेहतरीन प्रदर्शन के बाद गेंद से भी कमाल दिखाया जिससे इंग्लैंड की टीम दूसरे एशेज क्रिकेट टेस्ट के तीसरे दिन स्टंप तक दूसरी पारी में छह विकेट पर 134 रन बनाकर जूझ रही थी।

पैंतीस साल के स्टार्क ने इस दिन रात्रि मैच में 141 गेंद में 77 रन बनाए जो 2016 के बाद टेस्ट में उनका सबसे बड़ा स्कोर है। उनकी इस पारी से ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 511 रन बनाकर 177 रन की बढ़त हासिल की।

स्टंप तक इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और ऑलराउंडर विल जैक्स दोनों चार रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया को फिर से बल्लेबाजी कराने के लिए 43 रन और बनाने होंगे। स्टार्क को पर्थ में सीरीज के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया की आठ विकेट से शानदार जीत में 10 विकेट लेने के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया था। अब वह एक और पुरस्कार की दौड़ में हैं।स्टार्क ने जो रूट (15 रन) को आउट कर इंग्लैंड का अहम विकेट झटका।

इसके बाद उन्होंने अपने अगले ओवर में जेमी स्मिथ को आउट करके इंग्लैंड का स्कोर छह विकेट पर 128 रन कर दिया जिससे सीरीज में उनके विकेट की संख्या 18 पहुंच गई। स्कॉट बोलैंड और माइकल नेसर ने दो दो विकेट झटके। बोलैंड ने बेन डकेट (15 रन) और हैरी ब्रूक (15) तथा नेसर ने ओली पोप (26) और जैक क्रॉली (44) के विकेट लिए। ऑस्ट्रेलियाई टीम रविवार को जल्दी से चार विकेट झटककर पांच मैच की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल करना चाहेगी।

गिल को पहले टी-20 में खेलने के लिए हरी झंडी

कटक : भारत की टी-20 टीम के उपकप्तान शुभमन गिल को बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) की खेल विज्ञान टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में खेलने की मंजूरी दे दी है।

गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। तब उनकी गर्दन में अकड़न आ गई थी लेकिन अब उन्होंने सफलतापूर्वक रिहैबिलिटेशन पूरा कर लिया है।

जर्मनी के खिलाफ गलतियों से बचना होगा भारत को

चेन्नई, एजेंसी

बेल्जियम को शूटआउट में हराकर जूनियर हॉकी विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय टीम को मौजूदा और सात बार की चैंपियन जर्मनी के खिलाफ रविवार को होने वाले मुकाबले में पिछली गलतियों से सबक लेकर उतरना होगा।

मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम पर शुक्रवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल में 45 मिनट तक एक गोल से पिछड़ने के बाद भारत ने तीन मिनट में दो गोल करके बढत बना ली थी लेकिन 59वें मिनट में बेल्जियम ने गोल करके मैच को शूटआउट में खींच दिया जिसमे गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह के उम्दा प्रदर्शन से मेजबान टीम ने 4-3 से जीत दर्ज की। पिछली उपविजेता फ्रांस को शूटआउट में हराकर अंतिम चार में पहुंची जर्मनी के खिलाफ इस तरह की कोई भी चूक भारी पड़ सकती है और मुख्य कोच पी आर श्रीजेश ने भी स्वीकार किया कि प्रदर्शन में सुधार करना होगा।

श्रीजेश ने मैच के बाद कहा नॉकआउट मैचों में इस तरह की गलतियां नहीं कर सकते। सबसे पहले तो गोल करने के मौके बर्बाद करने से बचना होगा और आखिरी क्षणों में गोल गंवाने की गलती से पार पाना होगा। हम खिताब से दो जीत दूर हैं और खिलाड़ियों को बखूबी पता है कि यह खिताब जीतना उनके लिए कितना जरूरी है। पिछली बार 2023 में कुआलालम्पुर में हुए जूनियर विश्व कप में जर्मनी के खिलाफ ही सेमीफाइनल में भारत को 1-4 से पराजय झेलनी पड़ी थी जब वह दर्जन भर पेनल्टी कॉर्नर में से एक पर भी गोल नहीं हो सका था। दूसरी ओर जर्मनी ने दोनों पेनल्टी कॉर्नर तब्दील किये थे। कांस्य पदक के मुकाबले में स्पेन से 1-3 से हारकर भारत चौथे स्थान पर रहा था।

इस बार राउंड रॉबिन चरण में चिली, ओमान और स्विटजरलैंड के खिलाफ भारत ने एक भी गोल नहीं गंवाते हुए सबसे ज्यादा 29 गोल दागे थे। क्वार्टर फाइनल से पहले तक गोलकीपर और डिफेंस को कोई चुनौती नहीं मिली थी और बेल्जियम के खिलाफ 13वें मिनट में भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट का पहला गोल गंवाया।

अभी काम पूरा नहीं हुआ है : कोच श्रीजेश

चेन्नई : खिताब से दो जीत दूर भारतीय टीम को जर्मनी के खिलाफ जूनियर हॉकी विश्व कप सेमीफाइनल से पहले मुख्य कोच पी आर श्रीजेश से एक ही सलाह मिली है कि अभी काम पूरा नहीं हुआ है और अपने पैर जमीन पर रखने हैं। भारत ने आखिरी मिनट में गोल गंवाने के बाद शूटआउट तक खिंचे क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम को 4-3 से हराया लेकिन दो बार के ओलंपिक पदक विजेता रहे कोच श्रीजेश का कहना है कि सात बार की चैम्पियन जर्मनी के खिलाफ इस तरह की गलतियों की कोई गुंजाइश नहीं रहेगी। उन्होंने भाषा से कहा बेल्जियम के खिलाफ पहले 45 मिनट एक गोल से पीछे रहना और फर आखिरी एक मिनट में उन्हें बराबरी का गोल करने का मौका देना, यह मुझे अच्छा नहीं लग रहा था। आखिरी मिनट में गोल गंवाना, शूटआउट इससे बचना चाहिए।

- सात बार के चैंपियन के खिलाफ मुकाबला आज

FIH HOCKEY MEN'S JUNIOR WORLD CUP TAMIL NADU 2025

फुटबॉल विश्व कप | 11 जून से शुरू होगा महामुकाबला, 48 देशों की टीमें लेंगी भाग, स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेसी पर रहेंगी निगाहें

अल्जीरिया के खिलाफ अभियान शुरू करेगा मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना

वॉशिंगटन, एजेंसी

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी, मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो वाशिंगटन के केनेडी सेंटर में 2026 सॉकर वर्ल्ड कप के ड्रॉ के दौरान देशों के नाम दिखाते हुए। एजेंसी

मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना 2026 में अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले फुटबॉल विश्व कप में अपने खिताब बचाने के अभियान की शुरुआत अल्जीरिया के खिलाफ करेगा। जिसमें सभी की निगाहें स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेसी पर टिकी रहेंगी, जो रिकॉर्ड छठी बार इस टूर्नामेंट में खेलेंगे।

लगभग डेढ़ लाख की आबादी वाला कुराकाओ जनसंख्या के लिहाज से विश्व कप में जगह बनाने वाला सबसे छोटा देश बन गया है। उसका पहला मुकाबला चार बार के चैंपियन जर्मनी से होगा।

विश्व कप ड्रॉ के लिए आयोजित समारोह बेहद भव्य था। कैनेडी सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स में आयोजित समारोह में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फुटबॉल की नियामक संस्था फीफा ने एक नया शांति पुरस्कार भी प्रदान किया। ट्रंप, मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अपने-अपने देशों के नाम लिखे प्लास्टिक के गोले उठाए। ट्रंप की तुलना में शीनबाम ने ज्यादा तालियां बटोरीं। फीफा का यह कार्यक्रम एक फुटबॉल मैच के समय के बराबर 90 मिनट तक चला जिसमें संगीत और खेल व मनोरंजन जगत के सितारे शामिल थे। असली ड्रॉ लगभग डेढ़ घंटे बाद शुरू हुआ। टॉम ब्रैडी, शैक्विल ओ नील, आरोन जज और वेन ग्रेट्ज़की जैसी हस्तियों ने इसमें हिस्सा लिया। न्यूजीलैंड का नंबर सबसे बाद में आया। तीन बार की चैंपियन अर्जेंटीना का पहला मैच 16 जून को मिसौरी के कैनसस सिटी या कैलिफ़ोर्निया के सांता क्लारा में होगा। इसके बाद ग्रुप जे में उसका सामना ऑस्ट्रिया और जॉर्डन से होगा। टूर्नामेंट के दौरान 39 वर्ष के हो जाने वाले मेस्सी ने अभी तक इस टूर्नामेंट में खेलने की प्रतिबद्धता नहीं जताई है, लेकिन यदि वह रिकॉर्ड छठे विश्व कप में खेलने से इन्कार कर देते हैं तो यह चौंकाने वाली बात होगी।

मेजबान अमेरिका ग्रुप डी में अपना पहला मैच 12 जून को कैलिफोर्निया के इंगलवुड में पैराग्वे के खिलाफ खेलेगा। अमेरिकी टीम छह दिन बाद सिएटल में ऑस्ट्रेलिया से और फिर 25 जून को सोफी स्टेडियम में तुर्की, रोमानिया, स्लोवाकिया या कोसोवो से भिड़ेगी। मैक्सिको 11 जून को मैक्सिको सिटी में ग्रुप ए में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टूर्नामेंट का पहला मैच खेलेगा।

इंग्लैंड ग्रुप एल में क्रोएशिया, घाना और पनामा के साथ खेलेगा। पांच बार के चैंपियन ब्राजील का पहला मुकाबला मोरक्को से होगा। इसके बाद वह ग्रुप सी में हैती और स्कॉटलैंड का सामना करेगा। ब्राजील के कोच कार्लो एंसेलोटी ने कहा यह बहुत मुश्किल ग्रुप है। शीर्ष रैंकिंग वाली स्पेन की टीम ग्रुप एच में केप वर्डे, सऊदी अरब और उरुग्वे से भिड़ेगी, जबकि चार बार की चैंपियन जर्मनी का सामना ग्रुप ई में कुराकाओ, आइवरी कोस्ट और इक्वाडोर से होगा।

दो बार की चैंपियन फ्रांस की टीम 16 जून को ईस्ट रदरफोर्ड, न्यू जर्सी या फॉक्सबोरो, मैसाचुसेट्स में सेनेगल के खिलाफ़ मुकाबला खेलेगी। इसके बाद फ्रांस ग्रुप आई में बोलीविया, इराक या सूरीनाम से भिड़ेगा। पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो भी मेस्सी की तरह रिकॉर्ड छठे विश्व कप में खेलने की उम्मीद कर रहे हैं। अगर पुर्तगाल और अर्जेंटीना अपने ग्रुप में पहले स्थान पर रहते हैं तो रोनाल्डो और मेस्सी एरोहेड स्टेडियम में क्वार्टर फाइनल में एक दूसरे का सामना कर सकते हैं।

ब्राजील ने 1958 और 1962 में लगातार दो बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था। इटली के नाम चार और उरुग्वे के नाम दो ख़िताब हैं। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने ट्रंप को एक बड़ी सुनहरे रंग की शांति पुरस्कार ट्रॉफी और नीले रिबन से लटका एक सुनहरे रंग का पदक दिया, जिसे ट्रंप ने अपने गले में लटका लिया।

न्यू जर्सी में 19 जुलाई को होगा फाइनल

विश्व कप 2026 के क्वालीफाइंग मुकाबले 27 महीने पहले शुरू हो गए थे। इस टूर्नामेंट में पांच बार के चैंपियन ब्राजील से लेकर पदार्पण करने वाले केप वर्डे, कुराकाओ, जॉर्डन और उज्बेकिस्तान सहित 48 देशों की टीम अपना कौशल दिखाएंगी। अगले साल 11 जून से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 104 मैच होंगे। विश्व कप में भाग लेने वाली 48 में से 42 टीमों का निर्धारण हो चुका है, जबकि 22 टीमें बाकी बचे छह स्थानों के लिए प्लेऑफ में खेलेंगी। इन टीमों का निर्धारण अगले साल 31 मार्च तक हो जाएगा। टीमों को 12 ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप में चार-चार टीम हैं। प्रत्येक ग्रुप से पहले दो स्थान पर रहने वाली टीम और तीसरे स्थान पर रहने वाली शीर्ष आठ टीम राउंड ऑफ 32 में जगह बनाएंगी। क्वार्टर फाइनल से आगे के सभी मैच अमेरिका में होंगे, जिनका समापन 19 जुलाई को ईस्ट रदरफोर्ड, न्यू जर्सी में होने वाले फाइनल में होगा।

अन्य ग्रुपों की स्थिति इस प्रकार है

जी : बेल्जियम, मिस्र, ईरान, न्यूजीलैंड।

बी : कनाडा, स्विट्जरलैंड, कतर और इटली, बोस्निया-हर्जेगोविना, वेल्स या उत्तरी आयरलैंड।

एफ : नीदरलैंड, जापान, ट्यूनीशिया और स्वीडन, यूक्रेन, अल्बानिया और पोलैंड।

सुरुचि ने स्वर्ण व संयम ने रजत पदक जीता

दोहा, एजेंसी

निशानेबाजी विश्व कप फाइनल

सुरुचि सिंह।

प्रतिभाशाली निशानेबाज सुरुचि सिंह ने एक और शानदार प्रदर्शन हुए महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता जबकि उनकी साथी संयम ने रजत पदक हासिल किया जिससे भारत ने सत्र के आखिर में होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल के पहले दिन शानदार शुरुआत की।

दिन में पहले 10 मीटर राइफल निशानेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद सुरुचि ने फाइनल में 245.1 का शानदार स्कोर बनाकर स्वर्ण पदक जीतकर भारत के लिए दिन चमका दिया। वहीं पूर्व जूनियर विश्व चैंपियन संयम ने 243.3 के स्कोर के साथ देश के लिए रजत पदक पक्का किया।

दो बार की ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मनु भाकर फाइनल में पहुंची लेकिन 179.2 के स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। इस साल की शुरुआत में लगातार चार विश्व कप स्वर्ण पदक जीतने के बाद सुरुचि सितंबर-अक्टूबर में विश्व रैंकिंग में पहले स्थान पर थीं। वह शानदार फॉर्म में थीं और उन्होंने 586 के कुल स्कोर के साथ 12 निशानेबाजों के एलीट ग्रुप में क्वालिफिकेशन दौर में दूसरा स्थान हासिल किया। भाकर (578) छठे स्थान पर रहीं जबकि 2023 की जूनियर विश्व चैंपियन संयम (573) क्वालिफिकेशन में आठवें स्थान पर रहने के बाद मुश्किल से फाइनल में पहुंच पाईं। हालांकि फाइनल में 21 साल की संयम बिल्कुल अलग रंग में दिखीं। वह फाइनल के बड़े हिस्से में सबसे आगे रहीं लेकिन एलिमिनेशन दौर में चार बार 9.5 का स्कोर से शीर्ष स्थान सुरुचि को गंवा बैठीं।